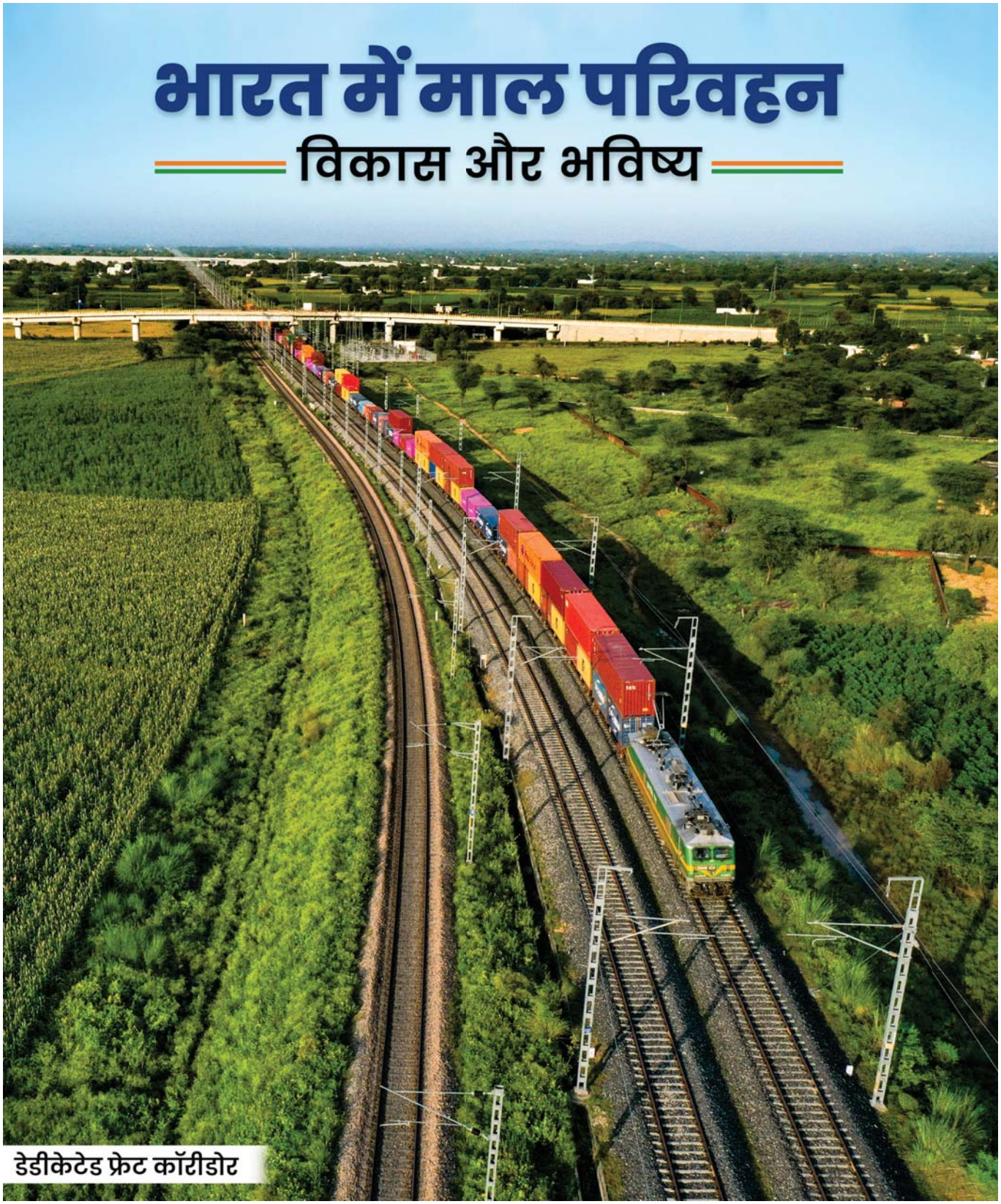
भारतीय रेल

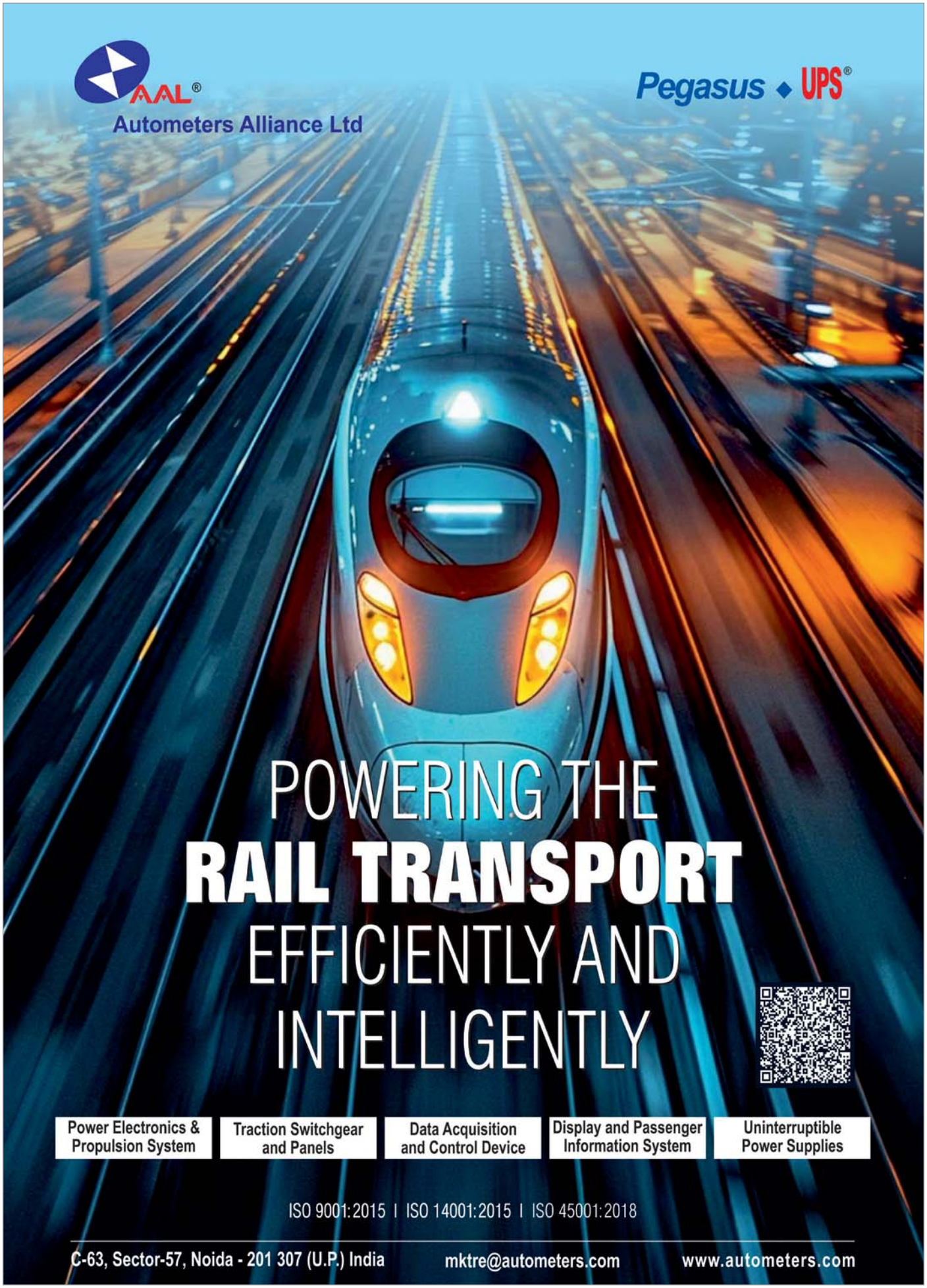
दिसम्बर 2024

मूल्य ₹ 20

भारत में माल परिवहन
विकास और भविष्य



डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर


AAL®
Autometers Alliance Ltd
Pegasus ◆ UPS®
POWERING THE
RAIL TRANSPORT
EFFICIENTLY AND
INTELLIGENTLY
Power Electronics & Propulsion System
Traction Switchgear and Panels
Data Acquisition and Control Device
Display and Passenger Information System
Uninterruptible Power Supplies
ISO 9001:2015 I ISO 14001:2015 I ISO 45001:2018
C-63, Sector-57, Noida - 201 307 (U.P.) India
mktre@autometers.com
www.autometers.com

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका

आरंभ: अगस्त-1960 वर्ष: 65 अंक: 05 राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित पत्रिका दिसम्बर-2024 मूल्य: ₹20

संपादक मंडल

श्री सतीश कुमार
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

सुश्री रूपा श्रीनिवासन
सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड

सुश्री अरुणा नायर
सचिव, रेलवे बोर्ड

दिलीप कुमार
कार्यकारी निदेशक, सूचना एवं प्रचार

शिवाजी मारुती सुतार
निदेशक, सूचना एवं प्रचार

संपादक
योगेश अवस्थी

संपादकीय कार्यालय
संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
editorbhartiyarailrb@gmail.com
editorbhartiyarail@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क
ललित कुमार धनकड़
व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 011-47845378, 47845089
bmpr310rb@gmail.com

आवरण
डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर

फॉलो करें
Twitter :
@bhartiyarailrb

वार्षिक सदस्यता शुल्क
(ऑफलाइन)
सर्वसाधारण -₹250
रेलकर्मियों के लिए -₹200
विदेश में
सी-मेल द्वारा -₹1,250
एयर-मेल द्वारा -₹2,500
एक प्रति-₹20 वार्षिक विशेषांक-₹70

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का सम्बन्ध, जब तक विशेषत: स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

© भारतीय रेल

5 माननीय प्रधानमंत्री ने किया बिहार में रु. 1740 करोड़ की लागत वाली विभिन्न रेल परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण

7 ₹7,927 करोड़ की तीन महत्त्वपूर्ण रेल परियोजनाओं को कैबिनेट ने दी मंजूरी

12 मुख्यमंत्री उत्तराखंड द्वारा लालकुआँ-बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस का शुभारंभ

12 रेल मंत्री ने केरल में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा की

13 रेल मंत्री ने किया अखिल भारतीय एससी/एसटी रेलवे कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित

13 भारतीय रेल ने रोजगार कैलेंडर के अनुसार भर्ती कार्यक्रम आयोजित किए

14 राज्य की विकास परियोजनाओं में गति शक्ति विश्वविद्यालय की भूमिका सरकार तथा यूनिवर्सिटी के लिए फायदेमंद है – रेल मंत्री

15 गति शक्ति विश्वविद्यालय के कोर्ट की पहली बैठक आयोजित

15 रेल मंत्री द्वारा बुलेट ट्रेन ट्रैक स्लैब कारखाने का दौरा

16 रेल राज्य मंत्री ने किया अंजी एवं चिनाब ब्रिज का दौरा

17 डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने मनाया अपना 19वां स्थापना दिवस

18 डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर क्रांति का पर्याय — श्री प्रवीण कुमार

23 भारतीय रेल में मनाया गया सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024

24 सदस्य, अवसंरचना, रेलवे बोर्ड का आरडीएसओ दौरा

25 विशेष अभियान 4.0 भारतीय रेल ने किया एक माह में 2.5 लाख लोक शिकायतों का समाधान

26 मुंबई भूमिगत बुलेट ट्रेन स्टेशन का पहला बेस स्लैब कास्ट किया गया

27 भैरबी-साईरंग रेल परियोजना पूर्ण होने की ओर अग्रसर मिजोरम को मिलेगा निर्बाध रेल संपर्क

28 भारतीय रेल की महत्त्वपूर्ण उपलब्धि लगाए गए सामान्य श्रेणी के 905 कोच, रोज लाखों यात्री लाभान्वित

29 संसद में भारतीय रेल

40 दिवाली और छठ पूजा के दौरान 12 करोड़ लोगों की सुखद यात्रा की साथी बनी भारतीय रेल — इरुत नरायन सक्सेना

43 बदलते भारत की बदलती तस्वीर — सुश्री जया वर्मा सिन्हा

45 मूर्त होती अजेय साझेदारी — श्री ए. के. खंडेलवाल

48 साफ सुधरे बेडरोल से सुखद बन रही भारतीय रेल में यात्रा

51 महाकुंभ 2025

53 नए पंबन पुल पर सफल रहा उच्च गति परीक्षण

55 क्षेत्रीय रेल एवं उत्पादन इकाइयों के समाचार

63 मेट्रो रेल, कोलकाता के बेमिसाल 40 साल

65 खेलों में भारतीय रेल

66 गोल्डन चैरियट लग्जरी ट्रेन

68 कुछ दिन तो गुजारो गुजरात में

संपादकीय



सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती भारतीय रेल

त्योहारों का मौसम भारत के सामाजिक ताने-बाने में एक विशेष स्थान रखता है। दीवाली, छठ पूजा, और दुर्गा पूजा जैसे पर्व न केवल आध्यात्मिक आस्था के प्रतीक हैं, बल्कि परिवारों और मित्रों के साथ बिताए गए उन अमूल्य पलों को भी जोड़ते हैं, जो जीवन को नई ऊर्जा और उल्लास से भर देते हैं। इन अवसरों पर भारतीय रेल की भूमिका अनमोल हो जाती है, क्योंकि रेल सिर्फ एक परिवहन माध्यम ही नहीं, बल्कि करोड़ों दिलों को जोड़ने का सेतु है।

इस वर्ष, दिनांक 1 अक्टूबर से 30 नवंबर 2024 तक, भारतीय रेल ने अपनी सेवाओं को एक नई ऊंचाई पर पहुँचाया। नियमित ट्रेनों के अतिरिक्त, 7990 विशेष ट्रेनों का संचालन कर करीब 12 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्यों तक पहुँचाया गया। यह न केवल एक अद्वितीय उपलब्धि है, बल्कि पिछले साल की तुलना में 78 प्रतिशत अधिक विशेष ट्रेनों के परिचालन की क्षमता का प्रमाण भी है। इस दौरान, दिनांक 4 नवंबर, 2024 को, एक ही दिन में 3 करोड़ से अधिक यात्रियों ने रेल यात्रा की, जो अपने आप में एक कीर्तिमान है। यह संख्या ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की संयुक्त जनसंख्या से भी अधिक है।

भारतीय रेल की इस सफलता के पीछे न केवल बेहतरीन योजना और प्रबंधन है, बल्कि हजारों रेलकर्मियों की अथक मेहनत और समर्पण भी है। इतने बड़े जनसमूह को संभालना केवल ट्रेनों के संचालन तक सीमित नहीं था। स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन और यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए। अतिरिक्त टिकट काउंटर्स से लेकर पीने के पानी और रुकने के लिए पंडाल तक की व्यवस्था, हर छोटी-बड़ी जरूरत का ध्यान रखा गया। यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने और अपनी सीटों तक पहुँचाने के लिए भी शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं बनाई गईं।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में इस अभियान की मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन ने सुनिश्चित किया कि हर यात्री को सुखद और सुरक्षित अनुभव मिले। यात्रियों ने सोशल मीडिया और अन्य मंचों पर भारतीय रेल के इस प्रयास की भरपूर सराहना की। विशेष ट्रेनों के संचालन, बेहतर सेवाओं, और समयबद्धता ने न केवल यात्रियों का विश्वास जीता, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि भारतीय रेल चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अपने दायित्व को बखूबी निभा सकती है।

भारतीय रेल ने सामान्य श्रेणी के यात्रियों की सुविधा के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इस वर्ष, 370 ट्रेनों में 905 सामान्य श्रेणी के कोच जोड़े गए, जिससे रोजाना एक लाख से अधिक अतिरिक्त यात्रियों को लाभ मिला। दो साल में, 10,000 से अधिक गैर-एसी कोच जोड़ने का लक्ष्य भारतीय रेल की इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

त्योहारों के इस महत्त्वपूर्ण समय में, भारतीय रेल ने यह साबित कर दिया कि वह न केवल एक परिवहन माध्यम है, बल्कि देश की जीवन रेखा भी है। यह पहल न केवल यात्रियों के अनुभव को सुखद और यादगार बनाने में सफल रही, बल्कि भारतीय रेल के प्रति लोगों के विश्वास और सम्मान को और गहरा किया।

'रेल चले तब देश बढ़े' केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारतीय रेल की वास्तविकता है। यह देश की सांस्कृतिक विविधता, सामाजिक एकता, और आर्थिक प्रगति का प्रतिबिंब है। भारतीय रेल ने इस त्योहारों के मौसम में जो सेवा और समर्पण दिखाया है, वह न केवल प्रशंसनीय है, बल्कि एक प्रेरणा भी है कि जब भी देश को जरूरत हो, भारतीय रेल हमेशा तत्पर रहती है

आपको हमारा यह अंक कैसा लगा, हमें जरूर बताएँ।

माननीय प्रधानमंत्री ने किया बिहार में रु. 1740 करोड़ की लागत वाली विभिन्न रेल परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण

प्रधानमंत्री ने 18 रेलवे स्टेशनों पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का किया लोकार्पण
प्रधानमंत्री ने ट्रेन सेवाओं को भी दिखाई हरी झंडी



बिहार में विभिन्न रेल विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में विभिन्न ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी। इस अवसर पर मंच पर उपस्थित थे, बिहार के राज्यपाल श्री राजेंद्र आर्लेकर, बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 13 नवम्बर, 2024 को बिहार में लगभग ₹1,740 करोड़ से अधिक लागत वाली विभिन्न रेल विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने बिहार के औरंगाबाद जिले में चिरालापोथु से बाघा बिशुनपुर तक ₹220 करोड़ से अधिक लागत वाली सोननगर बाईपास रेलवे लाइन की आधारशिला भी रखी।

श्री मोदी ने ₹1,520 करोड़ से अधिक की रेलवे परियोजनाओं को भी राष्ट्र को समर्पित किया। इनमें झंझारपुर-लौकाहा बाजार रेल खंड का आमान परिवर्तन, दरभंगा जंक्शन पर रेल यातायात भीड़ को कम करने के लिए दरभंगा बाईपास रेल लाइन, बेहतर संपर्क सुविधा प्रदान करने की दिशा में रेल लाइन परियोजनाओं का दोहरीकरण कार्य आदि शामिल हैं। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि दरभंगा देश के उन 12 शहरों में से एक है, जो रामायण सर्किट से जुड़े हैं, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, दरभंगा-सीतामढ़ी-अयोध्या रूट पर अमृत भारत ट्रेन से लोगों को काफी लाभ हुआ है।

प्रधानमंत्री ने झंझारपुर-लौकाहा बाजार खंड में ट्रेन सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाई। इस खंड में मेमू ट्रेन सेवाओं की शुरुआत से आसपास के कस्बों और शहरों में नौकरी, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच आसान हो जाएगी।

प्रधानमंत्री ने देशभर के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 18 प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र समर्पित किए। इससे यात्रियों को रेलवे स्टेशनों पर सस्ती दवाइयाँ उपलब्ध होंगी। इससे जेनेरिक दवाओं के बारे में जागरूकता और स्वीकार्यता को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्वास्थ्य सेवा पर होने वाले कुल खर्च में कमी आएगी।

माननीय प्रधानमंत्री ने निम्नलिखित 18 रेलवे स्टेशनों पर 'प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र' का उद्घाटन किया

1. बाड़मेर, राजस्थान, 2. बरेली, उत्तर प्रदेश, 3. कटनी, मध्य प्रदेश, 4. तंजौर, तमिलनाडु, 5. फालना, राजस्थान, 6. ललितपुर, उत्तर प्रदेश, 7. वापी, गुजरात, 8. नेताजी मेट्रो स्टेशन, पश्चिम बंगाल, 9. नागरकोविल, तमिलनाडु, 10. बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 11. राजकोट, गुजरात, 12 अगरतला, त्रिपुरा, 13. चांदलोडिया, गुजरात, 14. केचेगुडा, तेलंगाना, 15. दुर्गापुरा, राजस्थान, 16. बादशाह नगर, उत्तर प्रदेश, 17. समस्तीपुर, बिहार, 18. दावणगेरे, कर्नाटक।■



PM GatiShakti

रेल अवसंरचना
का हो रहा विस्तार



केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी

भारतीय रेल में 3 मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएँ

कुल लागत **₹7,927 करोड़** | मार्ग की लंबाई **375 कि.मी.** | ट्रैक की लंबाई **639 कि.मी.**

लाभ

- महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश को लाभ
- महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के प्रमुख तीर्थ स्थलों की कनेक्टिविटी को सुव्यवस्थित करना
- कोयला, इस्पात और सीमेंट रेल परिवहन की ओर मोड़ना

मनमाड - जलगांव चौथी रेल लाइन

(मुंबई - हावड़ा उच्च घनत्व मार्ग)

राज्य कवर: **महाराष्ट्र**

अनुमानित लागत: **₹2,570 करोड़** | रूट की लंबाई: **160 कि.मी.**

लाभ

- **लाइन क्षमता उपयोग** बढ़ेगा
- **कोयला** और **इस्पात परिवहन** मिल सकेगा
- **प्रयागराज, वाराणसी, नासिक** आदि के तीर्थ मार्गों को पूरा करना।
- **421 गांवों** और लगभग **1,549 लाख** लोगों के लिए रेल कनेक्टिविटी में वृद्धि

भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी रेल लाइन

राज्य कवर: **महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश**

अनुमानित लागत: **₹3,284 करोड़** | रूट की लंबाई: **160 कि.मी.**

लाभ

- **वाराणसी, प्रयागराज, पटना और गोरखपुर** जैसे गंतव्यों के लिए अतिरिक्त क्षमता
- **कोयले की आवाजाही और ट्रेनों** के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी
- मालगाड़ी यात्रा के समय में 4 घंटे तक की कमी
- **364 गांवों** से संपर्क, जिससे लगभग **14.75 लाख लोग** लाभान्वित होंगे

मानिकपुर-इरादतगंज तीसरी रेल लाइन

(लोहगरा और मदाराहा के बीच रेल फ्लाईओवर सहित)

राज्य कवर: **उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश**

अनुमानित लागत: **₹1,507 करोड़** | रूट की लंबाई: **84.4 कि.मी.**

लाभ

- अनुभाग पर अतिरिक्त लोडिंग की सुविधाएं
- रसद लागत और भीड़ में कमी
- मालगाड़ी रोके जाने का समय **141 मिनट से घटकर 30 मिनट**
- **534 गांवों** और लगभग **8 लाख लोगों** तक कनेक्टिविटी बढ़ाई गई

₹7,927 करोड़ की तीन महत्त्वपूर्ण रेल परियोजनाओं को कैबिनेट ने दी मंजूरी

- **इन रेल परियोजनाओं से सालाना 50 मिलियन टन कार्गो में बढ़ोतरी होगी और प्रति वर्ष 15 करोड़ लीटर डीजल की बचत होगी।**
- **शेतकारी समृद्धि रेल ने 200% अधिभोग प्राप्त किया है, पूरे क्षेत्र में ज्यादा किसानों को लाभान्वित करने के लिए विस्तार की योजना।**
- **कवच 4.0 अगले 6 वर्षों में रेल लाइनों में राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन के साथ जल्द ही 10,000 इंजनों से लैस होगा- श्री वैष्णव**

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 26 नवम्बर, 2024 को नई दिल्ली के रेल भवन में मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) द्वारा अनुमोदित तीन प्रमुख रेल अवसंरचना परियोजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की, जो महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में संपर्क को बहुत बढ़ावा देंगे।

परियोजना का विस्तृत विवरण और इससे उत्तरी महाराष्ट्र के खानदेश क्षेत्र को होने वाले लाभों और उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र के संपर्क पर चर्चा करते हुए, मंत्री ने 375 कि.मी. की मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला,

परियोजना का नाम	मार्ग की लंबाई (कि.मी. में)	लागत (₹करोड़)
मनमाड-जलगाँव चौथी लाइन	160	2,773
भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन	131	3,514
माणिकपुर-प्रयागराज तीसरी लाइन	84	1,640
कुल	**375**	**7,927**

ये परियोजनाएँ मुंबई और प्रयागराज के बीच संपर्क को बढ़ावा देगी और इसका उद्देश्य यात्री और मालगाड़ी दोनों के आवागमन को सुविधाजनक बनाना है, जिससे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

रेल मंत्री ने आगे कहा कि कैबिनेट स्तर पर स्वीकृत की गई ये तीन परियोजनाएँ वाराणसी सहित पूर्वांचल और मुंबई के बीच कंटेनर आवागमन में सुधार लाने के लिए एक व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि गलियारा उभरते उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करता है, वाराणसी तक विस्तारित एक गहन सर्वेक्षण किया गया। ये परियोजनाएँ इस खंड की लॉजिस्टिक क्षमता बढ़ाएंगी। यह खंड पूर्वी डेडीकेटड फ्रेट कॉरीडोर (ईडीएफसी) के फीडर सेक्शन के रूप में भी काम



रेल परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी पत्रकारों से साझा करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

करेगा, जिससे शहरों और प्रमुख रेलवे स्टेशनों में भीड़ को कम करने में मदद मिलेगी, जबकि महाराष्ट्र के प्रमुख बंदरगाहों जैसे जवाहरलाल नेहरू पोर्ट, मुंबई और आगामी वाधवन पोर्ट से संपर्क बढ़ेगा। यह संपर्क कृषि एवं औद्योगिक वस्तुओं दोनों के निर्बाध आवागमन की सुविधा प्रदान करेगी, लॉजिस्टिक पारिस्थितिकी तंत्र (इको सिस्टम) को मजबूत करेगी और आर्थिक विकास का समर्थन करेगी। रेल मंत्री ने रेल परियोजनाओं के पर्यावरणीय और आर्थिक लाभों को भी रेखांकित किया और इस बात पर बल दिया कि रेलवे, परिवहन के पर्यावरण-अनुकूल और ऊर्जा-कुशल माध्यम के रूप में, लॉजिस्टिक लागत में बहुत कमी लाते हुए देश के जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ये परियोजनाएँ 271 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन में कमी लाने में योगदान देंगी, जो 15 करोड़ वृक्षारोपण के बराबर है। इन तीनों परियोजनाओं की कुल लागत लगभग ₹7,927 करोड़ है, और इनके चार वर्षों में पूरा होने की उम्मीद है। परियोजनाओं के पूरा होने के बाद 50 मिलियन टन कार्गो में बढ़ोतरी होगी और प्रति वर्ष कुल 15 करोड़ लीटर डीजल की बचत होगी। यह हरित और कुशल

अवसंरचना के माध्यम से सतत विकास एवं आर्थिक वृद्धि के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

375 कि.मी. लंबी रेलवे लाइन परियोजनाओं के ये खंड प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ेंगे, जिनमें मुंबई-प्रयागराज-वाराणसी मार्ग, मुंबई-हावड़ा स्वर्णिम विकर्ण और मुंबई-मनमाड-भुसावल-खंडवा-सतना-प्रयागराज-वाराणसी मार्ग शामिल हैं। ये परियोजनाएँ अतिरिक्त यात्री ट्रेनों के परिचालन को सक्षम बनाएगी, जिससे नासिक (त्र्यंबकेश्वर), खंडवा (ओंकारेश्वर), और वाराणसी (काशी विश्वनाथ) में ज्योतिर्लिंगों के साथ-साथ प्रयागराज, चित्रकूट, गया और शिरडी में धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को लाभ होगा। क्षमता और परिचालन दक्षता में सुधार करके, परियोजनाएँ महाराष्ट्र में खानदेश क्षेत्र, मध्य प्रदेश, उत्तर भारत में पूर्वांचल और पश्चिम में मुंबई के बीच संपर्क को भी बढ़ावा देगी।

धार्मिक और सांस्कृतिक फायदों के अलावा, ये परियोजनाएँ खजुराहो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, अजंता और एलोरा गुफाएं यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, देवगिरी किला, असीरगढ़ किला, रीवा किला, यावल वन्यजीव अभयारण्य, केवटी फॉल्स, पुरवा फॉल्स और अन्य प्रमुख आकर्षक स्थलों तक पहुँच में सुधार करके पर्यटन को भी बढ़ावा देंगी।

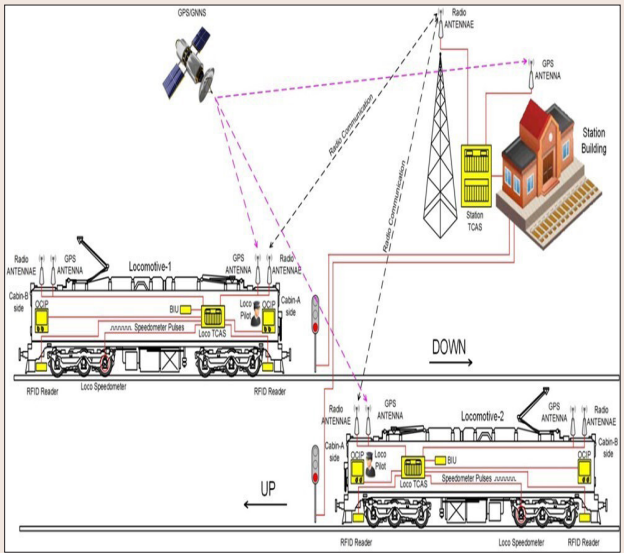
शेतकारी समृद्धि रेल - रेल मंत्री ने शेतकारी समृद्धि रेल को हाल ही में देवलाली से दानापुर तक शुरू की गई सफलता पर भी बल दिया, जिसने अपनी स्थापना के बाद से 200 प्रतिशत अधिभोग प्राप्त की है। नासिक में किसानों के सुझावों के आधार पर कृषि उपज के लिए समर्पित 10 यात्री डिब्बों और 10 डिब्बों वाली यह अभिनव ट्रेन सेवा शुरू की गई थी।

कई छोटे स्तर के किसानों ने एक लचीले परिवहन समाधान की आवश्यकता की बात की थी, क्योंकि वे पूरी ट्रेन बुक करने में प्रायः असमर्थ होते हैं। शेतकारी समृद्धि रेल में किसान प्याज या अनार जैसी आधा क्विंटल उपज से लेकर 10 क्विंटल सोयाबीन जैसी बड़ी खेप का परिवहन कर सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इस ट्रेन को किसान हितैषी दृष्टिकोण के लिए व्यापक सराहना प्राप्त हो रही है, जिसमें इसकी लोकप्रियता और उपयोगिता पर प्रकाश डालने वाली सकारात्मक प्रतिक्रिया भी शामिल है। इसकी सफलता से उत्साहित, अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह की सेवाओं का विस्तार करने की योजना बनायी जा रही है, जिससे अधिक किसानों को अपने कृषि उत्पादों के लिए सस्ती और विश्वसनीय परिवहन का लाभ प्राप्त हो सके।

कवच

रेल मंत्री ने कवच प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन और प्रगति पर बताया कि कवच का उद्देश्य रेलवे नेटवर्क में सुरक्षा एवं परिचालन दक्षता को बढ़ावा देना है। कवच संस्करण 3.2, जिसे 1,600 कि.मी. से अधिक दूरी में सफलतापूर्वक लागू किया गया, को अब उन्नत कवच संस्करण 4.0 में अपग्रेड किया जा रहा है। कवच संस्करण 4.0 को आरडीएसओ द्वारा दिनांक 16 जुलाई, 2024 को मंजूरी प्रदान की गई। ट्रेन परिचालन में सुरक्षा एवं दक्षता बढ़ाने के लिए उन्नत संस्करण में उन्नत सुविधाओं को शामिल किया गया है।

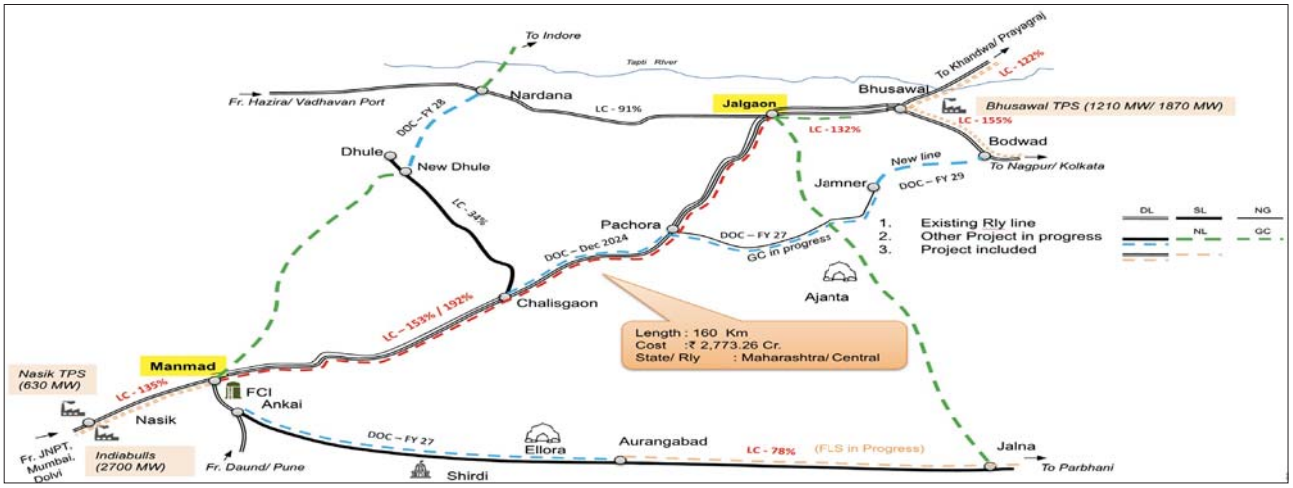


कवच तकनीक के साथ 10,000 लोकोमोटिव को लैस करने के लिए एक बड़ी पहल की जा रही है, जिसके लिए पहले से ही ऑर्डर दिए जा चुके हैं और 9,000 से अधिक तकनीशियनों और इंजीनियरों को इसकी स्थापना के लिए प्रशिक्षित किया गया है। इस परियोजना के स्तर की तुलना एक नई दूरसंचार कंपनी की शुरुआत करने से करते हुए, मंत्री ने साझा किया कि सवाई माधोपुर और कोटा के बीच परीक्षण का काम सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है, और यह खंड अब कवच 4.0 के साथ परिचालन अवस्था में है। इसके अलावा, मुंबई-वडोदरा कॉरीडोर के लिए प्रमाणन कार्य जारी है, जबकि दिल्ली-मथुरा, दिल्ली-अलवर और दिल्ली-कानपुर जैसे मार्गों पर स्थापना कार्य शुरू हो चुकी है।

अब तक, कवच 4.0 को 1,000 कि.मी. से अधिक दूरी तक स्थापित किया गया है, अगले छह वर्षों के अंदर इसे पूरे देश में विस्तारित करने की योजना है। रेल मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत केवल छह वर्षों में राष्ट्रव्यापी कवरेज का लक्ष्य निर्धारित कर रहा है, जबकि अन्य देशों में अपने नेटवर्क में समान सुरक्षा प्रणालियों को लागू करने में 20 वर्षों से ज्यादा का समय लग जाता है। स्थापना प्रक्रिया को अत्यधिक कुशल बनाया गया है, जिसमें कवच को केवल 22 घंटे के प्रशिक्षण के बाद लोकोमोटिव पर फिट किया जाता है। मंत्री ने कहा कि कवच जैसी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली के बिना 130 कि.मी. प्रति घंटे और उससे अधिक की गति प्राप्त करना संभव नहीं है।

(कवच की अधिक जानकारी पढ़ें पेज नंबर 36)

मनमाड-जलगांव चौथी लाइन 160 कि.मी. (₹2,773 करोड़)



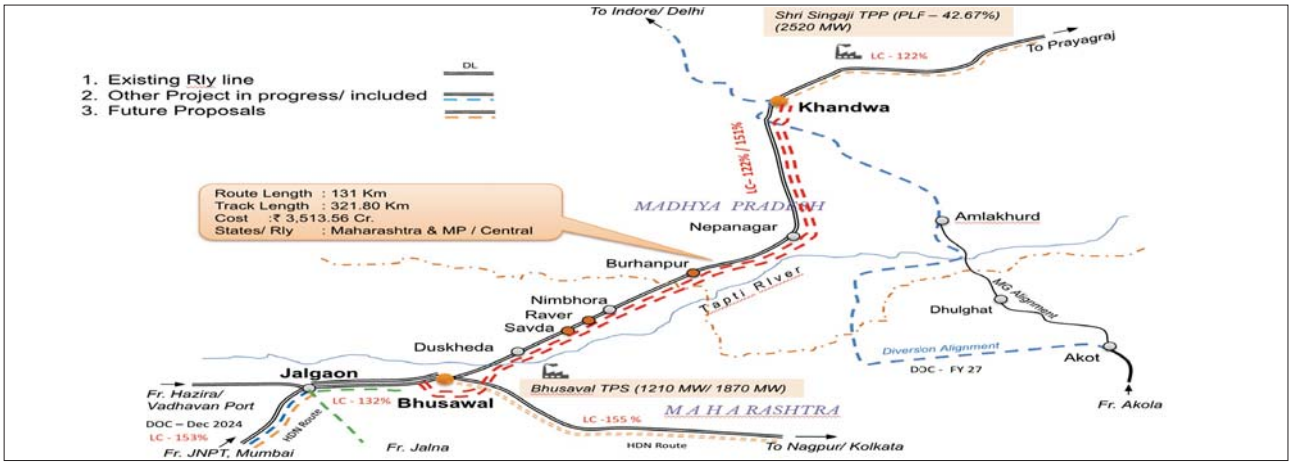
परियोजना

- मुंबई प्रयागराज वाराणसी रूट
- मुंबई हावड़ा गोल्डन विकर्ण
- महाराष्ट्र के नासिक और जलगाँव जिले

लाभ

- महाराष्ट्र में बंदरगाहों से यात्री और कार्गो की आवाजाही के लिए क्षमता बढ़ाता है
- प्याज, फल, सोयाबीन आदि जैसे कृषि उत्पादों का संचलन।
- वृद्धिशील लोडिंग = 21 मिलियन टन
- प्रति वर्ष 8 करोड़ लीटर डीजल बचेगा
- इस उच्च घनत्व गलियारे में भीड़भाड़ कम करेगा और संरक्षा में सुधार करेगा

भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन 131 कि.मी. (₹3,514 करोड़)



परियोजना

- मुंबई–मनमाड–भुसावल–खंडवा–सतना–प्रयागराज–वाराणसी मार्ग शामिल हैं।
- महाराष्ट्र में खानदेश क्षेत्र, मध्य प्रदेश, उत्तर भारत में पूर्वांचल और पश्चिम में मुंबई के बीच संपर्क को भी बढ़ावा देगी।

लाभ

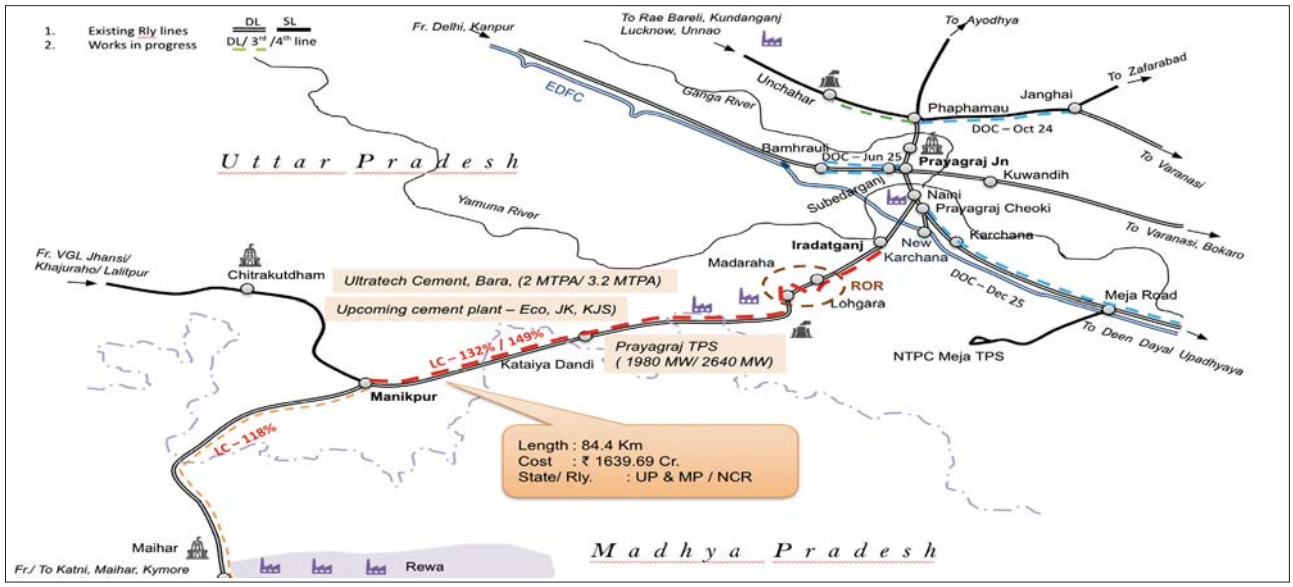
- मुंबई से उत्तरी और पूर्वी राज्यों के लिए यात्री आवाजाही की क्षमता बढ़ेगी।
- भुसावल जंक्शन पर भीड़भाड़ कम होगा।
- वृद्धिशील लोडिंग = 13 मिलियन टन।
- प्रति वर्ष 4 करोड़ लीटर डीजल बचेगा।
- इस उच्च घनत्व गलियारे को कम करेगा और संरक्षा में सुधार करेगा।

मनमाड-जलगाँव एवं भुसावल-खंडवा मल्टी-ट्रैकिंग

- नासिक-जलगाँव और बुरहानपुर-खंडवा जिलों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी
- खंडवा-आकांक्षी जिला
- नासिक (त्र्यंबकेश्वर), खंडवा (ओंकारेश्वर) और वाराणसी (काशी विश्वनाथ) में स्थित ज्योतिर्लिंगों के बीच यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा के समय में कमी।
- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में आईसीडी और लॉजिस्टिक्स पार्कों से जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) और महाराष्ट्र में अन्य गैर-महापत्तनों तक पहुँचने के लिए कंटेनरों के परिवहन के लिए अतिरिक्त क्षमता।
- पश्चिमी भारत को उत्तरी, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों से जोड़ने वाला सबसे महत्त्वपूर्ण मार्ग
- मुंबई और त्र्यंबकेश्वर (नासिक), खंडवा (ओंकारेश्वर), वाराणसी (काशी), प्रयागराज, चित्रकूट और गया सहित महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार के कई धार्मिक स्थलों को जोड़ता है।
- शिरडी साईं मंदिर, शनि शिंगणापुर, पंचवटी, कालाराम मंदिर, गोदावरी गोमुख, वाणी मंदिर और घृष्णेश्वर मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों की यात्रा की सुविधा प्रदान करता है।
- नासिक, अजंता और एलोरा गुफाएं यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, देवगिरी किला, यावल वन्यजीव अभ्यारण्य, आनंद सागर, असीरगढ़ किला, हनुवंतिया द्वीप, इंदिरा सागर बांध, मांडू, महेश्वर आदि। विभिन्न पर्यटन स्थलों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी
- महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के खानदेश क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था को सपोर्ट करना, और देश भर के विभिन्न बाजारों में क्षेत्र की उपज की तेजी से आवाजाही।
- चावल, गेहूं, बाजरा, केला, अंगूर और प्याज जैसे प्रमुख कृषि जिंसों के प्रमुख उत्पाद, जेएनपीटी, दिघी पोर्ट, रोहा और मुंद्रा बंदरगाहों के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए प्रस्तावित परियोजना को आवश्यक बनाते हैं।
- महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में स्थित थर्मल पॉवर स्टेशनों के तैयार स्टील और कोयला।
- कंटेनर, कोयला, सीमेंट, खाद्यान्न, उर्वरक आदि।

परियोजना का नाम	मनमाड-जलगाँव चौथी लाइन	भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन
राज्य (जिले)	महाराष्ट्र (नासिक 46 कि.मी., जलगाँव 114 कि.मी.)	महाराष्ट्र 47 कि.मी. (जलगाँव), मध्य प्रदेश 84 कि.मी. (बुरहानपुर 51 कि.मी., खंडवा 33 कि.मी.)
रूट कि.मी./स्पीड	160/160 कि.मी. प्रति घंटे	131/160 कि.मी. प्रति घंटे
लागत (करोड़ में)	2,773	3,514
भूमि (हे.)	169.2	275
महत्त्वपूर्ण / प्रमुख पुल	2 / 37	1 / 27
आरओबी/आरएफओ	5	3
आरयूबी	22	24
स्टेशन	19	17
अतिरिक्त यातायात (एमटीपीए)	21.6	13.1
रोजगार (लाख मानव दिवस)	54	89
CO_2 बचत (सीआर किग्रा)	115.8	70.5
पेड़ों को बचाया (करोड़)	4.6	2.8
उद्योग/खान	कोयला, इस्पात, कंटेनर	कोयला, सीमेंट, कंटेनर
गलियारा	ऊर्जा, खनिज और सीमेंट	ऊर्जा, खनिज और सीमेंट

प्रयागराज - माणिकपुर तीसरी लाइन 84 कि. मी. (₹1,640 करोड़)



परियोजना

- मुंबई मनमाड भुसावल खंड प्रयागराज वाराणसी रूट
- उत्तर प्रदेश के (चित्रकूट और प्रयागराज जिले) को मध्य प्रदेश (रीवा जिला) के बघेलखंड से जोड़ता है

लाभ

- पूर्वी फ्रेट कॉरीडोर के लिए फीडर मार्ग
- मुंबई से मध्य प्रदेश के बघेलखंड और उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल तक यात्रियों की आवाजाही के लिए क्षमता बढ़ेगी
- वृद्धिशील लोडिंग = 16 मिलियन टन
- प्रति वर्ष 3 करोड़ लीटर डीजल की बचत
- इस उच्च घनत्व गलियारे पर भीड़भाड़ में कमी
- प्रयागराज और चित्रकूट जिलों (उत्तर प्रदेश), रीवा और छतरपुर जिलों (मध्य प्रदेश) के लिए बेहतर कनेक्टिविटी
- चित्रकूट-आकांक्षी जिला
- कृषि और डेयरी उत्पादों, औद्योगिक कच्चे माल के परिवहन से चित्रकूट और प्रयागराज जैसे क्षेत्रों में कृषि-उद्योगों और एमएसएमई को बढ़ावा मिलेगा।
- एक महत्त्वपूर्ण रेलवे खंड जो उत्तर और पूर्वी भारत को देश के पश्चिमी और मध्य क्षेत्रों से जोड़ता है।
- परियोजना खंड के कई धार्मिक स्थलों को जोड़ता है
- उत्तर प्रदेश और बिहार : वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट और गया
- मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र : खंडवा (ओंकारेश्वर), श्रीत्र्यंबकेश्वर, ज्योतिर्लिंग मंदिर (नासिक), शिरडी और शनिशिंगणापुर।
- रीवा किला, खजुराहो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, केवटी जलप्रपात, पुरवा जलप्रपात आदि पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।
- कनेक्टिविटी को बढ़ावा देकर प्रयागराज में प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पतालों तक बेहतर पहुँच प्रदान करेगा।
- परियोजना अनुभाग पूर्वांचल क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था को सपोर्ट करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है जो गेहूं, चावल, अरहर, चीनी, उड़द आदि जैसे प्रमुख कृषि वस्तुओं का प्रमुख उत्पादक है।
- प्रयागराज और रीवा जिले भारत के प्रमुख सीमेंट/क्लिंकर उत्पादक हैं।
- यह अनुभाग ईडीएफसी का एक महत्त्वपूर्ण फीडर सेक्शन भी है।
- बारा थर्मल पॉवर प्लांट को कोयले की आपूर्ति के लिए यह परियोजना महत्त्वपूर्ण है।
- सीमेंट, क्लिंकर और चूना पत्थर, कोयला, कृषि वस्तुओं, लोहा या इस्पात आदि के तेज और कुशल संचलन को सक्षम करना।

परियोजना का नाम	प्रयागराज-माणिकपुर तीसरी लाइन
राज्य (जिले)	एमपी 20 कि.मी. (रीवा), यूपी 64 कि.मी. (प्रयागराज, चित्रकूट)
रूट कि.मी./स्पीड	84.4/160 कि.मी. प्रति घंटा
लागत (₹करोड़)	1,640
भूमि (हे.)	149.3
प्रमुख पुल	30
आरओबी/आरएफओ	6
आरयूबी	19
स्टेशन	12
अतिरिक्त यातायात (एमटीपीए)	15.9
रोजगार (लाख मानव दिवस)	29
CO_2 की बचत (करोड़ किलो)	85.6
पेड़ बचाए (करोड़)	3.4
गुड्स शेड	पदमपुर
उद्योग/खान	सीमेंट/कोयला
गलियारा	एचडीएन



आपको यह **अंक कैसा लगा**
हमें जरूर बताएं

ई-मेल : editorbhartiyarailrb@gmail.com

पत्र लिखें ▶ **संपादक,** भारतीय रेल, कमरा नं. 411, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001

मुख्यमंत्री उत्तराखंड द्वारा लालकुआँ-बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस का शुभारंभ

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड श्री पुष्कर सिंह धामी ने दिनांक 21 अक्टूबर, 2024 को 22544 लालकुआँ–बान्द्रा टर्मिनस साप्ताहिक एक्सप्रेस को लालकुआँ रेलवे स्टेशन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर, मुख्यमंत्री श्री धामी ने इस ट्रेन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस ट्रेन के संचालन से रामपुर, मुरादाबाद, गाजियाबाद, हजरत निजामुद्दीन, मथुरा, सवाई माधोपुर, कोटा, वडोदरा, सूरत जैसे रेलवे स्टेशन से जुड़े लोगों को मुम्बई क्षेत्र में यात्रा करने का आसान विकल्प मिलेगा। यह ट्रेन बाबा कैंची धाम, जागेश्वर और अन्य धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए लाभकारी होगी। सांसद श्री अजय भट्ट,



विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, मंडल रेल प्रबन्धक/इज्जतनगर सुश्री रेखा यादव सहित मुख्य अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।■

रेल मंत्री ने केरल में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा की





कोझीकोड रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों का जायजा लेते हुए (प्रथम तस्वीर में) तथा कोझीकोड से कोयम्बटूर जंक्शन तक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव (दूसरी तस्वीर में)

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 3 नवंबर, 2024 को केरल का दौरा किया। अलुवा रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के दौरान मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन, दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक श्री आरएन सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी रेल मंत्री के साथ थे। श्री वैष्णव ने अलुवा–कोझिकोड खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया और रेलवे के बुनियादी ढाँचे, सुरक्षा और सिग्नलिंग सिस्टम की स्थिति और मार्ग के साथ विकास पहलों की प्रगति की जाँच की। निरीक्षण के दौरान, रेल मंत्री ने त्रिशूर रेलवे स्टेशन पर एक प्रेस वार्ता में ₹39,358 करोड़ की लागत से त्रिशूर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए दी गई मंजूरी के बारे में घोषणा की।

रेल मंत्री ने कोझीकोड स्टेशन पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और केरल में रेल विकास परियोजनाओं का विस्तृत मूल्यांकन किया। समीक्षा बैठक में मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री, महाप्रबंधक, दक्षिण रेलवे तथा विभाग के प्रधान प्रमुख और क्षेत्रीय रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में यात्री सुविधाओं, सुरक्षा उपायों और परिचालन दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रमुख परियोजनाओं के मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित किया गया, जबकि स्टेशन पुनर्विकास, ट्रैक नवीकरण और विद्युतीकरण पर विशेष जोर दिया गया।

रेल मंत्री ने कोझिकोड रेलवे स्टेशन का दौरा किया और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। रेल मंत्री ने स्टेशन पर निर्माण और नवीकरण कार्यों, सुविधाओं के आधुनिकीकरण, यात्री सुविधाओं और सुरक्षा उपायों का जायजा लेते हुए सुधार के लिए सुझाव दिए। कोझीकोड स्टेशन क्षेत्र भूमि पार्सल को 5 एकड़ आईटी केंद्र के विकास के लिए चिन्हित किया गया है। श्री वैष्णव ने कोझीकोड से कोयम्बटूर जंक्शन तक एक विशेष ट्रेन द्वारा विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण भी किया।■

रेल मंत्री ने किया अखिल भारतीय एससी/एसटी रेलवे कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित



नागपुर में आयोजित अखिल भारतीय एससी/एसटी रेलवे कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय सम्मेलन में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि पिछले दशक में पारदर्शी तरीके से पांच लाख रेल कर्मचारियों की भर्ती की गई है, जो 2004 से 2014 के बीच भर्ती किए गए 4.4 लाख कर्मचारियों से अधिक है। नागपुर के अजानी रेलवे ग्राउंड में दिनांक 23 नवम्बर, 2024 को अखिल भारतीय एससी/एसटी रेलवे कर्मचारी संघ के दो दिन के राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए, उन्होंने भारतीय रेल के इतिहास में पहली बार वार्षिक भर्ती कैलेंडर की शुरुआत पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री बीएल भैरव, मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री धर्मवीर मीणा और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महाप्रबंधक श्रीमती नीनू सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति देखी गई।

संविधान दिवस से पहले, श्री वैष्णव ने संसद में प्रवेश करते समय माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संविधान के सामने झुकने के संकेत का हवाला देते हुए संविधान के प्रति मोदी सरकार के सम्मान पर जोर दिया। उन्होंने कहा 'संविधान के प्रति सम्मान प्रतीकवाद से परे है; यह कार्रवाई में परिलक्षित होता है।' मंत्री ने महत्त्वपूर्ण रेलवे सुधारों पर भी प्रकाश डाला, जिसमें विशेष और सामान्य कोचों का उत्पादन शामिल है, जिसमें वर्तमान में 12,000 सामान्य कोच निर्माणाधीन हैं। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान एसोसिएशन के प्रयासों की स्मृति में एक स्मारिका का अनावरण भी किया।

नागपुर की अपनी यात्रा के दौरान, श्री वैष्णव ने दीक्षाभूमि में केंद्रीय स्मारक पर डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।■

भारतीय रेल ने रोजगार कैलेंडर के अनुसार भर्ती कार्यक्रम आयोजित किए

भारतीय रेल ने वित्त वर्ष 2014-24 की अवधि के दौरान 5 लाख कर्मचारियों की भर्ती की है, जबकि पिछले दशक यानी 2004-2014 के दौरान यह केवल 4 लाख कर्मचारी की भर्ती की गई थी, जो पिछले दशक के रोजगार से 25 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय रेल के इतिहास में पहली बार रोजगार कैलेंडर प्रकाशित किया गया। सभी रिक्ति अधिसूचनाएं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी की गई थीं। कैलेंडर योजना के अनुसार सहायक लोको पायलट (एएलपी) की रिक्तियां फरवरी, 2024 में 18,799 पदों के लिए प्रकाशित की गई थीं। भर्ती के लिए एएलपी परीक्षा नवंबर, 2024 के महीने में राज्यों में 5 दिनों के दौरान आयोजित की गई थी। परीक्षा 29 राज्यों, 156 शहरों, 346 केंद्रों और तीन पालियों में आयोजित की गई थी। 25 नवंबर, 2024 को 2,22,498 26 नवंबर को 2,26920, 27 नवंबर, को 2,30,273, 28 नवंबर को 2,30,518 29 नवंबर को 2,30,722 उम्मीदवार परीक्षा के लिए उपस्थित हुए। कुल 18.4 लाख युवाओं ने 18,700 रिक्तियों के लिए आवेदन किया था, जिनमें से 11.4 लाख उम्मीदवार परीक्षाओं में उपस्थित हुए थे। परीक्षा के लिए कुल उपस्थिति लगभग 62 प्रतिशत थी।



उम्मीदवारों ने सख्त पर्यवेक्षण के तहत आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा परीक्षाएं दीं। साथ ही अभ्यर्थियों की प्रामाणिकता के लिए 92 प्रतिशत अभ्यर्थियों का आधार पहचान सत्यापन कराया गया था।■

राज्य की विकास परियोजनाओं में गति शक्ति विश्वविद्यालय की भूमिका सरकार तथा यूनिवर्सिटी के लिए फायदेमंद है – रेल मंत्री

विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में 239 विद्यार्थियों को विविध विद्याशाखा की डिग्री प्रदान की गईं



गति शक्ति विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करते हुए गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल तथा रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

रेल मंत्री और कुलाधिपति श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 30 नवम्बर, 2024 को गति शक्ति विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित किया, जिसकी शुरुआत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से हुई थी। श्री वैष्णव की उपस्थिति में 239 छात्रों को विभिन्न संकायों की डिग्री प्रदान की गई।

श्री वैष्णव ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और दृढ़ संकल्प के कारण, यह विश्वविद्यालय वडोदरा में चालू हो गया है और इसने उन पाठ्यक्रमों की व्यवस्था की है जिनकी बाहरी औद्योगिक समुदाय को आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि वडोदरा शहर में टाटा एयरबस प्लांट भी चालू हो चुका है और एयरबस को आने वाले दिनों में लगभग 15,000 इंजीनियरों की आवश्यकता होने वाली है, इसे देखते हुए, गतिशक्ति विश्वविद्यालय ने एयरबस के साथ समन्वय किया है ताकि जिस तरह से उन्हें इसकी आवश्यकता है, उसमें पाठ्यक्रम तैयार किया जा सके। जिस क्लास रूम में इसे पढ़ाया जाता है, उसी क्लास रूम में औद्योगिक क्षेत्र में भी काम करने की योजना बनाई गई है।

रेल मंत्री श्री वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन है कि एक ऐसा विश्वस्तरीय शैक्षणिक संस्थान बनाया जाए जो केवल परिवहन और लॉजिस्टिक्स सिखाए, गतिशक्ति विश्वविद्यालय इसे साकार कर रहा है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास पर प्रकाश डालते हुए रेल मंत्री ने कहा कि मेट्रो, बुलेट ट्रेन, राजमार्ग और पुलों का निर्माण तेज गति से चल रहा है।

आशा व्यक्त करते हुए कि वडोदरा का गतिशक्ति विश्वविद्यालय देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक है, रेल मंत्री ने छात्रों को उनके उज्ज्वल करियर के लिए बधाई दी। चार स्वर्ण पदक विजेता छात्रों को गणमान्य व्यक्तियों के हाथों पदक से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल ने स्वतंत्रता काल में अपने करियर की शुरुआत करने वाले गति शक्ति विद्यालय के युवा डिग्री धारकों का आह्वान किया कि वे विकसित भारत/ 2047 के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री ने पुरस्कार विजेताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि वे भविष्य में जहाँ भी काम करते हैं, एक बात हमेशा याद रखें कि उनकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे अपनी मेहनत, अनुशासन और अच्छे इरादों से समाज और राष्ट्र के लिए क्या योगदान देते हैं। इस दौरान दरबार के सदस्य और विश्वविद्यालय के सांसद डॉ. हेमांग जोशी ने प्रासंगिक भाषण दिया और छात्रों को डिग्री प्रदान की। कुलपति श्री मनोज चौधरी ने स्वागत भाषण के साथ संस्थान की शैक्षिक प्रगति पर एक रिपोर्ट दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार के अलावा केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों के अधिकारी और स्थानीय अधिकारी उपस्थित थे।■

गति शक्ति विश्वविद्यालय के कोर्ट की पहली बैठक आयोजित



रेल भवन में आयोजित गति शक्ति विश्वविद्यालय के कोर्ट की पहली बैठक की अध्यक्षता करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव। बैठक में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार एवं गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज चौधरी एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे

गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) ने दिनांक 19 नवम्बर, 2024 को नई दिल्ली के रेल भवन में अपनी पहली कोर्ट मीटिंग आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, जीएसवी भारत और दुनिया में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में उभरने के लिए तैयार है, यह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुरूप है, जिसमें रेलवे, विमानन, समुद्री इंजीनियरिंग, राजमार्ग, शिपिंग, लॉजिस्टिक्स और रक्षा क्षेत्रों सहित पूरे परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों के लिए उद्योग-संचालित दृष्टिकोण और रोजगार-उन्मुख पाठ्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा, भारतीय रेल प्रबंधन सेवा (आईआरएमएस) के सभी नव-नियुक्त अधिकारी गति शक्ति विश्वविद्यालय द्वारा डिज़ाइन किए गए अपने परिवीक्षाधीन प्रशिक्षण से गुजरेंगे, जो सीटीआई और उद्योग में सैद्धांतिक और व्यावहारिक अनुभवों का एक संयोजन है, जिसके परिणामस्वरूप जीएसवी से उन्हें एमबीए की डिग्री प्राप्त होगी।

इस कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सचिव श्री वी उमा शंकर, डीपीआईआईटी के सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया, उप-सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनआर राजा सुब्रमणि, सीमेंस इंडिया के एमडी और सीईओ सुनील माथुर, एल्सटॉम इंडिया के एमडी ओलिवियर लोइसन, एएमडी इंडिया की एमडी जया जगदीश, दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी के अध्यक्ष श्री सुशील कुमार सिंह, गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनोज चौधरी, उच्च शिक्षा, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, नागरिक उड्डयन, एआईसीटीई के प्रतिनिधि और गति शक्ति विश्वविद्यालय के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर, गति शक्ति विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रो. मनोज चौधरी ने 6 दिसंबर, 2022 को इसकी स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय की विस्तृत प्रगति और स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की। सभी सदस्यों ने इतने कम समय में जीएसवी की व्यापक उन्नति और प्रगति की मुक्त कंठ से प्रशंसा की, विशेष रूप से इसके उद्योग-संचालित और नवाचार-आधारित दृष्टिकोण, फोकस और इतने कम समय में प्राप्त परिणामों ने एक शीर्ष श्रेणी के विश्वविद्यालय की नींव रखी। कोर्ट के सदस्यों ने राजमार्ग इंजीनियरिंग, बंदरगाहों के बुनियादी ढाँचे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित हाइड्रोजन और बंदरगाहों के आधुनिकीकरण, रक्षा क्षेत्रों के रसद और आपूर्ति श्रृंखला, बुनियादी ढाँचा क्षेत्रों में राष्ट्रीय अकादमियों को संबद्ध करने, अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों के लिए एक नोडल केंद्र होने, बुनियादी ढाँचा परियोजना प्रबंधन आदि में भविष्य के लिए कई सुझाव और सहयोगी इनपुट दिए।■

रेल मंत्री द्वारा बुलेट ट्रेन ट्रैक स्लैब कारखाने का दौरा

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने गुजरात के किम गाँव में अत्याधुनिक बुलेट ट्रेन ट्रैक स्लैब निर्माण कारखाने और वडोदरा के पास प्लासर इंडिया कर्जन संयंत्र का दौरा किया। किम की सुविधा एक दिन में 120 स्लैब का उत्पादन कर सकती है और 10000 स्लैब तक स्टोर कर सकती है। मंत्री ने सुविधा में आधुनिक रेल लोडिंग-अनलोडिंग सिस्टम, यूनिवर्सल टेम्पिंग मशीन और अन्य रेलवे ट्रैक रखरखाव मशीनों पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और मेक इन इंडिया पहल में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने और इंजीनियरों और तकनीशियनों के लिए अपने कौशल स्तर को विकसित करने के अवसरों को बढ़ाने में कंपनी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने वडोदरा में गति शक्ति विश्वविद्यालय के साथ कंपनी के सहयोग पर प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य रेलवे



रखरखाव मशीनों के निर्माण, डिज़ाइन और परीक्षण में विशेष पाठ्यक्रम प्रदान करना है, जिससे भारतीय युवाओं को भारत और विदेशों दोनों में करियर के बेहतर अवसर प्रदान किए जा सकें।■

रेल राज्य मंत्री ने किया अंजी एवं चिनाब ब्रिज का दौरा

दिनांक 19 से 20 नवंबर, 2024 को रेल राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह ने जम्मू-कश्मीर में दो इंजीनियरिंग चमत्कारों-प्रतिष्ठित अंजी खंड ब्रिज और चिनाब ब्रिज का दौरा किया। अंजी खंड ब्रिज, भारत का पहला केबल-स्टे रेलवे पुल, रियासी जिले में सुरम्य अंजी नदी पर फैला है, जो भारत की इंजीनियरिंग प्रतिभा का प्रतीक है। इसे कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) की तकनीकी विशेषज्ञता के साथ इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा निर्मित किया गया है।

अगले दिन श्री सिंह ने चिनाब नदी से 359 मीटर ऊपर विश्व के सबसे ऊंचे रेल पुल चिनाब पुल का दौरा किया। अगस्त 2022 में पूरा हुआ यह वास्तुशिल्प आश्चर्य भारत के अद्वितीय नवाचार को प्रदर्शित करते हुए संगलदन और रियासी रेलवे स्टेशनों को जोड़ता है। दोनों संरचनाएं कनेक्टिविटी और राष्ट्रीय गौरव को



बढ़ाने के लिए भौगोलिक चुनौतियों पर काबू पाने में भारतीय रेल के अथक दृढ़ संकल्प और विशेषज्ञता को रेखांकित करती हैं।■

रेल राज्य मंत्री ने इंद्रपुरी हॉल्ट पर फुट ओवर ब्रिज का शिलान्यास किया



रेल राज्य मंत्री, श्री रवनीत सिंह ने सांसद (लोकसभा), सुश्री बांसुरी स्वराज की उपस्थिति में इंद्रपुरी हॉल्ट पर फुट ओवर ब्रिज (एफ.ओ.बी.) का शिलान्यास 16 नवम्बर 2024 को किया। इस अवसर पर श्री सुखविंदर सिंह, मंडल रेल प्रबंधक दिल्ली और उत्तर रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

पुराना एफ.ओ.बी. 55 वर्ष पुराना था और सुरक्षा कारणों से एक नए एफ.ओ.बी. की आवश्यकता थी। इस एफ.ओ.बी. का उपयोग नारायणा गाँव, इंद्रपुरी और उनके आसपास के स्थानीय निवासियों/यात्रियों द्वारा किया जाता है और इस प्रकार नए एफ.ओ.बी. से उन्हें काफी लाभ होगा। उल्लेखनीय है कि यह एफ.ओ.बी. दिव्यांगजनों के सुगम आवागमन के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे की उन्हें कोई असुविधा न हो।■

राज्यमंत्री द्वारा विविध ट्रेनों के ठहराव का लोकार्पण

करगी रोड स्टेशन में 18477/18478 पुरी-योगनगरी ऋषिकेश-पुरी उत्कल एक्सप्रेस, टेंगनमाड़ा स्टेशन में 18257/18258 बिलासपुर-चिरमिरी-बिलासपुर एक्सप्रेस एवं बेलगहना स्टेशन में 18241/18242 दुर्ग-अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस का ठहराव की सुविधा दिनांक 28 अक्टूबर, 2024 से उपलब्ध कराई गई है। इस सुविधा का लोकार्पण श्री तोखन साहू राज्यमंत्री, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा किया गया। इस अवसर पर करगी स्टेशन में आयोजित लोकार्पण समारोह में श्री अटल श्रीवास्तव, विधायक कोटा एवं जनप्रतिनिधियों उपस्थित थे।■



डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने मनाया अपना 19वां स्थापना दिवस



डीएफसी के 19वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार, सुश्री रूपा श्रीनिवासन, सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड, श्री नवीन गुलाटी, सदस्य, अवसंरचना, रेलवे बोर्ड, श्री बृजमोहन अग्रवाल, सदस्य कर्षण एवं चल स्टाक, डॉ मान सिंह, महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा, रेलवे बोर्ड एवं डीएफसी के प्रबंध निदेशक श्री प्रवीण कुमार

डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (DFCCIL) ने नई दिल्ली के भारत मंडपम् में अपना 19वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया। यह समारोह भारत के माल परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर में DFCCIL की लगभग दो दशकों की उपलब्धियों का एक वार्षिक उत्सव था। कार्यक्रम में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो संदेश के माध्यम से भाग लिया। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार, DFCCIL के प्रबंध निदेशक श्री प्रवीण कुमार और रेलवे बोर्ड, CPSEs तथा अन्य स्टेकहोल्डर भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

DFCCIL ने भारत के बड़े इंफ्रा परियोजना के रूप में अपने मिशन को आगे बढ़ाया है। यह भारत के माल परिवहन परिदृश्य में रेलवे की हिस्सेदारी को बढ़ाने, लॉजिस्टिक लागत को 15% से घटाकर 9% से कम करने और घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देकर भारत के आर्थिक विकास को गति देने की ओर अग्रसर है। आज DFCCIL सात राज्यों पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र को जोड़ रहा है, जिससे इसके नेटवर्क के साथ विभिन्न उद्योगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, लघु उद्योग को प्रोत्साहन मिल रहा है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

DFCCIL के दो प्रमुख कॉरीडोर हैं पूर्वी और पश्चिमी डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर जो भारत में परिवहन प्रणाली में क्रन्तिकारी बदलाव ला रहे हैं। 1,337 कि.मी. लंबा पूर्वी DFC पंजाब के लुधियाना से बिहार के सोननगर तक जाता है, जबकि 1,506 कि.मी. लंबा पश्चिमी DFC उत्तर प्रदेश के दादरी से नवी मुंबई के JNPT पोर्ट तक फैला है। दोनों कॉरीडोर अत्याधुनिक रेल इंफ्रास्ट्रक्चर की एक झलक हैं, जिन्हें प्रयागराज और अहमदाबाद में स्थित परिचालन नियंत्रण केंद्रों द्वारा कुशलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

निर्माण से संचालन की ओर अग्रसर डीएफसी 2024 में, DFCCIL ने एक महत्त्वपूर्ण मकाम हासिल किया जब यह परियोजना 96% से अधिक संचालित हो गई। निर्माण से मुख्यत: संचालन की ओर बढ़ते हुए, DFCCIL भारतीय रेल के कुल माल भार का 13% से अधिक माल वहन कर रहा है, जबकि यह कॉरीडोर भारतीय रेल नेटवर्क का केवल 4% ही है। DFCCIL के नेटवर्क पर आज प्रतिदिन 350 से अधिक ट्रेनों की आवाजाही इसके कुशल परिचालन को परिभाषित करती हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में, DFCCIL ने प्रति दिन औसतन 496.3 मिलियन ग्रॉस टन कि.मी. (GTKMs) का माल परिवहन दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 80% से भी अधिक है। इस वर्ष 107,000 मिलियन GTKMs का रिकॉर्ड माल परिवहन हो चुका है। नेट टन कि.मी. (NTKMs) में भी माल परिवहन दोगुना हुआ है और इस वर्ष में ट्रैफिक आय भी पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने की राह पर है।

जैसे-जैसे डीएफसी अपनी पूरी क्षमता के करीब पहुँच रहा है. यह भारत के माल परिवहन को और सदृढ़ करेगा, आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देगा और समावेशी विकास को नई गति देगा।■



इस अवसर पर रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो संदेश दिया

डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर
क्रांति का पर्याय



श्री प्रवीण कुमार
प्रबंध निदेशक, डीएफसीसीआईएल

भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले कई वित्तीय वर्षों में उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है और वैश्विक अनिश्चितताओं, युद्ध जैसे व्यवधानों और कई पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं में लगातार मंदी के बावजूद वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2% की प्रभावशाली वृद्धि दर हासिल की है। दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में, भारत इस समूह में सबसे अधिक वृद्धि दर दर्ज करते हुए सुर्खियों में बना हुआ है।

यदि इस विकास पथ को लंबे समय तक बनाए रखना है तो उद्योग और विनिर्माण को गति मिलनी चाहिए और निर्यात को बढ़ावा देना होगा, रोजगार पैदा करना होगा, कृषि पर दबाव कम करना होगा और इस तरह राष्ट्र को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने में सक्षम बनाना होगा। हमें यह जानकर गर्व है कि डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर (डीएफसी) ने राष्ट्रीय विकास योजनाओं में केंद्रीय स्थान प्राप्त कर लिया है।

डीएफसी का विजन

जैसा कि आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया है, रेलवे में निवेश किए गए प्रत्येक रुपये से अर्थव्यवस्था में पांच रुपये की बढ़ोतरी का अनुमान है। निकट भविष्य में 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने और 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की भारत की आकांक्षा में डीएफसी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। इन महत्त्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, भारत को अपनी लॉजिस्टिक लागत को जीडीपी के मौजूदा 13-14% से घटाकर 10% से नीचे लाना होगा, जैसा कि राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति इस पर जोर दिया गया है।

स्वतंत्र भारत की सबसे बड़ी रेल अवसंरचना पहल के रूप में परिकल्पित डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर, देश में माल परिवहन में क्रांति लाने का लक्ष्य रखता है। माल ढुलाई में भारतीय रेल की



हिस्सेदारी बढ़ाकर, डीएफसी समग्र लॉजिस्टिक लागत को कम करने और भारत की आर्थिक नींव को मजबूत करने का प्रयास करता है, जिससे घरेलू और विदेशी व्यापार दोनों को आवश्यक बढ़ावा मिलता है। 2,843 कि.मी. में फैले, दो प्रमुख कॉरीडोरों- पूर्वी और पश्चिमी डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर- स्वर्णिम चतुर्भुज के साथ योजनाबद्ध किए गए थे जो भारत के सबसे व्यस्त मार्ग हैं। ये कॉरीडोर भारत की आर्थिक यात्रा में एक परिवर्तनकारी अध्याय का प्रतीक हैं, जो सतत विकास और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

सफल कार्यवाही से परिपूर्ण एक दशक 2014-2024

डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) की स्थापना वर्ष 2007 में हुई थी, लेकिन डीएफसी के विकास में वास्तविक प्रगति वर्ष 2014 के बाद ही शुरू हुई। इस विशाल रेल माल नेटवर्क का निर्माण एक बड़ी चुनौती थी। डीएफसीसीआईएल ने 11,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि का अधिग्रहण किया- जो 22,000 फुटबॉल मैदानों के बराबर है- उन्नत तकनीकों का लाभ उठाया, कुशल पेशेवरों को नियुक्त किया और कई बाधाओं को पार किया।

इनमें जटिल भौगोलिक क्षेत्रों को पार करना, राज्य और केंद्र की मंजूरी हासिल करना, अदालती मामलों को सुलझाना और कोविड-19 महामारी के कारण होने वाली बाधाओं का प्रबंधन करना शामिल था। इसके अतिरिक्त, इस परियोजना को स्थानीय निवासियों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, लेकिन डीएफसीसीआईएल ने भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के तहत ₹20,000 करोड़ से अधिक का मुआवजा वितरित करने और लगभग 3 लाख लोगों का पुनर्वास करने में कामयाबी हासिल की।

परिचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए, डीएफसीसीआईएल ने एक अग्रणी डिज़ाइन-निर्माण और एकमुश्त अनुबंध मॉडल पेश किया, जिसे निर्माण भागीदारों द्वारा आसानी से अपनाया गया। इस दृष्टिकोण ने परियोजना कार्यों में तेजी लाई और तय समयसीमा का पालन सुनिश्चित किया। उन्नत तकनीकों ने एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें ऑटोमेटेड न्यू ट्रैक कंस्ट्रक्शन (NTC) मशीन शामिल है, जिसने एक ही दिन में 3 कि.मी. से अधिक ट्रैक बिछाकर रिकॉर्ड बनाया।

इसके अतिरिक्त, ओवरहेड उपकरण (OHE) इंस्टॉलेशन के लिए ऑटोमेटेड वायरिंग ट्रेनों ने प्रति शिफ्ट 3 कि.मी. तक वायरिंग संपन्न किया। ट्रेन ऑगर मशीन और ओवरहेड इंस्टॉलेशन मशीनों जैसे विशेष उपकरणों ने विद्युतीकरण कार्य को और तेज कर दिया। डीएफसी मार्गों के विकास के लिए नए नेटवर्क को कुशलतापूर्वक समायोजित करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों सहित कुछ महत्त्वपूर्ण अवसरंचनाओं को स्थानांतरित करना भी आवश्यक था। आज हम कह सकते हैं कि डीएफसीसीआईएल के प्रयास आधुनिक अवसरंचनाओं के विकास में एक उल्लेखनीय उपलब्धि का उदाहरण हैं।



पिछले दशक में 2,741 कि.मी. लंबे फ्रेट कॉरीडोर का निर्माण और संचालन किया गया है। आज, डीएफसी पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के 7 राज्यों के 47 जिलों से होकर गुजरता है। ये कॉरीडोर अपने मार्गों पर कई उद्योगों को सीधे लाभ पहुँचाते हैं। 1,337 कि.मी. लंबा पूर्वी डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर (पूर्वी डीएफसी) पंजाब के लुधियाना को बिहार के सोननगर से जोड़ता है, जो कोयला, खाद्यान्न और इंजीनियरिंग उत्पादों जैसे उद्योगों को महत्त्वपूर्ण रूप से सहायता प्रदान करता है।

इसी तरह, 1,506 कि.मी. लंबा पश्चिमी डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर (पश्चिमी डीएफसी) उत्तर प्रदेश के दादरी को नवी मुंबई के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (JNPT) से जोड़ता है, जिससे सीमेंट, कंटेनर, शीघ्र खराब होने वाली वस्तुओं आदि का परिवहन बढ़ जाता है। पश्चिमी कॉरीडोर 93.2% पूरा हो चुका है और इसमें फीडर रूट शामिल हैं जो गुजरात में मुंद्रा, कांडला, पिपावाव और हजीरा जैसे प्रमुख सीमेंट संयंत्रों और बंदरगाहों को सेवा प्रदान करते हैं।

पुलों का निर्माण

दो कॉरीडोरों के निर्माण के दौरान, डीएफसीसीआईएल ने 5,000 से अधिक पुल बनाए हैं, जिनमें यमुना, नर्मदा और सोन जैसी विशाल नदियों पर बने 500 से अधिक बड़े पुल शामिल हैं। इनमें से कई पुल इंजीनियरिंग के चमत्कार हैं, जिन्हें दो-तरफा माल ढुलाई को सहारा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अरावली के बीच से गुजरने वाली 1 कि.मी. लंबी सुरंग अपनी तरह की एकमात्र सुरंग है जो मालगाड़ी की दो-तरफा आवाजाही की अनुमति देती है, वह भी डबल स्टैक कंटेनर के साथ। यह सुरंग न्यू दादरी और न्यू रेवाड़ी स्टेशनों को जोड़ती है और ईडीएफसी को डब्ल्यूडीएफसी से जोड़ती है।

डीएफसीसीआईएल ने 304 रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और 557 रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) का निर्माण करके 861 लेवल क्रॉसिंग को समाप्त करके पूरे नेटवर्क को लेवल क्रॉसिंग मुक्त बना दिया है, जिससे दुर्घटनाओं, जान-माल के नुकसान और माल परिवहन में व्यवधान की संभावना कम होने से सुरक्षा में उल्लेखनीय

सुधार होगा, जिससे परिवहन में तेजी आएगी। इसके अलावा, कॉरीडोर के साथ बनाए गए 53 रेल फ्लाईओवर एक रेलवे लाइन को दूसरे के ऊपर से गुजरते हुए देखने का एक सुंदर एवं भव्य दृश्य प्रदान करते हैं।

अत्याधुनिक परिचालन नियंत्रण केंद्र

पूर्वी डीएफसी और पश्चिमी डीएफसी के प्रयागराज और अहमदाबाद में क्रमशः अत्याधुनिक ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) हैं जो मालगाड़ी परिचालन के लिए वास्तविक समय की निगरानी, सटीक नियंत्रण और कुशल योजना प्रदान करते हैं। अपने उन्नत डिज़ाइन और स्थिरता के लिए पहचाने जाने वाले इन 'मेक-इन-इंडिया' सुविधाओं ने GRIHA4 ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग अर्जित की है, जो आधुनिक और लचीली मालगाड़ी नियंत्रण प्रणालियों में एक बेंचमार्क स्थापित करती है।

ओसीसी की मुख्य विशेषताओं में बड़ी वीडियो दीवारों के साथ विशाल नियंत्रण कक्ष शामिल हैं, जो एकीकृत ट्रेन प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस), डेडीकेटेड फ्रेट सूचना प्रणाली (डीएफआईएस), और पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण (एससीएडीए) जैसी उन्नत प्रणालियों का उपयोग करते हैं। वे कर्षण सब-स्टेशन (टीएसएस), सेक्शनिंग और समानांतर पोस्ट (एसपी), और सब-सेक्शनिंग और बिजली आपूर्ति उपकरणों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करते हैं। इसके अलावा, ओसीसी जीएसएम-आर तकनीक सहित मजबूत डेटा और वॉयस संचार प्रणालियों से लैस हैं, जो मालगाड़ी के लोको-पायलट, स्टेशन मास्टर और नियंत्रकों के साथ सहज संपर्क सक्षम बनाता है।

देश को जोड़ना

आंतरिक इलाकों से बेहतर संपर्क ने पूरे देश को महत्त्वपूर्ण लाभ पहुँचाया है। उत्तर भारत के सभी भू-आबद्ध राज्य-पंजाब, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान-अब पश्चिमी भारत के समुद्री बंदरगाहों जैसे कांडला, मुंद्रा, पिपावाव और हजीरा से निर्बाध परिवहन संपर्क का आनंद लेते हैं। इस तेज और अधिक कुशल परिवहन प्रणाली ने कृषि और औद्योगिक दोनों उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी बना दिया है।

डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर (डीएफसी) का पहला खंड, जो न्यू खुर्जा और भाऊपुर के बीच 351 कि.मी. तक फैला है, का उद्घाटन दिसंबर 2020 में महामारी के दौरान किया गया था। डीएफसी के कुल 2,843 कि.मी. में से, केवल 109 कि.मी. का खंड जुड़ना बाकी है, जो वैतरणा को डब्ल्यूडीएफसी पर जेएनपीटी से जोड़ता है। इस अंतिम खंड के वित्त वर्ष 2024-25 तक पूरा और चालू होने की आशा है।

डीएफसी का परिवर्तनकारी प्रभाव

डीएफसी का लक्ष्य देश में माल परिवहन को पुनर्जीवित करना और लॉजिस्टिक विकास को प्रोत्साहित करना है। डीएफसी के पास उच्च क्षमता वाले विशेष ट्रैक हैं, और इसलिए अब यह 25/32.5 टन के एक्सल लोड वाली भारी ढुलाई वाली ट्रेनें चला रहा है जो 13,000 टन तक का भार उठा सकती हैं। इसका मतलब है कि एक ही ट्रेन में अधिक सामान लोड किया जा सकता है। अधिक वैगनों के जुड़ने से मालगाड़ी की लंबाई अब बढ़ गई है और ट्रेन की लंबाई 1.5 कि.मी. भी हो सकती है, जो इस्पात, कोयला, लौह अयस्क, सीमेंट आदि जैसे थोक वस्तु आपूर्तिकर्ताओं के लिए वरदान साबित होगी। इसका मतलब है कि वैगनों की पिछली कमी भी खत्म हो रही है। डीएफसीसीआईएल ने नए नेटवर्क की ताकत और क्षमता को प्रदर्शित करते हुए एनाकोंडा, शेषनाग और ब्रह्मास्त्र श्रेणी की मालगाड़ियां चलाई हैं।

लंबी दूरी की ट्रेनों और डबल-स्टैक कंटेनर ट्रेनों का उपयोग करके, डीएफसी थोक माल ले जाने और हैंडलिंग की क्षमताओं को बढ़ाता है, जो माल की प्रति यूनिट परिवहन लागत को कम करने और निर्यात को बढ़ावा देने में मदद कर रहा है। इसके अतिरिक्त, पूर्वी और पश्चिमी डीएफसी दोनों पर तेज गति और कम वैगन टर्नअराउंड समय लागत में कमी लाने में योगदान देता है।

मालगाड़ी की 100 कि.मी. प्रति घंटे की अधिकतम गति के साथ, पूर्वी भारत के कोयला क्षेत्रों और उत्तर भारत के बिजलीघरों के बीच कोयला ले जाने वाली ट्रेनों का पारगमन समय लगभग 35 घंटे से घटकर लगभग 20 घंटे रह गया है, जिससे भारत की 'बिजली सुनिश्चितता' बढ़ गई है। डीएफसी के चालू होने से बिजली संयंत्रों की इन्वेंट्री लागत में 20-30% की कमी आई है।



इसी तरह, पश्चिमी बंदरगाहों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बीच पारगमन समय में आधे से भी अधिक की कटौती हुई है। दूध, सब्जियां, फल और कृषि उत्पादों जैसे शीघ्र खराब होने वाले सामानों के तेजी से परिवहन से नुकसान में काफी कमी आई है और इससे किसानों और उद्यमियों की आय बढ़ाने में मदद मिल रही है।

आज, डीएफसी कृषि, उद्योग और विनिर्माण क्षेत्रों को समर्थन देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह अपने नेटवर्क के साथ नए औद्योगिक केंद्रों के विकास और मौजूदा केंद्रों के विस्तार को और साथ ही बुनियादी ढाँचे के विकास को बढ़ावा देता है और निजी निवेश को आकर्षित करता है। इसके अतिरिक्त, डीएफसी गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) पहल के साथ निजी फ्रेट टर्मिनलों (पीएफटी), गुड्स शेड, अंतर्देशीय कंटेनर डिपो, मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और नए टर्मिनलों के विस्तार के विकास की सुविधा प्रदान कर रहा है।

रेवाड़ी और भाऊपुर में दो गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल चालू हो चुके हैं, जबकि दाउदखान, सराधना और गोथांगम में तीन और टर्मिनल अधिसूचित किए गए हैं। डीएफसीसीआईएल ने पूरे नेटवर्क पर 115 जीसीटी के विकास के लिए अभिरुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किए हैं। डीएफसी के कारण माल ढुलाई और लॉजिस्टिक्स मजबूत होने से वैश्विक बाजारों में भारतीय उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। यह कॉरीडोर आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा दे रहा है और भारत में ई-कॉमर्स की क्षमता का दोहन कर रहा है, जिसका एमएसएमई क्षेत्र पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है।

इन खंडों के चालू होने और परिचालित होने के साथ ही देश भर में महत्त्वपूर्ण प्रभाव देखे गए हैं। डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर (डीएफसी) ने मौजूदा भारतीय रेल मार्गों पर भीड़भाड़ को कम किया है, जो भारतीय राजमार्गों पर इसी तरह के सुधारों को दर्शाता है। डीएफसी ने न केवल मालगाड़ी की गति को बढ़ाया है, बल्कि भारतीय रेल द्वारा अपने ट्रैक पर संचालित यात्री ट्रेनों और मेल सेवाओं की समयबद्धता को भी बढ़ाया है। उदाहरण के लिए, डीएफसी के चालू होने के बाद प्रयागराज डिवीजन में यात्री ट्रेनों की समयबद्धता 40% से बढ़कर 82% हो गई है। यह दक्षता सुधार जुड़वां कॉरीडोरों के साथ सभी क्षेत्रों में फैला हुआ है।

इसके अलावा, डीएफसी ने पूरे भारत में विशेष ट्रेनों की समय पर शुरुआत और परिचालन को सक्षम बनाया है। आज, भारत गौरव ट्रेनें रामायण सर्किट, गुरु कृपा सर्किट और जैन यात्रा मार्गों पर चल रही हैं; जबकि आस्था स्पेशल ट्रेनें देश भर से श्री राम भक्तों को अयोध्या की यात्रा करने में मदद कर रही हैं। इसके अतिरिक्त, पिछले महीने दिवाली के त्योहार के दौरान नई विशेष ट्रेनों ने भारत के लोगों की सेवा की है।

नवाचार के संदर्भ में, डीएफसी ने ट्रक-ऑन-ट्रेन (टीओटी) जैसी पहलों के माध्यम से नए यातायात को आकर्षित किया है, जो मॉडल एकीकरण और मॉडल शिफ्ट का उदाहरण है। टीओटी सड़कों पर भीड़भाड़ कम करने, उत्सर्जन को कम करने और ट्रक ड्राइवरों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के साथ-साथ लागत बचाने के साथ डेयरी, ऑटोमोबाइल आदि जैसे उद्योगों की मदद कर रहा है। इसी तरह, हाई स्पीड स्मॉल कार्गो सेवा भारत के एमएसएमई और ई-कॉमर्स क्षेत्र को तेज, अधिक विश्वसनीय डिलीवरी विकल्प प्रदान कर रही है।

अनुभवजन्य साक्ष्य

भारतीय अर्थव्यवस्था पर डीएफसी के गहन प्रभाव के अनुभवजन्य साक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय द्वारा किए गए एक हालिया लेकिन उल्लेखनीय अध्ययन में पाए जा सकते हैं, जो वित्त वर्ष 2019-20 के लिए पश्चिमी डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर पर केंद्रित था। भारत भर के 33 क्षेत्रों और 29 उद्योगों के डेटा का विश्लेषण करते हुए, अध्ययन में पाया गया कि डीएफसी के कारण बेहतर माल ढुलाई कनेक्टिविटी ने भारतीय जीडीपी को 0.8% तक बढ़ा दिया और भारतीय रेल के राजस्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। अध्ययन में विशेष रूप से कहा गया है कि डीएफसी ने हमारे राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में सीधे 160 बिलियन रुपये का योगदान दिया।

न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय ने पाया कि डीएफसी के संचालन से माल ढुलाई की लागत और यात्रा के समय में कमी आई, जिसके परिणामस्वरूप, वस्तुओं की कीमतों में 0.5% तक की कमी आई। इसके अलावा, अध्ययन में पाया गया कि वित्त वर्ष 2022-23 और वित्त वर्ष 2018-19 के बीच भारतीय रेल द्वारा प्राप्त राजस्व वृद्धि में डीएफसी का योगदान 2.94% था। अध्ययन में डीएफसी के व्यापक आर्थिक लाभों पर भी प्रकाश डाला गया, जिसमें कहा गया कि माल ढुलाई लागत में पर्याप्त कमी के कारण कॉरीडोर के सबसे नजदीकी पश्चिमी क्षेत्रों में सबसे अधिक लाभ देखा गया। दिलचस्प बात यह है कि डीएफसी से दूर स्थित क्षेत्रों को भी कम परिवहन लागत का लाभ मिला। निष्कर्षों ने 'सामाजिक-समानता प्रभाव' को रेखांकित किया, जिसमें प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद कम वाले राज्यों को महत्त्वपूर्ण लाभ हुआ। इससे पता चलता है कि डीएफसी आर्थिक अंतर को पाटने में मदद कर रहा है, जिससे देश भर में अधिक न्यायसंगत आर्थिक विकास की दिशा में मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

मंजिलें और भी हैं

भारत पर डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर (डीएफसी) का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव आज काफी अधिक होने की उम्मीद है, क्योंकि डीएफसी अब 96.4% चालू है। डीएफसीसीआईएल वर्तमान में अपने नेटवर्क पर प्रतिदिन 350 से अधिक ट्रेनें चला रहा है, और आज तक, डीएफसी ने दोनों कॉरीडोर में 2.5 लाख ट्रेन ट्रिप की सुविधा प्रदान की है।

डीएफसी ने जुड़े हुए क्षेत्रों में रेल नेटवर्क की क्षमता को बहुत बढ़ाया है, क्योंकि इसका उद्देश्य भारतीय रेल (आईआर) के समानांतर खंडों से कम से कम 70% माल यातायात को डीएफसी में स्थानांतरित करना है। वर्तमान में, इस माल का 80% से अधिक सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया जा चुका है। हालाँकि डीएफसी

कुल भारतीय रेल नेटवर्क का केवल 4% हिस्सा है, लेकिन यह वर्तमान में भारतीय रेल की माल ढुलाई क्षमता का 13% से अधिक संभाल रहा है।

ताजा आंकड़े डीएफसी के लिए स्थिति को स्पष्ट करते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था और उसके भविष्य पर इसका कितना अधिक प्रभाव है। डीएफसीसीआईएल ने औसतन 496.3 मिलियन सकल टन कि.मी. प्रति दिन (जीटीकेएम) हासिल किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 80% की वृद्धि दर्शाता है। इसने वित्त वर्ष 2024-25 में 107,000 मिलियन जीटीकेएम का परिवहन किया जो पिछले वर्ष की तुलना में 80% अधिक है। नेट टन कि.मी. या एनटीकेएम के संदर्भ में, माल ढुलाई पिछले वित्त वर्ष की तुलना में दो गुना बढ़ गई।

इसके अलावा, डब्ल्यूडीएफसी और ईडीएफसी के साथ चलने वाले दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरीडोर (डीएमआईसी) और अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरीडोर (एकेआईसी) के विकास से यातायात में और वृद्धि होने की उम्मीद है। चूंकि डीएफसी परियोजना इस वित्तीय वर्ष में पूरी होने वाली है, डीएफसी ने पहले से ही आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, एक जिला एक उत्पाद, स्टार्ट-अप इंडिया जैसे महत्त्वाकांक्षी राष्ट्रीय उद्देश्यों में योगदान देना शुरू कर दिया है और इसके लिए 'कारोबार में आसानी' को मजबूत किया है तथा भारतीयों को बहुत तेजी से और कम लागत पर विभिन्न बाजारों में उत्पादों का निर्माण और आपूर्ति करने में सक्षम बनाया है।

डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर पर्यावरण का एक मित्र

डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर (डीएफसी) नेटवर्क सतत विकास का एक उल्लेखनीय उदाहरण है, जो ऐसे समाधान प्रदान करता है जो न केवल कार्बन फुटप्रिंट को कम करते हैं बल्कि आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक अवसंरचना को डीकार्बोनाइज करने में भी महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। अपने संचालन के पहले 30 वर्षों में, डीएफसी से कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 457 मिलियन टन की कमी आने का अनुमान है।

नेटवर्क 100% विद्युतीकृत है और डीएफसी स्टेशनों और संचालन नियंत्रण केंद्रों पर सौर पैनल प्रतिष्ठानों के माध्यम से अक्षय ऊर्जा को एकीकृत कर रहा है। विश्व बैंक के आकलन के अनुसार, डीएफसी पर हर 1 कि.मी. लंबी मालगाड़ी औसतन 72 ट्रकों को सड़कों से हटाती है, जिससे वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में कमी आती है और दक्षता बढ़ती है। संसाधन संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वर्षा जल संचयन प्रणालियों के साथ-साथ डीएफसी परिसर में ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग किया जाता है।

अभिनव ट्रक-ऑन-ट्रेन (टीओटी) सेवा ईंधन की बचत और सड़क पर भीड़भाड़ कम करने में एक बड़ा बदलाव है। पर्यावरण संरक्षण डीएफसी पहल का मुख्य हिस्सा है। ग्रीन बेल्ट विकास के हिस्से के रूप में 22,000 से अधिक पेड़ लगाए गए हैं, जबकि छायावरण वाले पुल स्थानीय वनस्पतियों और जीवों को न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करते हैं।

सुरक्षा उपायों में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए संवेदनशील स्थानों पर पर बाड़ लगाना और बैरिकेड लगाना और पटरियों के 100 मीटर के भीतर संवेदनशील स्थानों, जैसे कि स्कूल और अस्पताल, पर शोर अवरोधक लगाना शामिल है।

इसके अतिरिक्त, डीएफसी अपशिष्ट पदार्थों को पुनर्चक्रित करके एक चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है, जो स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। साथ में, ये उपाय एक हरित, अधिक टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए डीएफसी के समग्र दृष्टिकोण को प्रदर्शित करते हैं।■



भारतीय रेल में मनाया गया सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024



सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के अवसर पर 'सतर्कता क्रॉनिकल 2024' पुस्तक का विमोचन करते हुए केंद्रीय सतर्कता आयुक्त श्री प्रवीण कुमार श्रीवास्तव तथा श्री सतीश कुमार, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी। साथ में है श्री नवीन गुलाटी, सदस्य, बुनियादी ढाँचा, श्री ब्रज मोहन अग्रवाल, सदस्य, ट्रैक्शन और रोलिंग स्टॉक और श्री रविंदर गोयल, सदस्य, संचालन और व्यवसाय विकास तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति

केंद्रीय सतर्कता आयुक्त (CVC) श्री प्रवीण कुमार श्रीवास्तव ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत को चिह्नित करते हुए श्री सतीश कुमार, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, की उपस्थिति में 'सतर्कता क्रॉनिकल-2024' का शुभारंभ किया, जो दिनांक 28 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2024 तक मनाया गया। यह पुस्तिका विशेष रूप से रेल यातायात से संबंधित सतर्कता में प्रणाली सुधार और केस स्टडी के व्यापक संकलन के रूप में कार्य करती है। यह निवारक सतर्कता उपायों को बढ़ावा देने और पारदर्शिता और जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रेल में चल रहे प्रयासों का हिस्सा है।

एक संगठन में प्रणालीगत सुधार सकारात्मक परिवर्तन को बढ़ावा देते हैं और वांछित परिणाम उत्पन्न करने की क्षमता में सुधार करते हैं। रेलवे बोर्ड सतर्कता नियमों के सरलीकरण और मानकीकरण, प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने, स्वचालन, व्यापार प्रक्रिया को फिर से तैयार करने, पारदर्शिता, जवाबदेही और कदाचार का शीघ्र पता लगाने पर जोर देती है। ये सुधार केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी), रेलवे बोर्ड सतर्कता और क्षेत्रीय रेलवे सतर्कता संगठनों की सिफारिशों पर आधारित हैं।

श्री दिलीप कुमार सिंह, प्रधान कार्यपालक निदेशक/सतर्कता ने क्षेत्रीय रेलवे के योगदान की सराहना की। जिनकी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि ने इस प्रकाशन को समृद्ध किया है। सार-संग्रह सभी क्षेत्रीय रेलवे सतर्कता विभागों को वितरित किया गया है, और उन्हें अपने संबंधित क्षेत्रीय रेलवे के भीतर व्यवहार्य प्रणाली सुधारों को लागू करने में सुविधा होगी।

श्री अंशुमान कुमार, कार्यकारी निदेशक/सतर्कता यातायात के नेतृत्व में इस पहल से अनियमितताओं के लिए मूल कारण के विश्लेषण की संस्कृति को बढ़ावा मिलने और अधिक प्रभावी प्रणालीगत सुधार लाने की उम्मीद है।■

भारतीय रेल में 75वें संविधान दिवस का आयोजन

दिनांक 26 नवम्बर, 2024 को भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार ने रेलवे बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मिलकर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया। इस कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड की वित्त सदस्य श्रीमती रुपा श्रीनिवासन, सदस्य (परिचालन एवं व्यवसाय विकास) श्री रविंद्र गोयल, सदस्य (अवसंरचना) श्री नवीन गुलाटी, और रेलवे बोर्ड की सचिव श्रीमती अरुणा नायर सहित रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। रेल मंत्रालय के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों



और इकाइयों में भी संविधान दिवस के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।■

सदस्य, अवसंरचना, रेलवे बोर्ड का आरडीएसओ दौरा

सदस्य, अवसंरचना, रेलवे बोर्ड श्री नवीन गुलाटी ने दिनांक 21 नवम्बर, 2024 को आरडीएसओ का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय रेल के अवसंरचना परिचोजनाओं एवं उससे जुड़ी समस्याओं की समीक्षा की।

इस बैठक में श्री उदय बोरवणकर, महानिदेशक, आरडीएसओ ने उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए भारतीय रेल से सम्बंधित महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।■



महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल ने आरडीएसओ का दौरा किया



महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल, श्री मनोज यादव ने दिनांक 17 अक्टूबर, 2024 को आरडीएसओ का दौरा किया। इस अवसर पर एक सुरक्षा समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. ए. एन. झा द्वारा रेलवे सुरक्षा पर एक प्रस्तुति दी गयी।

श्री यादव ने समीक्षा बैठक के दौरान आरडीएसओ परिसर में रेल सम्पत्ति की सुरक्षा से सम्बंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली और अंपने संबोधन में रेल सुरक्षा से सम्बंधित सुधारात्मक सुझाव दिए। श्री उदय बोरवणकर, महानिदेशक/आरडीएसओ ने भी उपस्थित अधिकारियों को संबोधित किया एवं आरडीएसओ में रेल सुरक्षा से सम्बंधित महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर श्री बी. वी. राव, आई.जी./जे. आर. अकादमी, श्री दीपक सिंह चौहान, सहायक सुरक्षा आयुक्त ने आरडीएसओ श्री ए. एम. रिजवी, अपर महानिदेशक/आरडीएसओ, तथा श्री दीपक सिंह चौहान, सहायक सुरक्षा आयुक्त ने आरडीएसओ एवं रेलवे सुरक्षा बल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।■

उत्तर रेलवे की उपलब्धि
सबसे तेज 100 रेल इंजन में किया कवच स्थापित

दिल्ली मंडल के विद्युत लोको शेड, गाजियाबाद द्वारा 'सर्वप्रथम 100 लोको कवच इंस्टॉलेशन' का कार्य पूर्ण किया है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। अपर सदस्य, ट्रैक्शन, रेलवे बोर्ड ने 100वें कवच इंस्टाल करने के कार्य का शुभारम्भ किया।

विद्युत लोको शेड गाजियाबाद में एक लोकोमटिव में कवच इंस्टाल करने में एक दिन का समय लगता है। यह टीम की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। भारतीय रेल की सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने के लिए दिल्ली मंडल का विद्युत लोको शेड लगातार प्रयासरत है। यह कवच प्रणाली भारतीय रेल के आधुनिककरण के एक महत्त्वपूर्ण भाग के रूप में देखी जाती है। इससे न केवल दुर्घटनाओं को कम किया जा सकेगा, बल्कि यात्रा की सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जा सकेगा।■



विशेष अभियान 4.0

भारतीय रेल ने किया एक माह में 2.5 लाख लोक शिकायतों का समाधान

रेल मंत्रालय ने 2 अक्टूबर, 2024 को शुरू की गई एक महीने की पहल, विशेष अभियान 4.0 को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। हाल ही में संपन्न हुए इस अभियान को स्वच्छता ही संस्कृति को बढ़ावा देने, संगठनात्मक दक्षता में सुधार करने और भारतीय रेल में कर्मचारियों व जनता को उद्देश्यपूर्ण तरीके से जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीष कुमार के नेतृत्व में और रेलवे बोर्ड के सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की सक्रिय निगरानी में चलाए गए इस अभियान में सभी स्तरों पर रेल कर्मचारियों की व्यापक भागीदारी रही, जिससे यह एक शानदार सफलता बन गई।

विशेष अभियान 4.0 की प्रमुख उपलब्धियां :

व्यापक स्वच्छता अभियान :

- भारतीय रेल में कुल 56,168 स्वच्छता अभियान चलाए गए, जिनमें कार्यस्थल की स्वच्छता और रेलवे स्टेशनों की सफाई पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- स्क्रैप निपटान पर विशेष जोर दिया गया, जिससे 12.15 लाख वर्ग फिट जगह खाली हुई और ₹452.40 करोड़ का राजस्व अर्जित हुआ।

लंबित मामलों में कमी :

- इस अभियान से विभिन्न विभागों में लंबित मामलों के समाधान में उल्लेखनीय प्रगति हुई :
- सांसदों के 1065 संदर्भों का पूर्णतः समाधान किया गया।
- राज्य सरकार के 138 संदर्भों का सफलतापूर्वक समाधान किया गया।
- पीएमओ के 69 संदर्भों में से 65 का निपटारा किया गया।
- 139 संसदीय आश्वासनों में से 55 पूरे किए गए।
- 2.5 लाख लोक शिकायतों का समाधान किया गया।
- 1427 लोक शिकायत अपीलों का समाधान किया गया।

फाइलों की समीक्षा और प्रबंधनः

उपयुक्त अभिलेखन और छंटाई के लिए 1.6 लाख से अधिक फाइलों की समीक्षा की गई, जिसके परिणामस्वरूप अभिलेख प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने के लिए 89,000 से अधिक पुरानी फाइलों को हटाया गया।



रेल चौपाल-सामुदायिक सहभागिता :

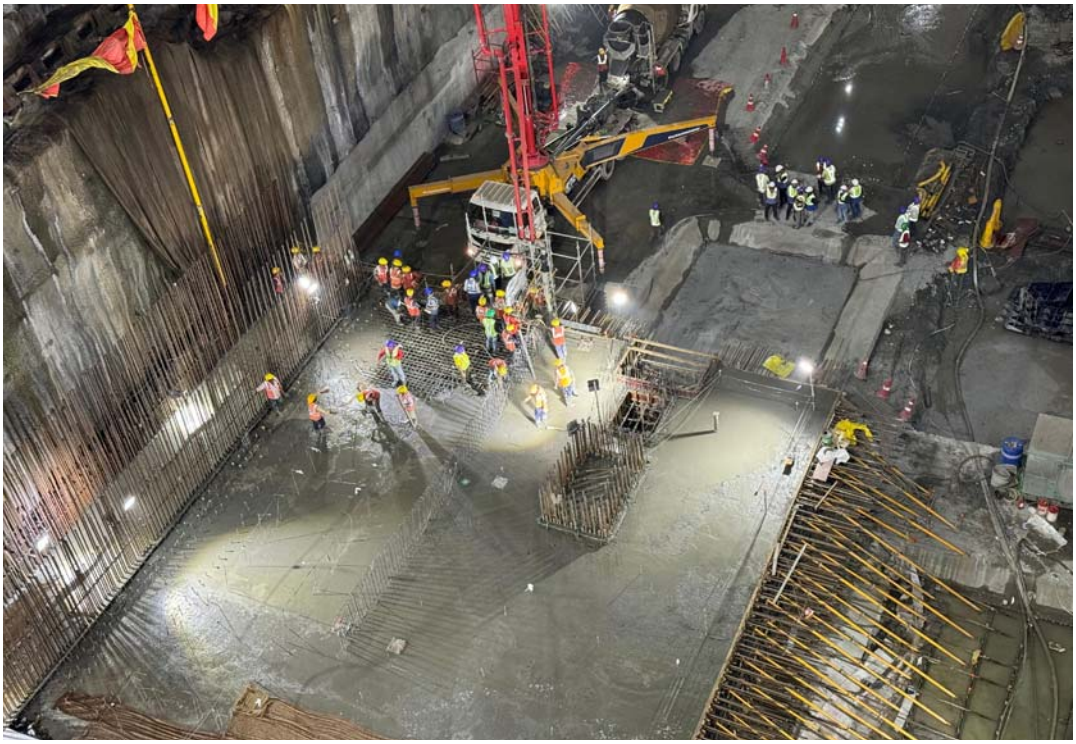
- नई दिल्ली, जयपुर, चेन्नई, नागपुर, कोटा, जोधपुर, लखनऊ, पुणे, भोपाल, कोलकाता सहित अन्य प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष रेल चौपालों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने, जन सहभागिता में सुधार लाने, शिकायतों का समाधान करने और पर्यावरणीय स्थिरता प्रयासों के तहत एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक में कमी को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

सोशल मीडिया के माध्यम से सहभागिता :

- इस अभियान को सोशल मीडिया पर 3713 ट्वीट और अनेक बार रीपोस्ट के साथ महत्त्वपूर्ण समर्थन मिला, जिससे स्वच्छता आंदोलन में व्यापक जनरुचि और भागीदारी देखने को मिली।

विशेष अभियान 4.0 ने न केवल स्वच्छता और दक्षता में उल्लेखनीय परिणाम हासिल किए हैं, बल्कि भारतीय रेल में कार्यस्थल संस्कृति को नया रूप देने में भी मदद की है। स्वच्छता को एक नियमित आदत के रूप में संस्थागत बनाकर, रेल मंत्रालय ने स्वच्छ और संगठित कामकाजी माहौल के महत्त्व पर जोर दिया है तथा संदर्भों के शीघ्र निपटान व स्वच्छता को एक नियमित आदत बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।■

मुंबई भूमिगत बुलेट ट्रेन स्टेशन का पहला बेस स्लैब कास्ट किया गया



मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन का पहला कंक्रीट बेस स्लैब दिनांक 30 नवंबर, 2024 को जमीन से लगभग 32 मीटर की गहराई पर कास्ट किया गया, जोकि 10 मंजिला इमारत के बराबर है।

स्टेशन का निर्माण नीचे से ऊपर की ओर विधि से किया जा रहा है, अर्थात खुदाई का काम जमीनी स्तर से और नींव से कंक्रीट का काम भी शुरू हो गया है।

यह स्लैब 3.5 मीटर गहरा, 30 मीटर लंबा और 20 मीटर चौड़ा है। यह स्टेशन के लिए कास्ट किये जाने वाले 69 स्लैबों में से पहला स्लैब है, जो बुलेट ट्रेन स्टेशन के लिए सबसे गहरा निर्माण स्तर बनाएगा।

इस स्लैब के बारे में कुछ रोचक तथ्य :

- 681 मीट्रिक टन उच्च ग्रेड स्टील का रिइंफोर्समेंट
- 6,200 रीबार कपलर का उपयोग
- 2,254 घन मीटर एम60 ग्रेड कंक्रीट
- 4,283 मीट्रिक टन एग्रीगेट

कंक्रीट की आपूर्ति 120 m3 क्षमता के दो इन-सीटू बैचिंग प्लांटों के माध्यम से की जा रही है। कंक्रीट डालने के समय तापमान को 25 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने के लिए, इन-सीटू बर्फ और चिलर संयंत्रों के माध्यम से तापमान को नियंत्रित किया गया जा रहा है।

स्लैब की ढलाई से पहले पर्याप्त वाटरप्रूफिंग उपाय सुनिश्चित किए गए हैं।

मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन के बारे में :

बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन, मुंबई अहमदाबाद एचएसआर कॉरीडोर पर एकमात्र भूमिगत स्टेशन है।

प्लेटफॉर्म को जमीन से करीब 24 मीटर की गहराई पर बनाने की योजना है। प्लेटफॉर्म, कॉनकोर्स और सर्विस फ्लोर समेत तीन मंजिलें होंगी। उक्त कार्य के लिए जमीन से 32 मीटर की गहराई तक खुदाई की जा रही है।

स्टेशन पर 6 प्लेटफॉर्म होंगे और प्रत्येक प्लेटफॉर्म की लंबाई लगभग 415 मीटर होगी (जो 16 कोच वाली बुलेट ट्रेन के लिए पर्याप्त है)। स्टेशन को मेट्रो और सड़क मार्ग से जोड़ा जायेगा।

दो प्रवेश/निकास द्वार की योजना बनाई गई है, एक मेट्रो लाइन 2बी के निकटवर्ती मेट्रो स्टेशन तक पहुँच को सुविधाजनक बनाने के लिए तथा दूसरा एमटीएनएल भवन की ओर।

स्टेशन की योजना इस प्रकार बनाई गई है कि यात्रियों की आवाजाही और सुविधाओं के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो।

प्राकृतिक प्रकाश व्यवस्था के लिए एक रोशनदान का प्रावधान किया गया है।■

भैरबी-साईरंग रेल परियोजना पूर्ण होने की ओर अग्रसर मिजोरम को मिलेगा निर्बाध रेल संपर्क



भारतीय रेल विभिन्न नई रेल लाइन परियोजनाओं का निष्पादन कर पूर्वोत्तर राज्यों के कायाकल्प की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दे रही है। पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम की राजधानी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली भैरबी-साईरंग नई लाइन रेलवे परियोजना ऐसी ही एक परियोजना है, जो पूर्ण होने के अग्रिम चरण में है। भैरबी और साईरंग के बीच 51.38 कि.मी. लंबी नई लाइन को चार सेक्शनों में विभाजित किया गया है, जिसमें भैरबी-होरटोकी, होरटोकी-कौनपुई, कौनपुई-मुआलखांग और मुआलखांग-साईरंग। 17.38 कि.मी. लंबी भैरबी-होरटोकी सेक्शन जुलाई, 2024 को पूरा करने के बाद चालू कर दिया गया तथा अगस्त, 2024 से रेल सेवा चालू है। पूरी परियोजना एक बार संपूर्ण हो जाने पर यह मिजोरम के लोगों के लिए संचार और वाणिज्य के मामले में एक बड़ा परिवर्तनकारी परियोजना होगी। किफायती और पर्यावरण अनुकूल रेल सेवाओं का इस राज्य में लगभग सभी विकास कार्यों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भैरबी-साईरंग रेल परियोजना में दुर्गम क्षेत्रों में कई सुरंगों और पुलों का निर्माण कार्य शामिल हैं। इस परियोजना में सुरंगों की कुल लंबाई 12853 मीटर है, जिसमें से 12807 मीटर सुरंग बनाने का काम पूरा हो चुका है। इस परियोजना में कुल 55 बड़े पुल और 87 छोटे पुल है। साईरंग स्टेशन के पहुँच पर पुल संख्या 196 के स्तंभ पी-4 का निर्माण कार्य भी पूरा हो चुका है, जो परियोजना का सबसे ऊंचा स्तंभ है। इसकी ऊंचाई 104 मीटर है, जो कुतुब मीनार से 42 मीटर ऊंचा है। इस परियोजना में 5 रोड ओवर ब्रिज और 6 रोड अंडर ब्रिज भी शामिल हैं। इस परियोजना में चार स्टेशन होंगे-होरटोकी, कौनपुई, मुआलखांग और साईरंग।■

समपार फाटक को हटाने के लिए बो-स्ट्रिंग आर्क स्टील गर्डर स्थापित

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने लामडिंग मंडल के अंतर्गत तहत कामपुर रेलवे स्टेशन के पास एक नए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के बो-स्ट्रिंग आर्क स्टील गर्डर को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। यह आरओबी गुवाहाटी-लामडिंग बीजी लाइन के कामपुर स्टेशन पर समपार फाटक संख्या एसटी-35 के स्थान पर बनाया जा रहा है। इस प्रस्तावित आरओबी को जनवरी, 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसकी अनुमानित लागत 60 करोड़ रुपये होगी।

समपार फाटक संख्या एसटी-35 पर मौजूदा सड़क कामपुर स्टेशन यार्ड के स्टेशन यार्ड से होकर गुजरती है और यह राज्य सरकार के अधीनस्थ पीडब्ल्यूडी की सड़क पर स्थित है। शंटिंग संचालन या दोनों दिशाओं में ट्रेनों की आवाजाही या स्टेबलिंग के कारण सड़क यातायात का उच्च अवरोध होता है। यह गेट कुल 1,98,181 वाहन इकाई के साथ काफी व्यस्त फाटक है। इस आरओबी की कुल लंबाई 512.58 मीटर से अधिक होगी, जिसमें मुख्य स्पान 42 मीटर बो-स्ट्रिंग आर्क स्टील गर्डर शामिल है।■



भारतीय रेल की महत्त्वपूर्ण उपलब्धि

लगाए गए सामान्य श्रेणी के 905 कोच, रोज लाखों यात्री लाभान्वित



- **30 नवंबर तक करीब 370 नियमित ट्रेनों में जोड़े गए 905 से ज्यादा नए सामान्य श्रेणी के कोच**
- **रेलवे की इस पहल से रोजाना करीब एक लाख अतिरिक्त यात्री करेंगे सामान्य श्रेणी में सफर**
- **अगले दो साल में 10 हजार से ज्यादा नॉन एसी कोच लगाने का लक्ष्य**
- **सामान्य श्रेणी के यात्रियों की सुविधाओं में विस्तार भारतीय रेल की सर्वोच्च प्राथमिकता**

रेल यात्रा के प्रति आमजनों की लगातार बढ़ती रूचि और आकर्षण के मद्देनजर रेलवे भी तदनुरूप सुविधाओं के विस्तार को गति दे रहा है। इस क्रम में रेलवे ने बीते पांच माह में ही विभिन्न ट्रेनों में सामान्य श्रेणी (जीएस) के करीब 905 नये अतिरिक्त कोच जोड़े हैं। ये सभी कोच नियमित ट्रेनों में जोड़े गए हैं। इतना ही नहीं, दिसम्बर 2024 के अंत तक सामान्य श्रेणी के एक हजार से ज्यादा कोच 370 विभिन्न नियमित ट्रेनों में जोड़ दिए जाएंगे। नियमित ट्रेनों में इन नये सामान्य श्रेणी कोचों के जुड़ने से रोजाना करीब एक लाख से अधिक यात्री लाभान्वित होंगे। इनके अलावा आगामी दो वर्षों में बड़ी संख्या में नॉन एसी श्रेणी के कोचों को रेलवे के बेड़े में शामिल करने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है।

रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना व प्रचार) दिलीप कुमार ने बताया कि सामान्य श्रेणी के यात्री भारतीय रेल की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। इस श्रेणी के यात्रियों को अधिकतम सुविधाएं मुहैया कराने हेतु रेलवे द्वारा चहुंमुखी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत जुलाई से नवम्बर, 2024 के दौरान कुल 1000 नये सामान्य श्रेणी कोचों के ट्रेनों में जोड़ने की योजना बनाई गई, जिसमें से 905 सामान्य श्रेणी के कोच जोड़े जा चुके हैं। बाकी कोचों का प्रोडक्शन भी किया जा चुका है। इन नवनिर्मित कोचों को 370 नियमित ट्रेनों में जोड़ा गया है। इससे रोजाना हजारों अतिरिक्त यात्रियों को लाभ मिल रहा है।

कार्यकारी निदेशक ने बताया कि सामान्य श्रेणी के यात्रियों की सुविधाओं के मद्देनजर नये सामान्य श्रेणी कोचों का निर्माण तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगले दो वर्षों में रेलवे के बेड़े में ऐसे गैर-वातानुकूलित सामान्य श्रेणी के 10 हजार से ज्यादा जीएस कोचों को शामिल कर लिया जाएगा। इनमें छह हजार से ज्यादा सामान्य श्रेणी के कोच होंगे, जबकि बाकी डिब्बे स्लीपर श्रेणी के होंगे। इतनी बड़ी संख्या में नॉन एसी कोचों के शामिल होने से सामान्य श्रेणी के करीब आठ लाख से अधिक अतिरिक्त यात्री रोजाना रेल यात्रा का सफर कर पाएंगे। निर्माणाधीन सभी 10000 कोच एलएचबी श्रेणी के हैं और सुरक्षा के आधुनिक मानकों के अनुकूल हैं।

इन कोचों के उपयोग से सफर को आरामदायक और सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ सुरक्षित और द्रुत बनाने में भी मदद मिलेगी। पारंपरिक आईसीएफ रेल डिब्बों के मुकाबले ये नये एलएचबी कोच अपेक्षाकृत हल्के और मजबूत हैं। हादसे की स्थिति में इन कोचों में नुकसान भी कम से कम होगा।■

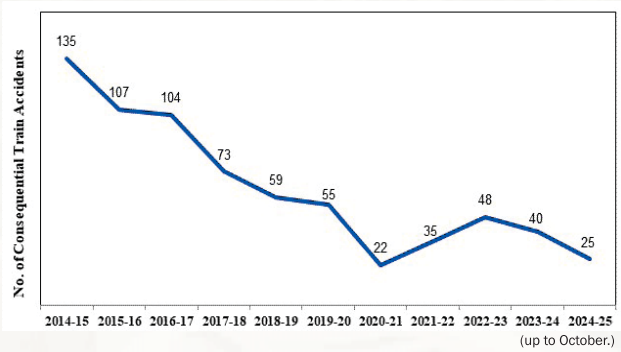
संसद में भारतीय रेल

संसद सत्र के दौरान माननीय सांसदों द्वारा भारतीय रेल के संबंध में पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने निम्नलिखित जानकारियाँ दीं :

(प्रस्तुत हैं संकलित अंश)

रेलवे सुरक्षा पहलों के कारण 2014 से अब तक रेल दुर्घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई





पिछले कुछ वर्षों में भारतीय रेल में सुरक्षा संबंधी गतिविधियों पर किए गए व्यय का विवरण।

पिछले कुछ वर्षों में उठाए गए विभिन्न सुरक्षा उपायों के परिणामस्वरूप दुर्घटनाओं की संख्या में भारी कमी आई है। रेलवे सुरक्षा पहलों के कारण 2014 से अब तक रेल दुर्घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई है। रेल दुर्घटनाएं वित्त वर्ष 2014-15 में 135 से घटकर वित्त वर्ष 2023-24 में 40 हो गई हैं, जैसा कि नीचे दिए गए ग्राफ में दिखाया गया है। इन दुर्घटनाओं के कारणों में मोटे तौर पर ट्रैक की खराबी, लोको/कोच की खराबी, उपकरण की खराबी, मानवीय त्रुटियाँ आदि शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2004-14 की अवधि के दौरान परिणामी रेल दुर्घटनाएं 1,711 (औसत 171 प्रतिवर्ष) थीं, जो 2014-24 की अवधि के दौरान घटकर 678 (औसत 68 प्रतिवर्ष) रह गईं।

ट्रेन परिचालन में बेहतर सुरक्षा दर्शाने वाला एक अन्य महत्त्वपूर्ण सूचकांक प्रति मिलियन ट्रेन कि.मी. दुर्घटनाएं (एपीएमटीकेएम) है, जो वित्त वर्ष 2014-15 के 0.11 से घटकर वित्त वर्ष 2023-24 में 0.03 हो गया है, जो उक्त अवधि के दौरान लगभग 73 प्रतिशत का सुधार दर्शाता है।

संरक्षा से संबंधित कार्यकलापों पर किए गए व्यय (₹करोड़ में)

	2022-23 (वास्तविक)	2023-24 (वास्तविक)	बजट अनुमान 2024-25
रेलपथ और निर्माण कार्य का अनुरक्षण	18,115	20,322	21,386
रेलइंजनों और चल स्टॉक का अनुरक्षण	27,086	30,864	31,494
मशीनों का अनुरक्षण	9,828	10,772	11,864
सड़क संरक्षा समपार और ऊपरी/निचले सड़क पुल	5,347	6,662	9,980
रेलपथ नवीकरण	16,326	17,850	17,652
पुल संबंधी कार्य	1,050	1,907	2,137
सिगनल एवं दूरसंचार संबंधी कार्य	2,456	3,751	4,647
उत्पादन इकाइयों सहित कारखानों तथा संरक्षा पर विविध व्यय	7,119	9,523	9,615
कुल	87,327	1,01,651	1,08,776

भारतीय रेल में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। ट्रेन परिचालन में सुरक्षा बढ़ाने के लिए उठाए गए विभिन्न सुरक्षा उपाय निम्नानुसार हैं –

- मानवीय चूक के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए दिनांक 31 अक्टूबर, 2024 तक 6,608 स्टेशनों पर पॉइंट्स और सिग्नलों के केंद्रीकृत संचालन के साथ इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम उपलब्ध कराए गए हैं।



- लेवल क्रॉसिंग (एलसी) गेटों पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए दिनांक 31 अक्टूबर, 2024 तक 11,053 लेवल क्रॉसिंग गेटों पर इंटरलॉकिंग की व्यवस्था की गई है।
- दिनांक 31 अक्टूबर, 2024 तक 6,619 स्टेशनों पर विद्युत साधनों द्वारा ट्रैक पर होने वाले कब्जे की जाँच करके सुरक्षा बढ़ाने के लिए स्टेशनों की पूर्ण ट्रैक सर्किटिंग की सुविधा प्रदान की गई है।
- कवच एक अत्यधिक प्रौद्योगिकी गहन प्रणाली है, जिसके लिए उच्चतम स्तर के सुरक्षा प्रमाणन की आवश्यकता होती है। कवच को जुलाई 2020 में राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के रूप में अपनाया गया था। कवच को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। कवच को पहले ही दक्षिण मध्य रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे पर 1,548 आरकेएम पर तैनात किया जा चुका है। वर्तमान में, दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा कॉरीडोर (लगभग 3,000 रूट कि.मी.) पर काम चल रहा है। इन मार्गों पर लगभग 1,081 आरकेएम (दिल्ली-मुंबई खंड पर 705 आरकेएम और दिल्ली-हावड़ा खंड पर 376 आरकेएम) पर ट्रैक साइड का काम पूरा हो चुका है। इन खंडों पर नियमित परीक्षण किए जा रहे हैं।
- सिग्नलिंग की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं, जैसे अनिवार्य पत्राचार जाँच, परिवर्तन कार्य प्रोटोकॉल, समापन ड्राइंग की तैयारी आदि।
- प्रोटोकॉल के अनुसार एसएंडटी उपकरणों के लिए डिस्कनेक्शन और रीकनेक्शन की प्रणाली पर फिर से जोर दिया गया है।
- लोको पायलटों की सतर्कता में सुधार के लिए सभी इंजनों को सतर्कता नियंत्रण उपकरणों (वीसीडी) से सुसज्जित किया गया है।
- मास्ट पर रेट्रो-रिफ्लेक्टिव सिग्मा बोर्ड लगाए गए हैं जो विद्युतीकृत क्षेत्रों में सिग्नल से दो ओएचई मास्ट पहले स्थित हैं, ताकि धुंध भरे मौसम के कारण दृश्यता कम होने पर चालक दल को आगे के सिग्नल के बारे में सचेत किया जा सके।
- कोहरे से प्रभावित क्षेत्रों में लोको पायलटों को जीपीएस आधारित फॉग सेफ्टी डिवाइस (एफएसडी) प्रदान की जाती है, जिससे लोको पायलट सिग्नल, लेवल क्रॉसिंग गेट आदि जैसे निकटवर्ती स्थलों की दूरी जान सकते हैं।
- 60 किग्रा, 90 अल्टीमेट टेन्साइल स्ट्रेंथ (यूटीएस) रेल, प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपर (पीएससी) सामान्य/चौड़े बेस स्लीपर जिसमें इलास्टिक फास्टनिंग, पीएससी स्लीपर पर फैनशेप्ड लेआउट टर्नआउट, गर्डर ब्रिज पर स्टील चैनल/एच-बीम स्लीपर शामिल हैं, इन से युक्त आधुनिक ट्रैक संरचना का उपयोग प्राथमिक ट्रैक नवीनीकरण करते समय किया जाता है।
- मानवीय त्रुटियों को कम करने के लिए ट्रैक मशीनों जैसे कि पीक्यूआरएस, टीआरटी, टी-28 आदि के उपयोग के माध्यम से ट्रैक बिछाने की गतिविधि का मशीनीकरण।
- 130 मीटर/260 मीटर लंबे रेल पैनलों की आपूर्ति को अधिकतम करना, ताकि रेल नवीनीकरण की प्रगति को बढ़ाया जा सके और जोड़ों की वेल्डिंग से बचा जा सके, जिससे सुरक्षा में सुधार हो सके।



- रेल की खामियों का पता लगाने और उन्हें समय से ठीक करने के लिए अल्ट्रासोनिक दोष जाँच (यूएसएफडी) परीक्षण।
- लम्बी रेल लाइनें बिछाना, एल्युमिनो थर्मिक वेल्डिंग के उपयोग को न्यूनतम करना तथा रेल के लिए बेहतर वेल्डिंग प्रौद्योगिकी अर्थात फ्लैश बट वेल्डिंग को अपनाना।
- ओएमएस (ऑसिलेशन मॉनिटरिंग सिस्टम) और टीआरसी (ट्रैक रिकॉर्डिंग कार) द्वारा ट्रैक ज्योमेट्री की निगरानी।
- वेल्ड/रेल फ्रैक्चर की जाँच के लिए रेलवे पटरियों पर गश्त करना।
- टर्नआउट नवीनीकरण कार्यों में मोटी वेब स्विच और वेल्डेबल सीएमएस क्रॉसिंग का उपयोग।
- कर्मचारियों को सुरक्षित व्यवहारों के पालन के लिए निगरानी और शिक्षित करने हेतु नियमित अंतराल पर निरीक्षण किए जाते हैं।
- ट्रैक परिसंपत्तियों की वेब आधारित ऑनलाइन निगरानी प्रणाली अर्थात ट्रैक डेटाबेस और निर्णय समर्थन प्रणाली को तर्कसंगत रखरखाव आवश्यकता तय करने और इनपुट को अनुकूलित करने के लिए अपनाया गया है।
- ट्रैक की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों जैसे एकीकृत ब्लॉक, कॉरीडोर ब्लॉक, कार्यस्थल सुरक्षा, मानसून संबंधी सावधानियाँ आदि पर विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं।
- सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए रेलवे परिसंपत्तियों (कोच और वैगन) का निवारक रखरखाव किया जाता है।





- पारंपरिक आईसीएफ डिज़ाइन कोचों को एलएचबी डिज़ाइन कोचों से प्रतिस्थापित किया जा रहा है।
- ब्रॉड गेज (बीजी) मार्ग पर सभी मानव रहित लेवल क्रॉसिंग (यूएमएलसी) जनवरी 2019 तक समाप्त कर दिए गए हैं।
- रेलवे पुलों की सुरक्षा पुलों के नियमित निरीक्षण के माध्यम से सुनिश्चित की जाती है। पुलों की मरम्मत/पुनर्स्थापना की आवश्यकता इन निरीक्षणों के दौरान आंकी गई स्थितियों के आधार पर की जाती है।
- भारतीय रेल ने सभी कोचों में यात्रियों की व्यापक जानकारी के लिए वैधानिक 'अग्नि सूचना' प्रदर्शित की है। प्रत्येक कोच में अग्नि सुरक्षा पोस्टर लगाए गए हैं ताकि यात्रियों को आग से बचाव के लिए क्या करें और क्या न करें के बारे में शिक्षित और सतर्क किया जा सके। इनमें कोई भी ज्वलनशील पदार्थ, विस्फोटक न ले जाने, कोच के अंदर धूम्रपान न करने, जुर्माना आदि से संबंधित संदेश शामिल हैं।
- उत्पादन इकाइयां नव निर्मित पॉवर कारों और पेंट्री कारों में अग्नि पहचान और शमन प्रणाली तथा नव निर्मित कोचों में अग्नि और धुआं पहचान प्रणाली उपलब्ध करा रही हैं।
- कर्मचारियों को नियमित परामर्श एवं प्रशिक्षण दिया जाता है।
- भारतीय रेल (ओपन लाइन्स) सामान्य नियमों में रोलिंग ब्लॉक की अवधारणा को राजपत्र अधिसूचना दिनांक 30 नवम्बर, 2023 के माध्यम से शुरू किया गया है, जिसमें परिसंपत्तियों के एकीकृत रखरखाव/मरम्मत/प्रतिस्थापन का कार्य रोलिंग आधार पर 52 सप्ताह पहले से योजनाबद्ध किया जाता है और योजना के अनुसार निष्पादित किया जाता है।

रेलवे द्वारा किए गए सुरक्षा संबंधी कार्यों का विवरण देखें

क्र.सं.	मदें	2004-05 से 2013-14	2014-15 से 2023-24	2004-14 की तुलना में 2014-24
	रेलपथ अनुरक्षण			
1.	रेलपथ नवीकरण पर व्यय (करोड़ रुपये में)	47,038	1,09,577	2.33 गुना
2.	रेल नवीकरण प्राथमिक (रेलपथ कि.मी.)	32,260	43,335	1.34 गुना
3.	उच्च-गुणवत्ता की पटरियां (60 किग्रा.) (कि.मी.)	57,450	1,23,717	2.15 गुना
4.	लंबे रेल पैनल (260मी.) (कि.मी.)	9,917	68,233	6.88 गुना
5.	पटरियों की यूएसएफडी (अल्ट्रा सोनिक फ्लॉ डिटेक्शन) जाँच (रेलपथ कि.मी.)	20,19,630	26,52,291	1.31 गुना
6.	वेल्डिंग की यूएसएफडी (अल्ट्रा सोनिक फ्लॉ डिटेक्शन) जाँच (संख्या)	79,43,940	1,73,06,046	2.17 गुना
7.	नए जोड़े गए रेलपथ कि.मी. (रेलपथ कि.मी.)	14,985	31,180	2.08 गुना
8.	वेल्ड संबंधी विफलताएं (संख्या)	2013-14 में : 3699	2023-24 में : 481	87% कमी
9.	पटरियों में दरारें (संख्या)	2013-14 में : 2548	2023-24 में : 383	85% कमी
10	थिक वेब स्विच (संख्या)	कुछ नहीं	21,127	
11	रेलपथ मशीन (संख्या)	31.03.14 तक= 748	31.03.24 तक= 1,661	122% वृद्धि
	समपार फाटकों को बंद करना			
1.	मानव रहित समपार फाटकों को बंद करना (संख्या)	31.03.14 तक : 8,948	31.03.24 तक : शून्य (31.01.19 तक सभी बंद कर दिए गए)	100% कमी
2.	मानव युक्त समपार फाटकों को बंद करना (संख्या)	1,137	7,075	6.21 गुना
3.	रोड ओवर ब्रिज (आरओबी)/ रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) (संख्या)	4,148	11,945	2.88 गुना
4.	समपार समाप्त करने पर व्यय	8,825	41,957	4.75 गुना
	पुल पुनर्स्थापन			
1.	पुल पुनर्स्थापन पर व्यय (करोड़ रुपये में)	3,924	8,255	2.10 गुना
	सिगनल कार्य			
1.	इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (स्टेशन)	837	2,964	3.52 गुना
2.	स्वचालित ब्लॉक सिगनल (कि.मी.)	1,486	2,497	1.67 गुना
3.	फॉग पास संरक्षा उपकरण (संख्या)	31.03.14 तक : 90	31.03.24 तक : 19,742	219 गुना
	चल स्टॉक			
1.	एलएचबी डिब्बों का विनिर्माण (संख्या)	2,337	36,933	15.80 गुना
2.	वातानुकूलित डिब्बों में अग्नि और धूमन संसूचक प्रणाली का प्रावधान (डिब्बों की संख्या)	0	19,271	
3.	पेंट्री और पॉवर कारों में अग्नि संसूचन एवं अग्निशमन प्रणाली का प्रावधान (डिब्बों की संख्या)	0	2,991	
4.	गैर-वातानुकूलित डिब्बों में अग्नि शामकों का प्रावधान (डिब्बों की संख्या)	0	66,840	

भारतीय रेल ने नई लाइनों, गेज परिवर्तन और दोहरीकरण के लिए बजट आवंटन में लगभग 6 गुना वृद्धि की

रेलवे परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेलवे-वार किया जाता है, न कि राज्य/जिला-वार/क्षेत्रवार, क्योंकि रेलवे परियोजनाएँ राज्य की सीमाओं के पार हो सकती हैं।

दिनांक 1 अप्रैल, 2024 तक, पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित भारतीय रेल में, लगभग ₹7.44 लाख करोड़ लागत वाली कुल 44,488 कि.मी. लंबाई की 488 रेलवे अवसंरचना परियोजनाएँ (187 नई लाइन, 40 गेज परिवर्तन और 261 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से मार्च, 2024 तक 12,045 कि.मी. लंबाई चालू हो गई है और लगभग ₹2.92 लाख करोड़ का व्यय हो चुका है।

भारतीय रेल में नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए औसत वार्षिक बजट आवंटन नीचे दिया गया है -

अवधि	औसत परिव्यय	वित्त वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन की तुलना में वृद्धि
2009-14	11,527 करोड़/वर्ष	-
2024-25	68,634 करोड़	लगभग 6 गुना

भारतीय रेल में नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण के कार्य का विवरण नीचे दिया गया है -

अवधि	कुल स्थापित लंबाई	औसत स्थापित लंबाई	वित्त वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन की तुलना में वृद्धि
2009-14	7,599 कि.मी.	4.2 कि.मी./दिन	-
2014-24	31,180 कि.मी.	8.54 कि.मी./दिन	लगभग दोगुना

वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय रेल में 5,309 कि.मी. लंबे सेक्शन चालू किए जा चुके हैं।

लागत, व्यय और परिव्यय सहित सभी रेलवे परियोजनाओं का क्षेत्रवार/वर्षवार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

पिछले 10 वर्षों के दौरान यानि वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2023-24 तक भारतीय रेल में लगभग ₹2.65 लाख करोड़ की लागत की कुल 23,352 कि.मी. लंबाई की 297 परियोजनाएँ (नई लाइन, गेज परिवर्तन और दोहरीकरण) पूरी की गई हैं।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे अवसंरचना परियोजनाएँ भारतीय रेल के पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) क्षेत्र द्वारा कवर की जाती हैं।

दिनांक 1 अप्रैल, 2024 तक, कुल 1,368 कि.मी. लंबी और ₹74,972 करोड़ लागत वाली 18 परियोजनाएँ (13 नई लाइनें और 5 दोहरीकरण), जो पूरी तरह/आंशिक रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र में आती हैं, योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से मार्च 2024 तक 313 कि.मी. लंबी परियोजनाएँ चालू हो गई है और ₹40,549 करोड़ का व्यय हो चुका है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूरी तरह/आंशिक रूप से आने वाली बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं और सुरक्षा कार्यों के लिए औसत बजट आवंटन निम्नानुसार है -

अवधि	औसत परिव्यय	2009-14 के औसत आवंटन की तुलना में वृद्धि
2009-14	2,122 करोड़/वर्ष	-
2024-25	10,376 करोड़	लगभग 5 गुना





इसके अलावा, वित्त वर्ष 2009-14 और वित्त वर्ष 2014-24 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णत:/आंशिक रूप से आने वाले खंडों (नई लाइनें, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) की स्थापना का विवरण निम्नलिखित है -

अवधि	कुल स्थापित लंबाई	औसत स्थापित लंबाई	वित्त वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन की तुलना में वृद्धि
2009-14	333 कि.मी.	66.6 कि.मी./वर्ष	-
2014-24	1,728 कि.मी.	172.8 कि.मी./वर्ष	लगभग 2.6 गुना

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुल 110 कि.मी. का निर्माण कार्य पूरा किया गया है।

किसी भी रेलवे परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा त्वरित भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के अधिकारियों द्वारा वन मंजूरी, लागत साझाकरण परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा लागत हिस्सेदारी को जमा करना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, इकाइयों का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से वैधानिक मंजूरी, क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण विशेष परियोजना स्थल के लिए एक वर्ष में कार्य महीनों की संख्या आदि विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। असम के दरांग जिले से गुजरने वाली अगथोरी-डेकारगाँव (155 कि.मी.) नई रेल लाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी दे दी गई है।■

भारतीय रेल द्वारा यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध करने के लिए किए जा रहे हैं विशेष उपाय

भारतीय रेल (आईआर) यात्रियों को अच्छी गुणवत्ता और स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस संबंध में निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं -

- निर्दिष्ट बेस किचन से भोजन की आपूर्ति का प्रावधान।
- चिन्हित स्थानों पर आधुनिक बेस किचन की स्थापना।
- खाद्य पदार्थों की बेहतर निगरानी के लिए बेस किचन में सीसीटीवी कैमरे लगाना।
- भोजन तैयार करने के लिए लोकप्रिय और ब्रांडेड सामग्री जैसे खाना पकाने का तेल, आटा, चावल, दालें, मसाला आइटम, पनीर, दूध उत्पाद आदि का चयन और उपयोग।
- खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता निगरानी के लिए बेस रसोई में खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षकों की तैनाती।
- ट्रेनों में आईआरसीटीसी पर्यवेक्षकों की तैनाती।
- खाद्य पैकेटों पर क्यूआर कोड की शुरुआत, जिससे रसोईघर का नाम, पैकेजिंग की तारीख आदि जैसे विवरण प्रदर्शित हो सकें।
- बेस रसोई और पेंट्री कारों में नियमित रूप से अच्छी सफाई और समय-समय पर कीट नियंत्रण (प्रत्येक 15 दिन)।
- खाद्य सुरक्षा मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, प्रत्येक खानपान इकाई के नामित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों से भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) प्रमाणन अनिवार्य किया गया है।
- ट्रेनों में भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और निगरानी तंत्र के एक भाग के रूप में नियमित रूप से भोजन का नमूना लिया जाता है।
- पैंट्री और बेस किचन में स्वच्छता और भोजन की गुणवत्ता की जाँच करने के लिए थर्ड पार्टी ऑडिट आयोजित किए जाते हैं। ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण भी आयोजित किया जाता है।
- खाद्य सुरक्षा अधिकारियों सहित रेलवे/आईआरसीटीसी अधिकारियों द्वारा नियमित एवं औचक निरीक्षण।



- विभिन्न यात्री समूहों की प्राथमिकताओं के अनुसार जैसे क्षेत्रीय व्यंजनों/पसंद के व्यंजनों, मौसमी व्यंजनों, मधुमेह संबंधी भोजन, बच्चों के भोजन, मोटे अनाज सहित स्वास्थ्यवर्धक भोजन के विकल्पों को पेश करने के लिए ट्रेनों में युक्तिसंगत मेनू का कार्यान्वयन।
- कैटरिंग स्टाफ के कौशल को बढ़ाने के लिए आईआरसीटीसी द्वारा नियमित प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है, जिसमें ग्राहक सेवा के क्षेत्रों यानी संचार, शिष्टाचार, सेवा मानकों, पर्सनल ग्रूमिंग और स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

ट्रेनों में भोजन और पेय पदार्थ पूर्व-अधिसूचित दरों पर बेचे जाते हैं। भारतीय रेल में खानपान वस्तुओं की दरों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए वेटरों द्वारा मेनू और टैरिफ दिखाकर एसएमएस/पत्रों के माध्यम से यात्रियों के बीच नियमित जागरूकता पैदा की जाती है। इसके अलावा, रेलवे/आईआरसीटीसी अधिकारियों द्वारा विशेष निरीक्षण अभियान सहित नियमित और औचक निरीक्षण भी आयोजित किए जाते हैं।■

महिला रेल यात्रियों की सुरक्षा हेतु भारतीय रेल द्वारा उठाए जा रहे कदम



'पुलिस' और 'लोक व्यवस्था' भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत राज्य के विषय हैं और इसलिए, राज्य सरकारें अपनी कानून प्रवर्तन एजेंसियों यानी राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी)/जिला पुलिस के माध्यम से अपराध की रोकथाम तथा उसका पता लगाने, पंजीकरण एवं जाँच और रेलवे के अंतर्गत विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) रेलवे संपत्ति, यात्री क्षेत्र और यात्रियों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करने एवं उनसे जुड़े मामलों में जीआरपी/जिला पुलिस के प्रयासों में सहायता करता है।

ट्रेनों में और स्टेशनों पर महिला यात्रियों की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिए जीआरपी के सहयोग से रेलवे द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं -

- संवेदनशील और चिन्हित मार्गों/खंडों पर ट्रेनों की सुरक्षा रेलवे सुरक्षा बल के अलावा विभिन्न राज्यों की राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा प्रतिदिन की जाती है।
- 'मेरी सहेली' पहल के तहत, लंबी दूरी की ट्रेनों में अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की पूरी यात्रा यानी यात्रा की शुरुआत वाले स्टेशन से लेकर गंतव्य स्टेशन तक की सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।
- यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से कई कोचों और रेलवे स्टेशनों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जाती है।
- तत्काल सहायता के लिए, यात्री सीधे रेल मदद पोर्टल पर या हेल्पलाइन नंबर 139 [आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस) नंबर 112 के साथ एकीकृत] के माध्यम से शिकायत कर सकते हैं।
- रेलवे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने और उनकी सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने हेतु ट्विटर एवं फेसबुक आदि जैसे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से यात्रियों के साथ नियमित संपर्क में है।
- यात्रियों को चोरी, झपटमारी, नशीले पदार्थों आदि के विरुद्ध सावधानी बरतने के बारे में शिक्षित करने के लिए सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से लगातार घोषणाएं की जाती हैं।
- मंडल रेलवे को ट्रेन एस्कॉर्ट पार्टियों में यथासंभव पुरुष एवं महिला आरपीएफ/आरपीएसएफ कर्मियों की उचित संयुक्त संख्या की तैनाती के निर्देश दिए गए हैं।
- महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बे में पुरुष यात्रियों के प्रवेश के विरुद्ध अभियान चलाया जाता है और उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाती है।
- रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था की नियमित निगरानी व समीक्षा के लिए सभी राज्यों/केन्द्र-शासित प्रदेशों में संबंधित पुलिस महानिदेशक/राज्यों/केन्द्र-शासित प्रदेशों के पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में रेलवे की राज्य स्तरीय सुरक्षा समिति (एसएलएससीआर) का गठन किया गया है।

रेलवे में 12वीं सुरक्षा और संरक्षा रिपोर्ट दिसंबर 2016 में आई थी और वर्ष 2018 से पहले, महिला कर्मियों का प्रतिशत कुल स्वीकृत संख्या का लगभग 3 प्रतिशत था। सेवानिवृत्ति, पदोन्नति, मृत्यु, इस्तीफे आदि के कारण रिक्तियां उत्पन्न होना एक सतत प्रक्रिया है और इन्हें मौजूदा नियमों के अनुसार खुली भर्तियों और विभागीय पदोन्नति के माध्यम से भरा जाता है। भर्ती के बाद, आरपीएफ में महिलाओं का प्रतिशत वर्तमान संख्या के 3 प्रतिशत से बढ़कर 9.38 प्रतिशत हो गया है।

आरआरबी ने महिलाओं के लिए 15 प्रतिशत सीटों के साथ उप-निरीक्षकों के 452 पदों और कांस्टेबलों के 4,208 पदों को भरने के लिए क्रमशः आरपीएफ सीईएन नंबर 01/2024 और आरपीएफ सीईएन नंबर 02/2024 की अधिसूचना जारी की है। इससे आरपीएफ/आरपीएसएफ में महिलाओं का प्रतिशत और बढ़ेगा।

निर्भया फंड के तहत अब तक 566 रेलवे स्टेशनों पर ₹223.67 करोड़ की खर्च से सीसीटीवी कैमरे उपलब्ध कराए गए हैं।■

भारतीय रेल में कवच प्रणाली की तैनाती



कवच एक स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित रेलगाड़ी संरक्षा प्रणाली है। कवच एक अत्यधिक प्रौद्योगिकी प्रधान प्रणाली है, जिसे उच्चतम स्तर के संरक्षा प्रमाणन की आवश्यकता होती है।

यदि लोको पायलट ब्रेक लगाने में विफल रहता है तो कवच स्वचालित ब्रेक लगाकर लोको पायलट को निर्दिष्ट गति सीमा के भीतर रेलगाड़ी चलाने में सहायता करता है और यह खराब मौसम के दौरान रेलगाड़ी को संरक्षित ढंग से चलाने में भी सहायता करता है।

यात्री ट्रेनों पर पहला फील्ड परीक्षण फरवरी 2016 में शुरू किया गया था। प्राप्त अनुभवों और स्वतंत्र संरक्षा निर्धारक आईएसए द्वारा प्रणाली के स्वतंत्र संरक्षा मूल्यांकन के आधार पर कवच के संस्करण 3.2 की आपूर्ति के लिए वित्त वर्ष 2018-19 में तीन फर्मों को मंजूरी दी गई थी।

कवच को जुलाई 2020 में राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के रूप में अपनाया गया था।

कवच प्रणाली के कार्यान्वयन में निम्नानुसार मुख्य कार्यकलाप शामिल हैं -

- प्रत्येक स्टेशन, ब्लॉक खंड पर स्टेशन कवच की संस्थापना।
- पूरे रेलपथ की लंबाई पर आरएफआईडी टैग का संस्थापन।
- संपूर्ण रेलखंड में दूरसंचार टावरों का संस्थापन।
- रेलपथ के साथ ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना।
- भारतीय रेल पर परिचालित किए जाने वाले प्रत्येक रेलइंजन पर लोको कवच का प्रावधान।

दक्षिण मध्य रेलवे में 1,465 मार्ग कि.मी. पर कवच के संस्करण 3.2 की संस्थापना के दौरान काफी अनुभव प्राप्त हुए। जिन्हें कार्यान्वित करते हुए आगे सुधार किए गए। अंततः दिनांक 16 जुलाई, 2024 को कवच संस्करण 4.0 विनिर्देशों को आरडीएसओ द्वारा अनुमोदित किया गया।

कवच के संस्करण 4.0 में विभिन्न रेल नेटवर्क के लिए आवश्यक मुख्य विशेषताएं शामिल हैं। भारतीय रेल हेतु संरक्षा के संबंध में यह विशिष्ट उपलब्धि है। अल्प अवधि के भीतर, भारतीय रेल द्वारा स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली को विकसित किया गया, परीक्षण किया गया और संस्थापित करना शुरू किया गया।

कवच के संस्करण 4.0 में प्रमुख सुधारों में अधिक सटीक अवस्थिति, बड़े यार्ड के लिए सिगनल संबंधी बेहतर जानकारी, ओएफसी पर स्टेशन से स्टेशन कवच इंटरफेस और मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली के लिए सीधा इंटरफेस शामिल हैं। इन सुधारों के साथ अब बड़ी संख्या में इसका संस्थापन शुरू किया गया है।

कवच को पहले ही दक्षिण मध्य रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे पर 1,548 कि.मी. मार्ग पर लगाया जा चुका है। वर्तमान में, दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा रेल गलियारों (लगभग 3,000 कि.मी. रेलमार्ग) पर कार्य प्रगति पर है। इन मार्गों पर लगभग 1,081 मार्ग कि.मी. (दिल्ली-मुंबई खंड पर 705 मार्ग कि.मी. और दिल्ली-हावड़ा खंड पर 376 मार्ग कि.मी.) पर रेलपथ साइड का कार्य पूरा कर लिया गया है। इन खंडों पर नियमित परीक्षण किए जा रहे हैं।

अक्टूबर 2024 तक उपर्युक्त मार्गों पर कवच प्रणाली में शामिल प्रमुख मदों की प्रगति निम्नानुसार है -

- ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना : 4,960 कि.मी.
- दूरसंचार टावरों का संस्थापन : 378 अदद
- स्टेशनों पर कवच का प्रावधान : 381 अदद
- रेलइंजनों में कवच का प्रावधान : 482 रेलइंजन
- ट्रैक साइड उपस्कर का संस्थापन : 1,948 मार्ग कि.मी.

कवच प्रणाली के कार्यन्वयन की अगले चरण की योजना निम्नानुसार है –

- 10,000 रेल इंजनों में इसकी संस्थापना हेतु परियोजना को अंतिम रूप दिया गया है।
- लगभग 15,000 मार्ग कि.मी. के लिए कवच के रेलपथ साइड कार्यों के लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं। जिनमें से लगभग 9,000 मार्ग कि.मी. के लिए बोलियों को खोला गया है। इसमें भारतीय रेल के सभी स्वर्णिम चतुर्भुज (जीक्यू) रेलमार्ग, स्वर्णिम विकर्ण रेलमार्ग (जीडी), उच्च घनत्व नेटवर्क (एचडीएन) और चिह्नित रेलखंड शामिल हैं।

वर्तमान में, कवच प्रणाली की आपूर्ति के लिए 3 ओईएम अनुमोदित हैं। क्षमता और कार्यान्वयन के पैमाने को बढ़ाने के लिए, अधिक ओईएम के परीक्षण और अनुमोदन विभिन्न चरणों में हैं।

सभी संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए भारतीय रेल के केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों में कवच से संबंधित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभी तक 9,000 से अधिक तकनीशियनों, ऑपरेटरों और इंजीनियरों को कवच प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इन पाठ्यक्रमों को आईआरआईएसईटी के सहयोग से बनाया गया है।

कवच के स्टेशन उपकरण सहित ट्रैक साइड की व्यवस्था की लागत लगभग ₹50 लाख प्रति कि.मी. है और रेलइंजनों पर कवच उपकरण के प्रावधान की लागत लगभग ₹80 लाख प्रति रेलइंजन है।

कवच प्रणाली से संबंधित कार्यों पर अभी तक उपयोग की गई धनराशि ₹1,547 करोड़ है। वर्ष 2024-25 के दौरान निधियों का आवंटन ₹1,112.57 करोड़ है। कार्यों की प्रगति के अनुसार अपेक्षित निधियां उपलब्ध कराई जाएंगी।■

रेल ब्रॉड गेज नेटवर्क का विद्युतीकरण

भारतीय रेल ने बड़ी लाइन (बीजी) नेटवर्क को मिशन मोड में विद्युतीकरण करने का कार्य शुरू किया है। भारतीय रेल ने वित्त वर्ष 2014-15 से बड़ी लाइन नेटवर्क पर लगभग 45,200 मार्ग कि.मी. का विद्युतीकरण कार्य पूरा कर लिया है। विद्युतीकरण कार्य में वित्त वर्ष 2004-14 के दौरान लगभग 1.42 कि.मी./दिन से वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान लगभग 19.7 कि.मी./प्रतिदिन की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

वर्तमान में, भारतीय रेल की कुल बड़ी लाइन नेटवर्क के लगभग 97% का विद्युतीकरण किया जा चुका है।

विद्युत कर्षण डीजल कर्षण से अधिक पर्यावरण अनुकूल और लगभग 70% अधिक किफायती है।



विद्युत ट्रेन परिचालन के लिए विश्वसनीय बिजली आपूर्ति अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इस प्रणाली में राज्य और केंद्रीय ट्रांसमिशन साधनों के माध्यम से राष्ट्रीय ग्रिड के साथ कनेक्शन सहित कई संरक्षा उपाय शामिल हैं। निर्बाध सेवा सुनिश्चित करने के लिए ग्रिड सब-स्टेशन और कर्षण सब-स्टेशन दोनों पर अतिरिक्त बिजली साधन उपलब्ध हैं।■

भारतीय रेल
Indian Railways

पत्रिका की सदस्यता तथा पत्रिका न मिलने की शिकायत हेतु
संपर्क करें
011-47845089

सोमवार से शुक्रवार (सुबह 10 से 1 एवं दोपहर 2 से 5 बजे तक)
bmpr310rb@gmail.com, irbrhelp@gmail.com

भारतीय रेल 202

1960 से रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

विक्रमी संवत्-2081-2082 | श

जनवरी — पौष–माघ — JANUARY

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
		1 द्वितीया	2 तृतीया	3 चतुर्थी	4 पंचमी	5 षष्ठी
6 सप्तमी	7 अष्टमी	8 नवमी	9 दशमी	10 एकादशी	11 द्वादशी/त्रयोदशी	12 चतुर्दशी
13 पूर्णिमा	14 एकम्	15 द्वितीया	16 तृतीया	17 चतुर्थी	18 पंचमी	19 पंचमी
20 षष्ठी	21 सप्तमी	22 अष्टमी	23 नवमी	24 दशमी	25 एकादशी	26 द्वादशी
27 त्रयोदशी	28 चतुर्दशी	29 अमावस्या	30 एकम्	31 द्वितीया		

01 नववर्ष दिवस / New Year's Day
06 गुरू गोविन्द सिंह जयन्ती / Guru Govind Singh's Birthday
14 मकर संक्रांति / Makar Sankranti
हजरत अली जयन्ती / Hazrat Ali's Birthday
26 गणतंत्र दिवस / Republic Day

अप्रैल — चैत्र–वैशाख — APRIL

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
	1 चतुर्थी	2 पंचमी	3 षष्ठी	4 सप्तमी	5 अष्टमी	6 नवमी
7 दशमी	8 एकादशी	9 द्वादशी	10 त्रयोदशी	11 चतुर्दशी	12 पूर्णिमा	13 एकम्
14 प्रतिपदा	15 द्वितीया	16 तृतीया	17 चतुर्थी	18 पंचमी	19 षष्ठी	20 सप्तमी
21 अष्टमी	22 नवमी	23 दशमी	24 एकादशी	25 द्वादशी	26 त्रयोदशी/चतुर्दशी	27 अमावस्या
28 एकम्	29 द्वितीया	30 तृतीया				

06 राम नवमी / Ram Navami
13 वैशाखी / विशु / Vaisakhi / Vishu
14 मिशादी / Mishadi
15 वैशाखादी / बहाग बिहु / Vaisakhadi / Bahag Bihu
20 ईस्टर संडे / Easter Sunday
10 महावीर जयंती / Mahavir Jayanti
18 गुड फ्राइडे / Good Friday

फरवरी — माघ–फाल्गुन — FEBRUARY

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
					1 तृतीया	2 चतुर्थी/पंचमी
3 षष्ठी	4 सप्तमी	5 अष्टमी	6 नवमी	7 दशमी	8 एकादशी	9 द्वादशी
10 त्रयोदशी	11 चतुर्दशी	12 पूर्णिमा	13 एकम्	14 द्वितीया	15 तृतीया	16 चतुर्थी
17 पंचमी	18 षष्ठी	19 षष्ठी	20 सप्तमी	21 अष्टमी	22 नवमी	23 दशमी
24 एकादशी	25 द्वादशी	26 त्रयोदशी	27 चतुर्दशी/अमावस्या	28 एकम्		

02 बसंत पंचमी / श्री पंचमी / Basant Panchami / Sri Panchami
12 गुरू रविदास जयन्ती / Guru Ravidas's Birthday
19 शिवाजी जयन्ती / Shiva Ji Birthday
23 स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती / Birthday of Swami Dayananda Saraswati
26 महा शिवरात्रि / Maha Shivratri

मई — वैशाख–ज्येष्ठ — MAY

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
			1 चतुर्थी	2 पंचमी	3 षष्ठी	4 सप्तमी
5 अष्टमी	6 नवमी	7 दशमी	8 एकादशी	9 द्वादशी	10 त्रयोदशी	11 चतुर्दशी
12 पूर्णिमा	13 एकम्	14 द्वितीया	15 तृतीया	16 चतुर्थी	17 पंचमी	18 पंचमी
19 षष्ठी	20 सप्तमी/अष्टमी	21 नवमी	22 दशमी	23 एकादशी	24 द्वादशी	25 त्रयोदशी
26 चतुर्दशी	27 अमावस्या/एकम्	28 द्वितीया	29 तृतीया	30 चतुर्थी	31 पंचमी	

09 गुरू रविन्द्र नाथ टैगोर जयंती / Guru Rabindra Nath Tagore's Birthday
12 बुद्ध पूर्णिमा / राम नवमी
Budha Purnima / Ram Navami

मार्च — फाल्गुन–चैत्र — MARCH

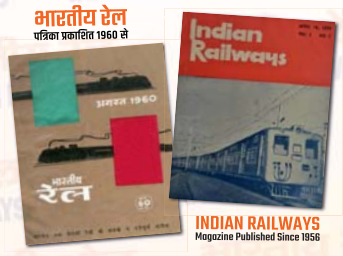
Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
31 द्वितीया/तृतीया					1 द्वितीया	2 तृतीया
3 चतुर्थी	4 पंचमी	5 षष्ठी	6 सप्तमी	7 अष्टमी	8 नवमी	9 दशमी
10 एकादशी	11 द्वादशी	12 त्रयोदशी	13 चतुर्दशी	14 पूर्णिमा	15 एकम्	16 द्वितीया
17 तृतीया	18 चतुर्थी	19 पंचमी	20 षष्ठी	21 सप्तमी	22 अष्टमी	23 नवमी
24 दशमी	25 एकादशी	26 द्वादशी	27 त्रयोदशी	28 चतुर्दशी	29 अमावस्या	30 एकम्

13 होलिका दहन / Holika Dahan
14 डोली यात्रा / Dolyatra
28 जमात–उल–विदा / Jamat-Ul-Vida
30 चैत्र शुक्लादि / गुड़ी पड़वा / उगाड़ी / चैती चांद / Chaitra Sukladi / Gudi Padava / Ugadi / Cheti Chand
14 होली / Holi
31 ईद–उल–फितर / Id-Ul-Fitr

जून — ज्येष्ठ–आषाढ़ — JUNE

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
30 पंचमी						1 षष्ठी
2 सप्तमी	3 अष्टमी	4 नवमी	5 दशमी	6 एकादशी	7 द्वादशी	8 द्वादशी
9 त्रयोदशी	10 चतुर्दशी	11 पूर्णिमा	12 एकम्	13 द्वितीया	14 तृतीया	15 चतुर्थी
16 पंचमी	17 षष्ठी	18 सप्तमी	19 अष्टमी	20 नवमी	21 दशमी/एकादशी	22 द्वादशी
23 त्रयोदशी	24 चतुर्दशी	25 अमावस्या	26 एकम्	27 द्वितीया	28 तृतीया	29 चतुर्थी

27 रथ यात्रा / Rath Yatra
07 ईद–उल–जुहा (बकरीद) / Eid-Ul-Zuha (Bakrid)



पत्रिकाओं की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

या क्यूआर कोड को स्कैन करें

■ शनिवार / रविवार / राजपत्रित अवकाश ■ प्रतिबन्धित अवकाश ©भारतीय रेल पत्रिका website: www.indianrailways.gov.in

INDIAN RAILWAYS

FROM 1956 MONTHLY PUBLICATIONS OF MINISTRY OF RAILWAYS

क् संवत्-1946-1947

जुलाई आषाढ़-श्रावण JULY

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
	1 षष्ठी	2 सप्तमी	3 अष्टमी	4 नवमी	5 दशमी	6 एकादशी
7 द्वादशी	8 त्रयोदशी	9 चतुर्दशी	10 पूर्णिमा	11 एकम्	12 द्वितीया	13 तृतीया
14 चतुर्थी	15 पंचमी	16 षष्ठी	17 सप्तमी	18 अष्टमी	19 नवमी	20 दशमी
21 एकादशी	22 द्वादशी/त्रयोदशी	23 चतुर्दशी	24 अमावस्या	25 एकम्	26 द्वितीया	27 तृतीया
28 चतुर्थी	29 पंचमी	30 षष्ठी	31 सप्तमी			

06 मुहर्रम / Muharram

अगस्त श्रावण-भाद्रपद AUGUST

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
				1 अष्टमी	2 अष्टमी	3 नवमी
4 दशमी	5 एकादशी	6 द्वादशी	7 त्रयोदशी	8 चतुर्दशी	9 पूर्णिमा	10 एकम्
11 द्वितीया	12 तृतीया	13 चतुर्थी/पंचमी	14 षष्ठी	15 सप्तमी	16 अष्टमी	17 नवमी
18 दशमी	19 एकादशी	20 द्वादशी	21 त्रयोदशी	22 चतुर्दशी	23 अमावस्या	24 एकम्
25 द्वितीया	26 तृतीया	27 चतुर्थी	28 पंचमी	29 षष्ठी	30 सप्तमी	31 अष्टमी

09 रक्षा बंधन / Raksha Bandhan
15 पारसी नववर्ष दिवस / नवरोज / जन्माष्टमी (स्मर्ता) / Parsi New Year's Day / Navroz / Janmashtami (smarta)
27 गणेश / विनायक चतुर्थी/ Ganesh / Vinayaka Chaturthi
15 स्वतंत्रता दिवस / Independence Day
16 जन्माष्टमी (वैष्णव) / Janamashtami (Vaishnav)

सितम्बर भाद्रपद-आश्विन SEPTEMBER

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
1 नवमी	2 दशमी	3 एकादशी	4 द्वादशी	5 त्रयोदशी	6 चतुर्दशी	7 पूर्णिमा
8 एकम्	9 द्वितीया	10 तृतीया	11 चतुर्थी	12 पंचमी	13 षष्ठी/सप्तमी	14 अष्टमी
15 नवमी	16 दशमी	17 एकादशी	18 द्वादशी	19 त्रयोदशी	20 चतुर्दशी	21 अमावस्या
22 एकम्	23 द्वितीया	24 तृतीया	25 तृतीया	26 चतुर्थी	27 पंचमी	28 षष्ठी
29 सप्तमी	30 अष्टमी					

05 ओणम / Onam
29 दशहरा (सप्तमी) / Dussehra (Saptami)
30 दशहरा (महाष्टमी) / Dussehra (Mahastami)
05 ईद-ए-मिलाद / Id-e-Milad

अक्टूबर आश्विन-कार्तिक OCTOBER

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
		1 नवमी	2 दशमी	3 एकादशी	4 द्वादशी	5 त्रयोदशी
6 चतुर्दशी	7 पूर्णिमा/एकम्	8 द्वितीया	9 तृतीया	10 चतुर्थी	11 पंचमी	12 षष्ठी
13 सप्तमी	14 अष्टमी	15 नवमी	16 दशमी	17 एकादशी	18 द्वादशी	19 त्रयोदशी
20 चतुर्दशी	21 अमावस्या	22 एकम्	23 द्वितीया	24 तृतीया	25 चतुर्थी	26 पंचमी
27 षष्ठी	28 षष्ठी	29 सप्तमी	30 अष्टमी	31 नवमी		

01 दशहरा (महानवमी) / Dussehra (Mahanavmi)
07 महर्षि वाल्मीकि जयंती / Maharshi Valmiki Jayanti
10 करक चतुर्थी (करवाचौथ) / Karaka Chaturthi (Karwachauth)
20 नरक चतुर्दशी / Naraka Chaturdashi
22 गोवर्धन पूजा / Govardhan Pooja
23 भाई दूज / Bhai Duj
28 प्रतिहारी षष्टी या सूर्य षष्ठी/छठ पूजा / Pratihar Shashthi or Surya Shashthi / Chhat Puja
02 महात्मा गांधी जयंती, दशहरा / Mahatma Gandhi Jayanti, Dussehra
20 दिवाली (दीपावली) / Diwali (Deepavali)

नवम्बर कार्तिक-मार्गशीर्ष NOVEMBER

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
					1 दशमी	2 एकादशी/द्वादशी
3 त्रयोदशी	4 चतुर्दशी	5 पूर्णिमा	6 एकम्	7 द्वितीया	8 तृतीया/चतुर्थी	9 पंचमी
10 षष्ठी	11 सप्तमी	12 अष्टमी	13 नवमी	14 दशमी	15 एकादशी	16 द्वादशी
17 त्रयोदशी	18 त्रयोदशी	19 चतुर्दशी	20 अमावस्या	21 एकम्	22 द्वितीया	23 तृतीया
24 चतुर्थी	25 पंचमी	26 षष्ठी	27 सप्तमी	28 अष्टमी	29 नवमी	30 दशमी

24 गुरू तेग बहादूर शहीदी दिवस / Guru Teg Bahadur's Martyrdom Day
05 गुरूनानक जयंती / Gurunanak Jayanti

दिसम्बर मार्गशीर्ष-पौष DECEMBER

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
1 एकादशी	2 द्वादशी	3 त्रयोदशी	4 चतुर्दशी/पूर्णिमा	5 एकम्	6 द्वितीया	7 तृतीया
8 चतुर्थी	9 पंचमी	10 षष्ठी	11 सप्तमी	12 अष्टमी	13 नवमी	14 दशमी
15 एकादशी	16 द्वादशी	17 त्रयोदशी	18 चतुर्दशी	19 अमावस्या	20 एकम्	21 प्रतिपदा
22 द्वितीया	23 तृतीया	24 चतुर्थी	25 पंचमी	26 षष्ठी	27 सप्तमी	28 अष्टमी
29 नवमी	30 दशमी/एकादशी	31 द्वादशी				

24 क्रिसमस पूर्व / Christmas Eve.
25 क्रिसमस दिवस / Christmas Day

Now e-magazine Also available



Email for Hindi : editorbhartiyarailrb@gmail.com | Email for English : editorindianrailways@gmail.com

दिवाली और छठ पूजा के दौरान

12 करोड़ लोगों की सुखद यात्रा की साथी बनी भारतीय रेल

7990 विशेष रेलगाड़ियों का परिचालन

- एक अक्टूबर से 30 नवंबर 2024 के दौरान भारतीय रेल ने 7990 स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया। पिछले साल इस अवधि में 4480 विशेष ट्रेनों का परिचालन किया गया था। इस तरह इस वर्ष 78% से अधिक ट्रेनों का परिचालन किया गया है।
- एक अक्टूबर से 30 नवंबर, 2024 के दौरान करीब 12 करोड़ से अधिक लोगों को भारतीय रेल ने उनके गंतव्य तक पहुँचाया।
- दिनांक 24 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच भारतीय रेल में 9.58 करोड़ यात्रियों ने नॉन-सब-अर्बन रूट पर यात्रा की। यह एक नया कीर्तिमान है। पिछले वर्ष दीपावली और छठ वाले सप्ताह में 9.24 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की थी।
- दिनांक 4 नवंबर 2024 को भारतीय रेल के नॉन सबअर्बन रुट पर एक करोड़ 20 लाख 72,000 से अधिक यात्रियों ने यात्रा की जो एक नया कीर्तिमान है। इसमें आरक्षित श्रेणी में 19.43 लाख यात्री और अनारक्षित श्रेणी में एक करोड़ 1 लाख 29,000 यात्री शामिल हैं।
- भारतीय रेल द्वारा 3 नवंबर को 207 विशेष ट्रेनों का और 4 नवंबर को 203 विशेष रेलगाड़ियों का परिचालन किया गया, जो एक नया कीर्तिमान है।

दिवाली और छठ पूजा पर्वों के मौसम में, अपने परिवारों के साथ दिवाली और छठ पूजा का त्योहार मनाने के लिए अपने घर की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए भारतीय रेल ने इस वर्ष 1 अक्टूबर से 30 नवम्बर, 2024 के दौरान सर्वाधिक 7990 त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाकर यात्रियों के साथ त्योहारों की खुशियाँ साझा की। इन में लगभग 85% से अधिक त्योहार विशेष ट्रेनें पूर्व दिशा में उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और असम जाने वाले यात्रियों के लिए चलाई गयी। इन स्पेशल ट्रेनों की बदौलत ही भारतीय रेल ने एक नया कीर्तिमान रचा। दिनांक 4 नवम्बर, 2024 को एक दिन में रेलवे ने 3 करोड़ से ज्यादा लोगों को रेल से सफर कराया जो कि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की जनसंख्या से ज्यादा है। इस पूरी कवायद के पीछे रेल मंत्री



छठ पर्व के अवसर पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का जायजा लेते हुए तथा यात्रियों से बातचीत करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव। साथ में हैं श्री अशोक कुमार वर्मा, महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे एवं रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारीगण

श्री अश्विनी वैष्णव की सूक्ष्म एवं लक्षित योजना थी जिससे भारतीय रेल इतनी व्यवस्थित रूप से स्पेशल ट्रेन चला पाने में सफल रही।

अतिरिक्त यात्री वहन क्षमता का प्रावधान: भारतीय रेल ने त्योहारों के दौरान सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए दिनांक 1 अक्टूबर, 2024 से 30 नवम्बर, 2024 तक विशेष ट्रेनों के 7724 फेरों की योजना बनाई। दिवाली और छठ पर्व के दौरान (दिनांक 26 अक्टूबर, 2024 से 7 नवम्बर, 2024 तक) इन तेरह दिनों में भारतीय रेल प्रत्येक दिन 195 ट्रेनों का संचालन किया जबकि पिछले वर्ष इन तेरह दिनों में प्रत्येक दिन 59 ट्रेनों का संचालन हुआ था। इन तेरह दिनों में लगभग 20 करोड़ यात्रियों को परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई। नियमित रेलट्रेनों के अतिरिक्त फेरों का इंतजाम किया गया। देश की राजधानी दिल्ली से देश भर के प्रमुख गंतव्यों को पटना, दानापुर, मुजफ्फरपुर, जोगबनी, सहरसा, जयनगर, कटिहार, दरभंगा, गोरखपुर, रक्सौल, वाराणसी, गया, श्री वैष्णो देवी कटरा से जोड़ने के लिए विशेष ट्रेनें चलायी गयी। ठीक उसी प्रकार से इन यात्रियों को वापस लाने की भी व्यवस्था की गई थी। उपरोक्त के अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार अघोषित विशेष रेलगाड़ियां भी चलाई गयी।

रेलवे द्वारा दिवाली और छठ पूजा के दौरान भीड़ प्रबंधन

गेम चेंजिंग इनोवेशन :

यात्रियों की भीड़ के बेहतर प्रबंधन के लिए, प्लेटफॉर्म को निर्धारित किया गया और इसका प्रचार कर यात्रियों को विभिन्न माध्यमों से पूर्व में सूचित किया गया। उदाहरण के तौर पर, उत्तर रेलवे ने पूर्व दिशा की ओर जाने वाली, 12566 बिहार संपर्क क्रांति, 12394 सम्पूर्ण क्रांति, 12554 वैशाली और 12802 पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, जैसी ट्रेनों को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 16 से चलाया गया। पहली बार अनारक्षित यात्रियों के सुगम एवं सुरक्षित प्रवेश के लिए, कतार में लगने के लिए अलग प्लेटफॉर्म प्रवेश द्वार का निर्माण किया गया। रेलवे स्टेशन पर सभी



रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार ने छठ पूजा से पहले नई दिल्ली रेलवे स्टेशन यात्रियों के लिए की गई तैयारियों का निरीक्षण किया उनके साथ हैं श्री अशोक कुमार वर्मा, महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे के साथ का दौरा किया

विभागों के नामित कर्मचारियों द्वारा संचालित एक सुसज्जित मिनी-नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया।

टर्मिनस स्टेशनों पर अनारक्षित डिब्बों में यात्रियों के व्यवस्थित प्रवेश के लिए स्टेशन के प्रमुख स्थानों पर आरपीएफ/वाणिज्यिक कर्मचारियों की देखरेख में कतार बनाकर भीड़ को नियंत्रित करने के उपाय सुनिश्चित किए गए।



मेट्रो स्टेशन को जोड़ने वाले फुट ओवर ब्रिज पर भीड़भाड़ को व्यवस्थित रखने का उचित चैनलाइजेशन किया गया ताकि रेलवे स्टेशनों के किसी भी स्थान पर अत्यधिक भीड़भाड़ न हो। इसके लिए मेट्रो के साथ भी समन्वय किया गया।



महत्त्वपूर्ण स्टेशनों पर 'क्या मैं आपकी सहायता कर सकता हूँ' बूथ कार्य कर रहे थे, जहाँ यात्रियों की उचित सहायता और



मार्गदर्शन के लिए आरपीएफ कार्मिक और टीटीई तैनात किए गए। यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए गए कि ट्रेन प्रस्थान के अंतिम समय में प्लेटफॉर्म में कोई बदलाव न हो। टर्मिनल स्टेशनों पर व्यस्ततम अवधि के दौरान विशेष ड्यूटी अधिकारी (एसडीओ) के रूप में अधिकारियों की तैनाती की गयी।



अस्थायी प्रतीक्षा क्षेत्र 'पंडाल' में उपलब्ध कराई गई सुविधाएं

पंडाल : प्लेटफार्मों पर भीड़ को कम करने के लिए प्रस्थान पूर्व प्रतीक्षा अवधि के दौरान भीड़ को सर्कुलेटिंग एरिया में रखने के लिए व्यस्तम रेलवे स्टेशनों पर 'यात्री होल्डिंग एरिया' (पंडाल) का निर्माण किया गया। पिछले साल की तुलना में इस बार टेंट का क्षेत्रफल अधिक रखा गया था। पंडालों को दो भागों में विभाजित किया गया। पंडाल का एक भाग आरक्षित टिकट वाले यात्रियों के लिए तथा दूसरा भाग अनारक्षित श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए रखा गया।



स्टेशनों पर टिकट के अतिरिक्त काउंटर संचालित किए गए, पीने का पानी, शौचालय और भोजन के लिए पर्याप्त सुविधा सुनिश्चित की गयी थी। मोबाइल शौचालय ब्लॉक बनाए गए। रेलवे स्टेशनों पर चिकित्सा/प्राथमिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गयी।

मनोरंजन/ इंफोटेनमेंट : स्थानीय उद्घोषणाओं और मनोरंजन के लिए ऑडियो कन्ट्रोल की स्थापना, छठ पूजा श्रद्धालुओं के लिए छठ से संबंधित फिल्मों और भक्ति गीतों के लिए LED वॉल। पंडाल में स्वचालित उद्घोषणाओ के लिए अतिरिक्त हॉर्न स्पीकर।



सुरक्षा व्यवस्था

स्टेशनों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था जिसमें अतिरिक्त आरपीएफ/ आरपीएसएफ कार्मिक, डॉग स्क्वॉड की तैनाती की गयी, सभी प्रवेश द्वारों पर बैगेज स्कैनर/मेटल डिटेक्टर, हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर, सभी प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा जवानों की तैनाती, एफओबी और प्लेटफार्मों पर मेगा माइक और नायलॉन की रस्सियां की व्यवस्था की गयी। अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए और गहन निगरानी रखी गई। बेहतर संचार के लिए सुरक्षा कर्मचारियों को अतिरिक्त वॉकी-टॉकी, लाउड हेलर, वीएचएफ सेट उपलब्ध कराए गए। रेल कर्मचारियों को अतिरिक्त चमकदार जैकेट उपलब्ध कराये गए। बम निरोधक दस्ते, यातायात व्यवस्था की व्यवस्था के लिए पुलिस के संबंधित डीसीपी के साथ समन्वय किया गया। अग्निशमन ट्रेनों की व्यवस्था के लिए अग्निशमन सेवा के निदेशक के साथ समन्वय किया गया।■

इरुत नरायन सक्सेना,
जनसम्पर्क अधिकारी, उत्तर रेलवे



बदलते भारत की बदलती तस्वीर

सुश्री जया वर्मा सिन्हा
पूर्व अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

विविधताओं से भरा अपना देश निराला है। अपने यहाँ, चीजों को अलग नजरिए से देखने की प्रशस्त परंपरा रही है। हमारे लिए गंगा और गोदावरी सिर्फ नदियों के नाम नहीं, जीवन दायिनी माँ के पर्यायी हैं। संगीत, कानों को सुख देने का सिर्फ साधन नहीं, सुरों की साधना का जरिया है। कुछ वैसे ही, हम देशवासियों के लिए, भारतीय रेल, महज एक अदद इंजन और डेढ़ दर्जन डिब्बों से लैस ट्रेन नहीं, घर परिवार से दूर जीविकार्जन कर रहे हमारे श्रमिकों, किसानों, जवानों और करोड़ों नागरिकों का अपने परिवारों और प्रियजनों से भावनात्मक रिश्तों को जोड़ता एक पुल है। पूरब से पश्चिम, और उत्तर से दक्षिण बिछी पटरियों पर सिर्फ हमारी ट्रेनें नहीं दौड़तीं- उनसे होकर रिश्तों के एहसास गुजरते हैं। विराट भारत देश की विविधताओं को अपने अंतर में समेटे, भारतीय रेल, भारत सरकार की प्रतिनिधि भी है, और देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतीक भी।

इन आकांक्षाओं की अग्नि परीक्षा हर साल त्योहारों के मौसम में होती है, जब परिवार से दूर जीवन यापन कर रहे करोड़ों देशवासी अपने घरों को लौटते हैं। महानगरों की गुमनामी भरी जिन्दगी में, साल भर की जी तोड़ मेहनत के बाद, अपनों से मिलने के अरमान लिए ये मेहनतकश एक विशाल समूह में निकल पड़ते हैं रेल के सफर पर। संख्या इतनी ज्यादा कि अगर आपने उस परिवेश में कभी काम ना किया हो, तो देखते ही हाथ-पाँव फूल जायें। और, अगर बात त्योहार और विशेष दिनों में उमड़ते जन-सैलाब की हो, तो सिर्फ रेल संचालन से बात नहीं बनती। आपको रेलवे स्टेशन पर आये लोगों के सुचारू रूप से ठहरने, टिकट खरीदने, जलपान आदि की भी पर्याप्त व्यवस्था करनी होती है। इसके लिए रेल अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग मिलता है। भारतीय रेल प्रशासन को करोड़ों की संख्या में आये यात्रियों को अपने गंतव्यों तक पहुँचने का कई दशकों का अनुभव है, पर अब सारी कोशिश इस अनुभव को क्रमशः सुखद बनाने की है।

अगर विदेशी मेहमानों से कभी इस विषय पर चर्चा हो, तो वे दांतों तले उँगलियाँ दबा लेते हैं। यातायात प्रबंधन की जानकारी रखने वाले कई साथी, यह सुनकर कि त्योहारों के दौरान रेलवे ने एक लाख सत्तर हजार ट्रेनों के फेरों के अलावा 7,700 विशेष ट्रेनों का संचालन किया, हैरत में पड़ जाते हैं। अब आप, सूरत के पास स्थित औद्योगिक शहर ऊधना को ही ले लीजिये- यहाँ के रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन औसतन सात-आठ हजार यात्रियों का आवागमन होता है- 4 नवंबर को इस छोटे से स्टेशन पर चालीस



हजार से ज्यादा की भीड़ उमड़ आयी। अगर, रेलवे प्रशासन ने एक टीम की तरह काम करते हुए उचित व्यवस्थाएँ न की होती, तो यात्रियों की परेशानी का अन्दाज लगाना भी मुश्किल होता। त्योहार के दौरान, देश भर में सबसे अधिक आवागमन नई दिल्ली स्टेशन से हुआ। इस अवधि में सिर्फ इस स्टेशन से, यात्रियों की माँग पर एक दिन में 64 स्पेशल और 19 अनारक्षित ट्रेनों का संचालन किया गया।



विदेशी मेहमानों से भरी एक सभा में जब त्योहारों में रेल यात्रा की चर्चा हुई, तो एक राजनयिक यह सुनकर दंग रह गये कि इस साल अकेले छठ महापर्व के पहले, 4 नवम्बर को, लगभग 3 करोड़ लोग ट्रेन से अपने गंतव्यों तक गये, और त्योहार के दिनों में तो रेलवे ने लगभग 25 करोड़ यात्रियों को यात्रा करने में मदद की। संबंधित राजनयिक ने, हल्की मुस्कान के साथ कहा कि पाकिस्तान की कुल आबादी से ज्यादा लोगों ने तो महज कुछ दिनों में ही आपकी ट्रेनों में यात्रा की!

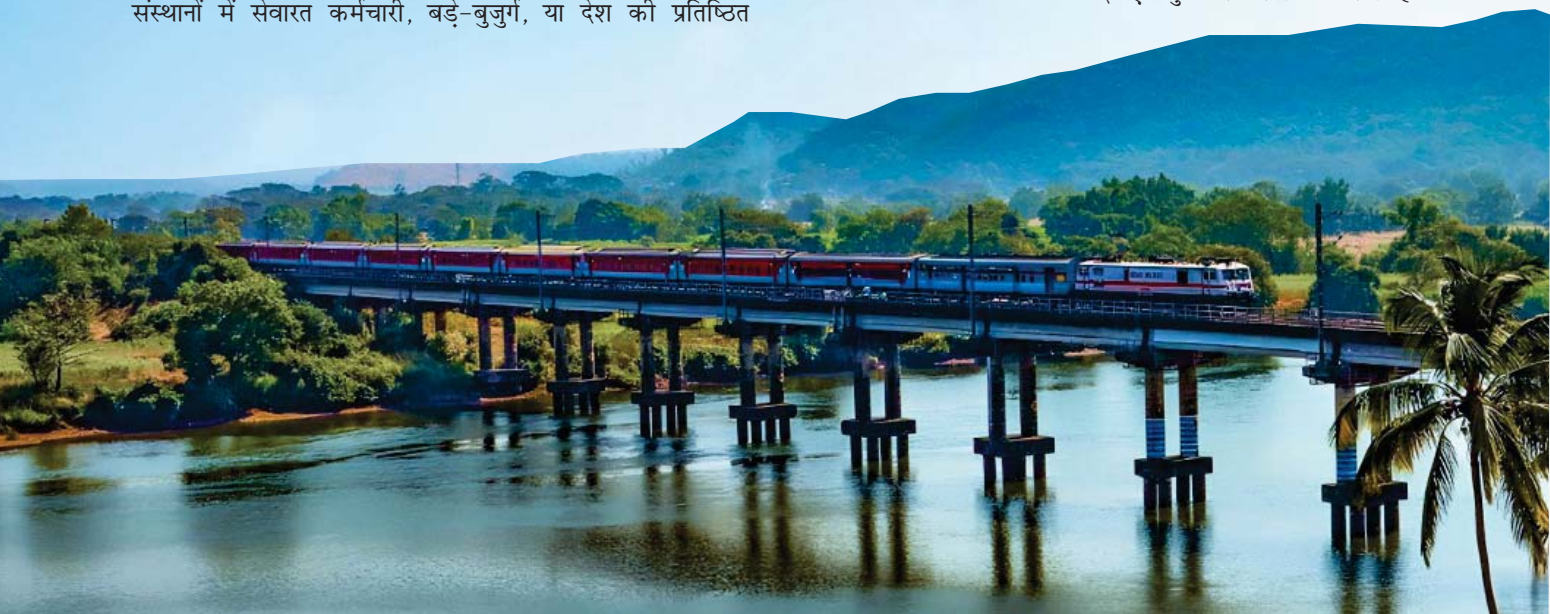
भारतीय रेल को यह एहसास है कि देश के पूर्वी हिस्सों से बड़ी संख्या में उद्योग केंद्रों में श्रम कर रहे हमारे इन भाई-बहनों का देश के निर्माण में अहम किरदार है। जम्मू की अटल टनल से लेकर मुंबई की सी-लिंक तक, और बेंगलुरु की आई-टी प्रतिष्ठानों से लेकर दिल्ली के निर्माणाधीन भवनों तक को, पूरब की मिट्टी में रचे बसे लोगों ने अपने हाथों से गढ़ा है। देश की सीमाओं पर तैनात फौज या सीमा सुरक्षा बल के जवान हों, पंजाब के खेतों में फसल उगा रहे मजदूर, सरकारी ऑफिसों तथा निजी संस्थानों में सेवारत कर्मचारी, बड़े-बुजुर्ग, या देश की प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों में पढ़ रहे विद्यार्थी, ये सब अपने अपने तरीकों से आज और आनेवाले कल के भारत को गढ़ रहे हैं।



भारतीय रेल भी आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस वन्दे भारत, अमृत भारत, नमो भारत जैसी ट्रेनों के लगातार विस्तार और देशभर में हजार से ज्यादा रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन में बदलकर एक नयी और विश्वस्तरीय यात्रा पर चल पड़ी है। बदलते भारत की बदलती तस्वीर भारतीय रेल के स्वरूप में अब उभरने लगी है।■



सुश्री जया वर्मा सिन्हा, भारतीय रेल की पहली महिला अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं।





मूर्त होती अजेय साझेदारी

ए. के. खंडेलवाल
पूर्व सदस्य, अवसंरचना, रेलवे बोर्ड

भारतीय रेल और पीएम गतिशक्ति-नेशनल मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) के बीच साझेदारी भारत के बुनियादी ढाँचे के विकास में मांग के अनुरूप परिवर्तनकारी (गेमचेंजर) भूमिका निभा रही है। इस एकीकृत दृष्टिकोण ने बुनियादी ढाँचे से जुड़े मंत्रालयों और क्षेत्रीय रेलवे के बीच समन्वय को उल्लेखनीय तरीके से बेहतर बनाया है, जिससे परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करने में तेजी आई है।

इस पहल ने परियोजनाओं के सर्वेक्षण को मंजूरी देने में आम तौर पर लगने वाले 4-5 महीनों के समय को घटा कर सात दिन कर दिया है। इससे पूरे रेलवे नेटवर्क की दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 458 परियोजनाओं के सर्वेक्षणों को मंजूरी दी गई, जबकि पहले यह संख्या लगभग 50 थी। जहाँ रेलवे ने ऐतिहासिक रूप से अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय किया है, वहीं पीएमजीएस के माध्यम से उन्नत डिजिटल प्लेटफार्मों एवं वास्तविक समय में निगरानी का लाभ उठाते हुए परिवहन के विभिन्न साधनों के एकीकरण ने देश के बुनियादी ढाँचे के इकोसिस्टम में क्रांति ला दी है।

पीएमजीएस का सबसे व्यापक प्रभाव विभागीय अवरोधों को तोड़ना है। परंपरागत रूप से सात अलग-अलग विभाग रेलवे के बुनियादी ढाँचे के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। परिणामस्वरूप अनावश्यक देरी और अक्षमताएं पैदा होती हैं। अंतरविभागीय संवाद को बढ़ावा देने और डिजिटल प्लेटफार्मों का लाभ उठाने से परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान करने में तेजी



आई है और नौकरशाही से जुड़ी अनावश्यक बाधाएं समाप्त हो गई हैं।

पीएमजीएस के कार्यान्वयन से योजना निर्माण में काफी सुधार आया है। पीएमजीएस के आने से पहले जहाँ प्रत्येक वर्ष 6-7 परियोजनाएँ ही स्वीकृत होती थीं, वहीं वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 73 परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। यह एक वित्त वर्ष में सर्वाधिक रिकॉर्ड है। कुल 5,309 कि.मी. नई लाइन, दोहरीकरण और गेज परिवर्तन की परियोजनाओं के पूरा होने के साथ परियोजनाओं के अंतिम रूप से कार्यान्वित होने का रिकॉर्ड भी काफी ऊपर पर पहुँच गया।



रेल विद्युतीकरण 7,188 रूट कि.मी. (आरकेएम) के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गया है और ट्रैक कमीशनिंग की गति 4 कि.मी. प्रति दिन से बढ़कर 15 कि.मी. प्रति दिन हो गई है। प्रभावी रूप से पीएमजीएस-एनएमपी कहां, क्या और कब की विस्तृत मैपिंग के माध्यम से बुनियादी ढाँचे की भविष्योन्मुखी योजनाएं बना रहा है। इसमें सामाजिक-आर्थिक बुनियादी ढाँचे, ट्रंक एवं उपयोगिता नेटवर्क, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, पर्यटन स्थल, भूमि राजस्व मानचित्र और वन सीमाओं से जुड़े सटीक एवं व्यापक आंकड़ों का समावेश है। ये जानकारियां परियोजनाओं के योजना निर्माण और कार्यान्वयन की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हैं।

सभी परियोजनाओं की जाँच (एनपीजी) नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप द्वारा की जाती है, जिसमे अतिरेक और निर्माण के बाद केबल/पाइप बिछाने के लिए नई बनी सड़कों को तोड़ने जैसी स्थितियों से बचते हुए समन्वित योजना निर्माण हेतु बुनियादी ढाँचे से संबंधित सभी मंत्रालय शामिल हैं। उदाहरण के लिए हाउसिंग सोसाईटियां अब निवासियों के आने से पहले सीवेज, बिजली तथा अन्य सुविधाओं से लैस होंगी और कार्रवाई के लिए शिकायतों के आने का इंतजार नहीं किया जाएगा। मांगों के बढ़ने से पहले ही विस्तारित हो रहे उपनगरों के पास स्थित गोदामों को समय पर सड़क कनेक्टिविटी मिलेगी और विस्तार के दौर से गुजर रहे बंदरगाहों को पर्याप्त रेलवे निकासी और मल्टीमॉडल लिंक का लाभ मिलेगा।

योजना निर्माण की इस कुशल क्षमता को भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लिकेशन एंड जियो-इंफॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी-एन) द्वारा समर्थित किया गया है, जिसने पीएमजीएस-एनएमपी को विकसित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गतिशक्ति की सफलता का महत्त्वपूर्ण पहलू बुनियादी ढाँचे की उन प्रमुख परियोजनाओं को प्राथमिकता देने में निहित है, जिनका कनेक्टिविटी, दक्षता और लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने पर अधिकतम प्रभाव पड़ेगा। रेलवे अब शुरुआती और अंतिम छोर तक की कनेक्टिविटी के लिए आर्थिक केंद्र, खदानें, बिजली संयंत्र और लॉजिस्टिक्स हब जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान कर सकता है और मांग से पहले माल ढुलाई गलियारे एवं बंदरगाह कनेक्टिविटी



परियोजनाओं की योजना बना सकता है। भारत में आर्थिक विकास को गति देने तथा व्यापार करना और अधिक आसान बनाने की क्षमता के आधार पर इस बुनियादी ढाँचे को प्राथमिकता दी गई है।



कुल 16 क्षेत्रीय रेलवे के सभी 68 मंडलों के बीच बेहतर सहयोग के माध्यम से होने वाला सुधार स्पष्ट दिखाई देता है। गतिशक्ति के आने से पहले प्रत्येक क्षेत्रीय रेलवे व विभाग एक हद तक अलग-थलग रूप से संचालित होते थे। इससे देरी, अक्षमताएं और समन्वय की कमी की समस्याएं पैदा होती थीं। पीएमजीएस-एनएमपी के माध्यम से डिजिटल इंटरफेस की शुरुआत ने क्रॉस-क्षेत्रीय रेलवे सहयोग का एक एकीकृत मंच प्रदान किया, जिससे समस्याओं



का त्वरित समाधान और परियोजनाओं का सुचारु कार्यान्वन संभव हुआ। हालाकि मैं पीएमजीएस और भारतीय रेल, दोनों को सचेत करना चाहूंगा। जहाँ सचिन और सौरव ने क्रिकेट के मैदान पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, वहीं राजनीतिक क्षेत्र में उन्हें चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वैसे ही, पीएमजीएस की शक्ति और रेलवे के दृढ़ संकल्प को वैसी राजनीतिक परियोजनाओं से कमजोर नहीं पड़ने दिया जाना चाहिए जिनमें दीर्घकालिक लाभ का अभाव हो क्योंकि भारत जल्द ही अपनी आजादी के सौ वर्ष पूरा करने वाला है।■

(लेखक : इंफ्रास्ट्रक्चर रेलवे बोर्ड के पूर्व सदस्य हैं। विचार निजी है)

रेल पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

रेल मंत्रालय द्वारा
विगत 68 वर्षों से भी
अधिक समय से प्रकाशित मासिक पत्रिकाओं

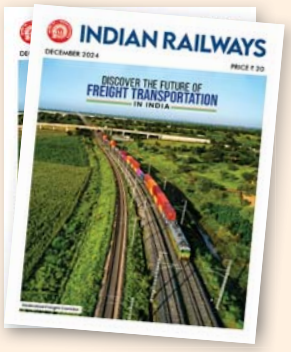
अब
ई-पत्रिका
भी उपलब्ध



भारतीय रेल
(हिन्दी)

की सदस्यता अब
ऑनलाइन
भी उपलब्ध

विज़िट करें



Indian Railways
(English)

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

दरें एवं शर्तें लागू

साफ सुधरे बेडरोल से सुखद बन रही भारतीय रेल में यात्रा



नई दिल्ली : भारतीय रेल यात्रियों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए अपने नेटवर्क में सफाई और स्वच्छता को महत्त्वपूर्ण प्राथमिकता देती है। इसके तहत, रेलवे प्रशासन एसी कोचों में स्वच्छ बेडरोल और कंबल की आपूर्ति सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, यह सुनिश्चित किया जाता है कि पूरे रेलवे नेटवर्क में सफाई के उच्च मानक बनाए जाएं, ताकि देशभर में रोज यात्रा करने वाले लाखों यात्रियों की स्वच्छता की जरूरतें पूरी हो सकें।

स्वच्छ यात्रा की ओर एक कदम

भारतीय रेल के एसी कोचों में यात्रियों को आमतौर पर दो सफेद चादरें, एक तकिया कवर, एक फेस टॉवल और एक ऊनी कंबल दिया जाता है। इन सभी की सफाई के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए इन्हें नियमित रूप से धोया और बदला जाता है। उदाहरण के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर), उत्तर रेलवे और दक्षिणी रेलवे जैसे क्षेत्रों में सफाई और रखरखाव के लिए हाईटेक क्लीनिंग सिस्टम अपनाया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर यात्री को स्वच्छ और साफ बेडरोल मिले।

दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) जैसे क्षेत्रों में, प्रतिदिन 116 ट्रेनों में स्वच्छ बेडरोल वितरित किए जाते हैं, जिसमें 38,000 ऊनी कंबल और 1,52,000 बेडरोल शामिल होते हैं। इस व्यवस्था को सफलतापूर्वक चलाने के लिए एससीआर ने कई स्थानों पर मशीनीकृत लॉन्ड्री स्थापित की है, जिससे निरंतर स्वच्छ लिनन की आपूर्ति सुनिश्चित होती है। ये लॉन्ड्री सिकंदराबाद, तिरुपति, काकीनाडा, विजयवाड़ा, नांदेड़ और काचीगुडा में संचालित हैं। भविष्य में इस प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित करने की योजना है।



कड़ी निगरानी में मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री से बेडरोल की सफाई

स्वच्छ बेडरोल की आपूर्ति मशीनीकृत लॉन्ड्री से की जाती है, जो लिनन की उच्च गुणवत्ता बनाए रखने में मदद करती है। उदाहरण के लिए, एससीआर में 7 स्थानों पर मशीनीकृत लॉन्ड्री हैं, जो हर उपयोग के बाद चादरों को धोने का काम करती हैं। पहले जहाँ ऊनी कंबल हर तीन महीने में धोए जाते थे, वहीं अब यह समय घटाकर अब महीने में कम से कम एक बार अनिवार्य कर दिया गया है। इसके साथ ही 15 दिन में डिसइंफेक्ट भी किया जाता है। इसके अलावा प्रत्येक यात्री को दो चादरें दी जाती हैं, जिनमें से एक कंबल के कवर के रूप में इस्तेमाल होती है।

दक्षिण रेलवे ने भी सफाई के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए मशीनीकृत लॉन्ड्री के लिए BOOT (बिल्ड, ओन, ऑपरेट, ट्रांसफर) मॉडल अपनाया है। बेसिन ब्रिज और कोचुवेली जैसी लॉन्ड्री उच्च क्षमता वाली मशीनों के साथ काम करती हैं, जो प्रतिदिन 23,000 से अधिक लिनन सेट की आपूर्ति करती हैं।

उत्तर रेलवे ने कंबल की सफाई के लिए पराबैंगनी (यूवी) कीटाणुशोधन की शुरुआत की है, जिससे सफाई के स्तर में और सुधार हुआ है। उदाहरण के लिए, नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ राजधानी में कंबलों को हर राउंड ट्रिप के बाद यूवी कीटाणुशोधन किया जाता है, जिससे 99.7% तक स्वच्छता सुनिश्चित होती है।



बेहतर गुणवत्ता के लिनन उपलब्ध करना उद्देश्य

लिनन की खरीद प्रक्रिया को इस तरह से तैयार किया गया है कि केवल उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद ही चुने जाएं। सभी नए लिनन सेट भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) के कड़े मानकों को पूरा करते हैं, ताकि उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा, लिनन को धोने के लिए विशेष मशीनें और प्रमाणित रसायन का उपयोग किया जाता है, ताकि सफाई में कोई कमी न हो।

धुले हुए लिनन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए धुलाई प्रक्रिया की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाती है और रेलवे अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जाँच की जाती है। चादरों और अन्य लिनन की सफाई की जाँच के लिए वाइटो मीटर लगाए जाते हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यात्रियों को हमेशा स्वच्छ बेडरोल मिले।



बेडरोल संबंधित शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई

पीक सीजन या विशेष ट्रेनों के दौरान भी भारतीय रेल यह सुनिश्चित करता है कि सभी यात्रियों को बेडरोल उपलब्ध हो। अब आरएसी टिकट धारकों को भी बेडरोल दिया जा रहा है, ताकि हर यात्री को उनकी टिकट की स्थिति की परवाह किए बिना समान आराम और स्वच्छता मिल सके।



स्वच्छता की प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेल ने शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए मंडल मुख्यालयों और मंडल स्तर पर 'वॉर रूम' स्थापित किए हैं। ये वॉर रूम रेल मदद पोर्टल की निगरानी करते हैं, जहाँ यात्री अपनी शिकायतें दर्ज कर सकते हैं। किसी भी समस्या को जल्दी हल करने के लिए त्वरित कदम उठाए जाते हैं।



हर यात्री की यात्रा सुखद रहे.. हमें है ख्याल

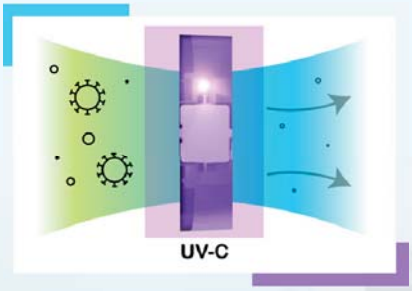
भारतीय रेल यात्रियों को स्वच्छ बेडरोल मुहैया कराने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। लिनन की धुलाई, वाइटो मीटर से जाँच, कंबलों की धुलाई, यूवी कीटाणुशोधन और सीसीटीवी निगरानी के जरिए यह सुनिश्चित किया जाता है कि हर यात्री को एक आरामदायक और स्वच्छ यात्रा का अनुभव मिले।

अंततः, भारतीय रेल का लक्ष्य यही है कि हर यात्री की यात्रा सुखद और आरामदायक हो, और स्वच्छता के हर मानक को पूरा किया जाए।■

UV-C कीटाणुशोधन के उपयोग से कंबल स्टेरिलाइज़ेशन

UV-C (अल्ट्रावायलेट-C) क्या है?

UV-C (अल्ट्रावायलेट-C) एक ऐसी तकनीक है, जिसका उपयोग पानी, हवा और मेडिकल उपकरणों को डिसइंफेक्ट करने के लिए किया जाता है। इसकी लाइट 100 & 280nm वेवलेंथ की होती है, जो बैक्टीरिया को मारकर उन्हें रेप्लिकेट होने से रोकती है।

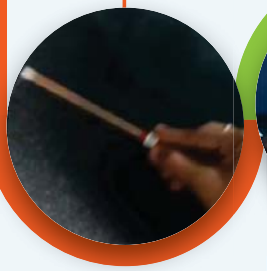


ट्रेन के कंबलों के लिए UV-C क्यों ?

UV-C एक ऐसा तरीका है, जो बिना नुकसान पहुँचाए रेल कंबलों और अन्य लिनन को डिसइंफेक्ट करता है। इस तकनीक से कंबल पूरी तरह से साफ और सुरक्षित बनाए जा सकते हैं।

UV-C प्रक्रिया के चरण

1. उपयोग किए गए कंबलों की पहचान की गई और अलग-अलग सेक्शन्स से सैंपल लिए गए। इन सैंपल्स को स्टेराइल कंटेनर में सील किया गया।



2. एक तरीका यह था कि UV-C रोबोटिक आर्म को सीटों के बीच में रखा गया, जिससे UV-C लाइट सभी सीटिंग एरिया और कंबलों को पूरी तरह से डिसइंफेक्ट कर सकें।



3. दूसरा तरीका यह था कि कंबलों को फैलाकर UV लाइट के संपर्क में लाया गया ताकि वे अधिक एक्सपोज हो सकें।



4. UV-C डिसइंफेक्शन के बाद, उसी स्थानों से फिर से स्वैब सैंपल लिए गए जहाँ से पहले सैंपल लिए गए थे, ताकि इस विधि का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सके।



5. स्टेरिलाइज़ेशन के बाद डेटा दिखाता है कि UV-C से साफ किए गए कंबलों में 1% से भी कम बैक्टीरिया बचते हैं।



महाकुंभ 2025
रेल प्रशासन की मेला प्राधिकरण के साथ बैठक



दिनांक 28 नवम्बर, 2024 को आगामी महाकुंभ-2025 की तैयारी की दृष्टिगत महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे, श्री उपेंद्र चंद्र जोशी की अध्यक्षता में मंडलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत की उपस्थिति में मेला प्राधिकरण के सभागार में रेल प्रशासन, जिला एवं पुलिस प्रशासन, मेला प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पीडब्ल्यूडी, सेतु निगम सहित सभी संबंधित विभागों के मध्य समन्वय बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक में महानिरीक्षक/रेलवे सुरक्षा बल, श्री ए एन सिंह; मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज मंडल श्री हिमांशु बडोनी, कुम्भ मेलाधिकारी श्री विजय किरन आनंद, जिलाधिकारी श्री रविंद्र कुमार मांदड़; अपर मंडल रेल प्रबंधक सामान्य प्रशाव, श्री संजय सिंह सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इस बैठक में रोड ओवर ब्रिज, रोड अंडर ब्रिज के कार्यों, स्टेशन के अंदर के इंटरनल मूवमेंट प्लान एवं संगम क्षेत्र से प्रयागराज क्षेत्र के सभी स्टेशनों तक आवागमन हेतु निर्धारित एक्सटर्नल मूवमेंट प्लान पर चर्चा की गई। बैठक में के दौरान रेल एवं जिला प्रशासन के द्वारा सुरक्षा तैयारी के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। रेलवे एवं अन्य विभागों द्वारा गैप एनालिसिस के दौरान दिए गए सुझाव पर किए गए कार्यों की प्रगति पर भी चर्चा की गई। इसी क्रम में रेलवे स्टेशनों के विकास कार्य, महाकुंभ के दौरान चलाई जाने वाली विशेष ट्रेनों, कुंभ से जुड़े सभी स्टेशनों एवं आईसीसीसी के मध्य संचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर चर्चा की गई। किसी भी प्रकार की आपात स्थिति के दौरान रेलवे एवं जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त बचाव कार्यों के मापदंडों का भी निर्धारण किया गया।

बैठक के दौरान रेलवे ट्रैक की सुरक्षा को लेकर भी सिविल पुलिस के साथ चर्चा की गई। कुंभ मेले के दौरान ट्रैक की सुरक्षा को गंभीरता से लिया जाएगा और सिविल पुलिस के साथ मिलकर ट्रैक की निगरानी निरंतर की जाएगी। ट्रैक की सुरक्षा हेतु रेलवे द्वारा इस बार ड्रोन कैमरा का भी प्रयोग किया जाएगा। यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भी मेला प्राधिकरण एवं सिविल पुलिस के साथ विचार विमर्श किया गया। बैठक के दौरान स्टेशन एरिया के निकट उन स्थानों को चिन्हित करना जहाँ से यात्री ट्रैक के माध्यम से स्टेशनों पर आ सकते उन्हें चिन्हित किये जाने और उन्हें पूर्ण रूप से बंद किए जाएंगे।■

महाकुंभ 2025 : प्रयागराज में नवनिर्मित नियंत्रण कार्यालय का शुभारंभ

दिनांक 28 नवम्बर, 2024 को महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे, श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने महाकुंभ-2025 की तैयारी की श्रृंखला में दुनिया की सबसे अधिक भीड़ को नियंत्रित करने प्रयागराज मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में नवनिर्मित नियंत्रण कार्यालय का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, श्री हिमांशु बडोनी भी उपस्थित थे।

महाकुंभ नियंत्रण वार रूम में एक बड़े स्क्रीन पर 8 डिस्प्ले लगाए गए हैं। इन 8 डिस्प्ले में एक ही साथ एक समय पर आठ जगह के लाइव भीड़ को देखकर दिशा निर्देश जारी किया जा सकता है। इन आठ डिस्प्ले पर एक ही साथ आठ अलग-अलग मोमेंट किया जा सकते हैं। बोर्ड नियंत्रक के लिए स्टेशनों के डिस्प्ले बोर्ड लगाए गए हैं जिस पर किस स्टेशन पर क्या मूवमेंट हो रहा है इसे एक साथ लाइव देखा जा सकता है। लाइव डिस्प्ले में डीएफओआईएस से डीएफसी में चलने वाली मालगाड़ियों की लाइव लोकेशन ली जा सकती है और ब्लॉक सेक्शन में फेलियर



या अवरोध को भी देखा जा सकता है। आधुनिक तकनीकी से सुसज्जित यह नियंत्रण कार्यालय किसी भी आपात स्थिति से निपटने में कारगर है। आधुनिक नियंत्रण कार्यालय के उपयोग से महाकुंभ में आने वाली भीड़ को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया जा सकेगा।■

महाकुंभ 2025
IRCTC ने लॉन्च किया 'महाकुंभ ग्राम, टेंट सिटी'

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IRCTC), भारत सरकार की मिनीरत्न 'ए' श्रेणी की पीएसयू और भारतीय रेल की प्रोफेशनल ट्रैवल और टूरिज्म शाखा, महाकुंभ 2025 के अवसर पर प्रयागराज में 'महाकुंभ ग्राम, IRCTC टेंट सिटी' विकसित करने जा रही है। यह टेंट सिटी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अनुभव का एक अनोखा संगम होगी।

IRCTC के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री संजय कुमार जैन ने कहा, 'महाकुंभ ग्राम, IRCTC टेंट सिटी प्रयागराज, तीर्थयात्रा और पर्यटन के क्षेत्र में एक नई पहचान होगी। यह लग्जरी आवास और सांस्कृतिक अनुभव को भारत की आध्यात्मिक विविधता के साथ जोड़कर एक अनोखा अनुभव प्रदान करेगा। हमारा उद्देश्य हर अतिथि को आरामदायक और समृद्ध अनुभव देना है।'

IRCTC को बड़े स्तर पर तीर्थ पर्यटन और देशव्यापी रेलवे नेटवर्क पर हॉस्पिटैलिटी सेवाओं का गहरा अनुभव है। अब तक IRCTC ने 'आस्था' और 'भारत गौरव ट्रेन' में 6.5 लाख से अधिक यात्रियों को सफलतापूर्वक सेवाएं दी हैं। यह अनुभव महाकुंभ ग्राम को एक बेमिसाल सांस्कृतिक और आध्यात्मिक डेस्टिनेशन बनाने में मदद करेगा।

महाकुंभ ग्राम टेंट सिटी को डायरेक्ट बुकिंग और IRCTC टूर पैकेज, भारत गौरव ट्रेनों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा।

IRCTC के डायरेक्टर (टूरिज्म और मार्केटिंग) श्री राहुल हिमालयन ने कहा, 'महाकुंभ ग्राम टेंट सिटी प्रयागराज में डीलक्स और प्रीमियम कैम्प्स आधुनिक सुविधाओं के साथ उपलब्ध होंगे। यह टेंट्स मेहमानों को आध्यात्मिक माहौल में एक प्रीमियम अनुभव प्रदान करेंगे।'

महाकुंभ ग्राम, IRCTC टेंट सिटी प्रयागराज की मुख्य विशेषताएं :

- डीलक्स टेंट्स-आरामदायक बेडरूम, आधुनिक सुविधाओं वाले बाथरूम, गर्म पानी की सुविधा।
- प्रीमियम टेंट्स-अतिरिक्त रूप से एसी, LED टीवी के साथ लाइव इवेंट्स स्ट्रीमिंग।
- राउंड द क्लॉक सिक्योरिटी और फायर-रेसिस्टेंट टेंट्स।
- आरामदायक डाइनिंग हॉल में बफे कैटरिंग सर्विस।
- राउंड द क्लॉक मेडिकल सपोर्ट।
- दर्शनीय स्थलों और स्नान क्षेत्रों के लिए शटल सर्विस।
- इको-फ्रेंडली बैटरी ऑपरेटेड काट्र्स।
- डेली कल्चरल परफॉर्मेंस और सेलेब्रिटीज के स्पिरिचुअल डिस्कोर्स।



- योग/स्पा/बाइकिंग की सुविधा।
- रिवर बैंक के पास इनहाउस गेस्ट्स के लिए एग्जीक्यूटिव लाउंज, ईटरीज और वॉशरूम।
- राउंड द क्लॉक रिसेप्शन।
- कोई हिडन कॉस्ट नहीं।

बुकिंग और संपर्क जानकारी

टैरिफ की शुरुआत ₹6000/- (प्लस टैक्स) प्रति व्यक्ति प्रति रात से होती है, डबल ऑक्यूपेंसी पर, जिसमें ब्रेकफास्ट शामिल है। अर्ली बर्ड और ग्रुप डिस्काउंट्स उपलब्ध हैं। कैंसिलेशन पर ग्रेडेड रिफंड। ट्रेड एंक्वायरी भी आमंत्रित हैं।

महाकुंभ ग्राम, IRCTC टेंट सिटी प्रयागराज के बारे में अधिक जानकारी के लिए और बुकिंग करने के लिए विजिट करें :

वेबसाइट
www.irctctourism.com

कस्टमर सपोर्ट (वॉइस)
1800110139

व्हाट्सएप
(सिर्फ मैसेज 'Mahakumbh IRCTC')

मोबाइल नं.
+91-8287930739, +91-8595931047, +91-807602523

नए पंबन पुल पर सफल रहा उच्च गति परीक्षण



रेल संरक्षा आयुक्त, दक्षिणी सर्कल, बेंगलुरु, श्री एएम चौधरी ने दिनांक 14 नवंबर, 2024 को मदुरै मंडल में नवनिर्मित पंबन पुल सहित पंबन और मंडपम् स्टेशनों के बीच नई बिछाई गई ब्रॉड गेज लाइन का वैधानिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान, पाक जलडमरू मध्य के पार पंबन और मंडपम् के बीच ब्रॉड गेज लाइन के साथ ऊर्ध्वाधर लिफ्ट गर्डर स्पैन ब्रिज का निरीक्षण अधिकारियों को प्रदर्शन किया गया था। नवनिर्मित पंबन पुल नवनिर्मित वर्टिकल लिफ्ट गर्डर स्पैन के सफल प्रदर्शन का रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा निरीक्षण किया गया था। नए पंबन ब्रिज के वर्टिकल लिफ्ट गर्डर स्पैन को एक इंजीनियरिंग चमत्कार माना जाता है, जो सुरक्षित और कुशल रेल और समुद्री यातायात सुनिश्चित करता है।

निरीक्षण के बाद, श्री चौधरी ने पंबन और मंडपम् के बीच नई बिछाई गई ब्रॉड गेज लाइन में एक हाई-स्पीड ट्रायल रन भी किया और ट्रेन ने इस खंड पर 90 किमी प्रति घंटे और पुल पर 80 किमी प्रति घंटे की गति हासिल की।■

भारतीय रेल से सफर हो रहा और भी सुहाना

स्मार्ट यात्रियों के लिए स्मार्ट सुविधाएँ

राह हुई आसान हर किसी की

396 रेलवे स्टेशन

पर

1,489 एस्केलेटर इंस्टॉल

आपकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

1,051 रेलवे स्टेशन

हुए

CCTV कैमरे से लैस

दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाओं के साथ

592 रेलवे स्टेशन

पर

1,549 लिफ्ट इंस्टॉल

चलते-फिरते जुड़े रहें

WiFi कनेक्टेड

6,112 रेलवे स्टेशन



क्षेत्रीय रेल एवं उत्पादन इकाइयों के समाचार



श्री नरेश पाल सिंह ने बनारस रेल इंजन कारखाना में महाप्रबंधक का कार्य भार ग्रहण किया

भारतीय रेल के वर्ष 1988 बैच आईआरएसईई के अनुभवी अधिकारी एवं आईआईटी, रुड़की, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग वर्ष 1987 के पूर्व छात्र श्री नरेश पाल सिंह ने रेलवे के कई प्रमुख पदों पर अपनी सेवा देते हुए असाधारण उपलब्धियां हासिल की है। अपने लंबे कैरियर में श्री सिंह ने मध्य रेलवे के मंडलों में विभिन्न क्षमताओं जैसे लोको शेड, लोको ऑपरेशन, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सामान्य सेवाएं आदि में कार्य किया है। बरेका में कार्य भार ग्रहण करने से पूर्व, वे दिनांक 1 सितम्बर, 2022 से मध्य रेल, मुंबई में प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर के रूप में कार्यरत थे।■



श्री एस एस मिश्र ने रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला के महाप्रबंधक का पदभार संभाला

दिनांक 27 नवम्बर, 2024 को श्री एस एस मिश्र ने रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला के महाप्रबंधक का पदभार संभाल लिया है।

आईआईटी चेन्नई से मैकेनिकल इंजीनियरिंग और प्रबंधन में स्नातकोत्तर, श्री मिश्र भारतीय रेल मैकेनिकल इंजीनियर्स सेवा (आईआरएसएमई) के 1988 बैच के अधिकारी हैं। इस नियुक्ति से पहले, वह सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नई में प्रिंसिपल चीफ मैकेनिकल इंजीनियर के पद पर तैनात थे। श्री मिश्र ने भारतीय रेल में 36 साल से अधिक की सेवा की है।■

इरिसेट ने मनाया अपना 67वां वार्षिक दिवस

भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियरिंग और दूरसंचार संस्थान (इरिसेट) ने दिनांक 24 नवंबर, 2024 को अपना 67वां वार्षिक दिवस मनाया। सिग्नलिंग और दूरसंचार प्रशिक्षण में विशेषज्ञता वाले इरिसेट ने इस वर्ष 221 पाठ्यक्रमों के माध्यम से रिकॉर्ड 5,195 कर्मियों को प्रशिक्षित किया और 74,800 प्रशिक्षु दिवस प्राप्त किए। क्षमता निर्माण आयोग द्वारा 'उत्कृष्ट' संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त यह कवच, राष्ट्रीय स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली पर प्रमुख प्रशिक्षण प्रदान करता है, और इलेक्ट्रिक लोको शेड पर्यवेक्षकों और यांत्रिक अधिकारियों सहित नए प्रशिक्षु समूहों तक अपनी पहुँच का विस्तार करता है।

संस्थान ने आईआईटी मद्रास के सहयोग से इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, आईपी-एमपीएलएस, एलटीई और 5जी जैसी तकनीकों पर उन्नत कार्यक्रम शुरू किए। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने कवच के लिए एक समान ब्रेकिंग एल्गोरिदम और अनुरूप प्रशिक्षण सामग्री जैसे प्रमुख समाधान विकसित किए। इरिसेट ने रेलवे सिग्नलिंग पर ऐच्छिक पेशकश करने के लिए विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए और वरिष्ठ अधिकारियों और इंजीनियरिंग संकाय के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया।



आयोजन के दौरान, नेताओं ने अपस्किलिंग, स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास और नवाचार पर जोर दिया। आईआईटी मद्रास के डॉ. राधा कृष्ण गंती ने एआई-संचालित शिक्षा की वकालत की, जबकि दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन ने कार्यबल को बहु-कौशल और बढ़ी हुई सुरक्षा पर जोर दिया। यह कार्यक्रम पुरस्कार वितरण, एक तकनीकी कार्यशाला और एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ, जिसमें रेलवे संचालन के आधुनिकीकरण के लिए इरिसेट की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया।■

रेल कर्मी को मिला संगीत नाटक अकादमी का युवा संगीत पुरस्कार



दिनांक 22 नवम्बर, 2024 को संगीत नाटक अकादमी द्वारा अम्बेडकर भवन में उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा संगीत पुरस्कार से डॉ. समित मल्लिक को सम्मानित किया गया। यह उल्लेखनीय है कि प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार संगीत नाटक अकादमी द्वारा 40 वर्ष से कम आयु के उत्कृष्ट कलाकारों को दिया जाता है।

डॉ. समित मल्लिक एक प्रसिद्ध भारतीय शास्त्रीय गायक हैं जो ध्रुपद परंपरा में विशेषज्ञता रखते हैं। ध्रुपद हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के सबसे पुराने और सबसे सम्मानित रूपों में से एक है, जो अपने ध्यानात्मक और आध्यात्मिक सार के लिए जाना जाता है। डॉ. मल्लिक दरभंगा घराने से आते हैं, जो ध्रुपद में एक प्रमुख वंश है। वह अपनी समृद्ध और गतिशील आवाज, जटिल लय (लयाकारी) पर महारत, और अलंकारों (संगीत के आभूषण) पर अपने अधिकार के लिए प्रसिद्ध हैं। वह अपने घराने की 13वीं पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। डॉ. समित मल्लिक वर्तमान में उत्तर रेलवे मुख्यालय में ओएस के रूप में कार्यरत हैं।■

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष ने महाप्रबंधक दक्षिण रेलवे के साथ बैठक की



तमिलनाडु राज्य के राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष श्री एम. वेंकटेशन ने सफाई कर्मचारियों के कल्याण और विकास के लिए विभिन्न पहलों पर चर्चा करने के लिए दिनांक 19 नवंबर, 2024 को दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक श्री आरएन सिंह से मुलाकात की। बैठक के दौरान अध्यक्ष ने विभिन्न सफाई अनुबंधों के तहत अनुबंधित कर्मचारियों की तैनाती के संबंध में विभिन्न महत्त्वपूर्ण नीतिगत दिशानिर्देशों पर चर्चा की।■

आरेडिका का हरित ऊर्जा के विकास की दिशा में एक कदम



आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में दिनांक 25 अक्टूबर, 2024 को आरेडिका के विद्युत विभाग के द्वारा प्रशासनिक भवन, तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र एवं जीएम कैम्प ऑफिस की छत पर 635 किलोवाट के सोलर पैनल की स्थापना की गई। इस नवनिर्मित रूफटॉप सोलर पैनल का उद्घाटन महाप्रबंधाक, प्रशान्त कुमार मिश्रा द्वारा उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।■

पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक ने सुरक्षा बुलेटिन जारी किया

दिनांक 29 अक्टूबर, 2024 को पूर्व रेलवे के मुख्यालय फेयरली प्लेस में एक बैठक में, पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर ने सुरक्षा बुलेटिन 'संरक्षा पुनरुध्दार' जुलाई-सितंबर 2024 संस्करण का विमोचन किया। पूर्व रेलवे सुरक्षा बुलेटिन के इस संस्करण में पूर्व रेलवे के सुरक्षा पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसमें सुरक्षा सावधानियों के साथ तकनीकी लेखों और नवाचारों से अमूल्य सीख शामिल है।■



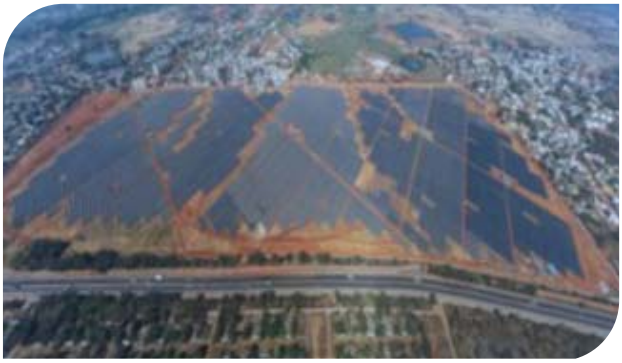
पश्चिम रेलवे आरपीएफ डॉग स्क्वायड टीम ने 17वीं अखिल भारतीय आरपीएफ डॉग प्रतियोगिता 2024 में प्राप्त किया प्रथम स्थान

पश्चिम रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (RPF) डॉग स्क्वायड ने उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज में आयोजित प्रतिष्ठित 17वीं अखिल भारतीय रेल सुरक्षा बल डॉग प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ डॉग टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा में पश्चिम रेलवे के आरपीएफ डॉग स्क्वायड ने विभिन्न श्रेणियों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए अंततः खिताब हासिल किया। पश्चिम रेलवे सुरक्षा बल के दस्ते की ओर से मुंबई सेंट्रल मंडल से विस्फोटक खोजी डॉग 'वेरो' और ट्रैकर डॉग 'वर्नर' और वडोदरा मंडल से नारकोटिक्स खोजी डॉग 'इंच' ने प्रतियोगिता में भाग लिया। वडोदरा मंडल के 'इंच' ने कांस्य पदक भी जीता और तीसरा स्थान हासिल किया।



राष्ट्रीय स्तर पर हाल ही में मिली जीत डॉग और उनके संचालकों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का प्रमाण है। पश्चिम रेलवे आरपीएफ डॉग स्क्वायड नियमित गश्त, तोड़फोड़ विरोधी निरीक्षण और अन्य सुरक्षा कर्तव्यों में भाग लेकर पश्चिम रेलवे परिसर और यात्रियों की सुरक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उनका निरंतर प्रशिक्षण और तत्परता संभावित खतरों को रोकने और लाखों यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने में सहायक है।■

भारतीय रेल का सबसे बड़ा सोलर प्लांट दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने भिलाई में स्थापित किया

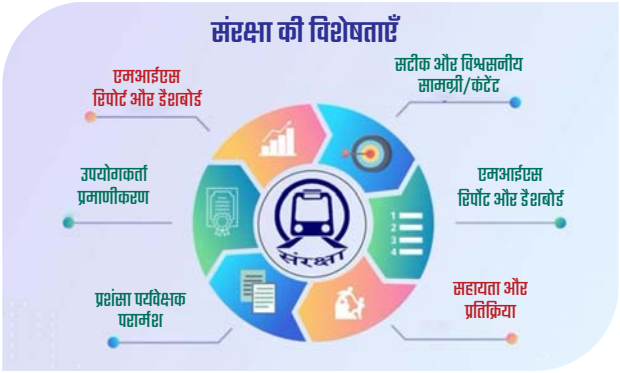


दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में बिलासपुर, रायपुर और नागपुर मंडल हैं जो सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना करके, ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता (ईसीबीसी) मानदंडों का अनुपालन करते हुए नई इमारतों का निर्माण करके हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वित्त वर्ष 2010-11 में 5 किलोवाट प्लांट के प्रावधान के साथ शुरुआत की और अब तक 5451 किलोवाट रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित किए हैं । ये प्लांट प्रति माह 3.8 लाख यूनिट बिजली पैदा कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप प्रति माह ₹10.1 लाख की बचत हो रही है, जो प्रति माह 315.2 टन CO_2 फुटप्रिंट की कमी के बराबर है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने भिलाई में भारतीय रेल का सबसे बड़ा सोलर प्लांट स्थापित किया है, जिसकी क्षमता 50 मेगावाट है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 24 फरवरी, 2024 को इस प्लांट को राष्ट्र को समर्पित किया था। उत्पादित सौर ऊर्जा को सीधे 220 केवी पी.जी.सी.आई.एल. सबस्टेशन (कुम्हारी में) में भेजा जाता है और ट्रैक्शन उपयोग के लिए उत्तर पूर्व रेलवे (उत्तर प्रदेश) और दक्षिण पश्चिम रेलवे (कर्नाटक) को भेजा जाता है। यह प्लांट प्रति माह 69.6 लाख यूनिट बिजली पैदा कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप ₹139.1 लाख की बचत हो रही है और प्रति माह 5690.5 टन CO_2 उत्सर्जन में कमी आ रही है। इसके अलावा, ₹34.6 करोड़ की अनुमानित लागत से 7.8 मेगावाट के सौर संयंत्रों की स्थापना के लिए कार्य स्वीकृति के अग्रिम चरण में हैं। इसका उद्देश्य राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए सौर ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए उपलब्ध स्थान के हर इंच का उपयोग करना है।■

भारतीय रेल
पत्रिका

अब
राष्ट्रीय रेल संग्रहालय
चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में भी उपलब्ध है

भारतीय रेल ने संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लांच किया



भारतीय रेल ने दिनांक 28 नवम्बर, 2024 को पूरे देश में संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लांच करके यात्री संरक्षा की दिशा में एक और कदम उठाया। इस एप्लीकेशन का उद्देश्य भारतीय रेल के फ्रंटलाइन संरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के माध्यम से रेल संरक्षा में सुधार करना है। रेलवे बोर्ड के सदस्य परिचालन और व्यवसाय विकास श्री रविंदर गोयल ने सभी मंडल रेल प्रबंधक, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक और भारतीय रेल के सभी मंडलों के अधिकारियों की उपस्थिति में संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लांच किया। इस एप्लीकेशन को 2013 बैच के आईआरटीएस अधिकारी श्री दिलीप सिंह ने डिज़ाइन किया है, जो वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। इस अवसर पर नागपुर मंडल की डीआरएम श्रीमती नमिता त्रिपाठी ने नागपुर मंडल में पायलट प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन के बारे में बात की और बताया कि यह किस तरह से मंडल में सुरक्षा बढ़ाने में उपयोगी साबित हुआ है। अब रेलवे ने सभी मंडल रेलवे में इस एप को लांच करने का निर्णय लिया है, जिसमें 16 मंडलों को शुरू में रोलआउट के लिए चुना गया है। यह एप्लीकेशन भारतीय रेल के विषय संबंधी ज्ञान को सूचना प्रौद्योगिकी, डेटा एनालिटिक्स और भविष्य में आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस के संभावित लाभ के साथ एकीकृत करता है, ताकि रेलवे कर्मचारियों की प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक बुद्धिमान, प्रभावी और स्केलेबल प्रणाली प्रदान की जा सके। इसमें स्मार्ट लर्निंग और फीडबैक मैकेनिज्म की सुविधा है जो बहुस्तरीय, वास्तविक समय फीडबैक और निगरानी को संभव बनाता है।■

दक्षिण मध्य रेलवे ने 60 साल पुराने पीपल के पेड़ को मुख्यालय में सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया



दक्षिण मध्य रेलवे अपने मुख्यालय, रेल निलयम, सिकंदराबाद में 60 साल पुराने पीपल के पेड़ को सफलतापूर्वक स्थानांतरित करके पर्यावरण के अनुकूल पहल का उत्तम उदाहरण पेश किया है। 3.5 मीटर परिधि के साथ 40 फीट से अधिक लंबे पेड़ को निर्माण की जरूरतों के कारण स्थानांतरित किया गया है।

बड़ी सावधानी पूर्वक योजनाबद्ध तरीके से पेड़ की जड़ों का ध्यान रखते हुए कुरनूल के विशेषज्ञ श्री ए. चंद्रमौली ने आधुनिक उपकरणों और संरक्षण तकनीकों का उपयोग करके स्थानांतरण प्रक्रिया पूर्ण की गई। पोस्ट-ट्रांसलोकेशन देखभाल में जड़ कायाकल्प में सहायता के लिए तेल सामग्री, 180 किलोग्राम प्राकृतिक खाद और 200 लीटर पानी में पतला 2 लीटर ह्यूमिक एसिड के साथ 50 किलोग्राम नीम केक लगाना शामिल था।

विशेषज्ञ मार्गदर्शन में पेड़ के 3-6 महीने के भीतर नए अंकुर अंकुरित होने की उम्मीद है। यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण और हरित पहल के लिए एससीआर की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालता है।■

WAP-5 एयरोडायनामिक इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव चिरेका से रवाना



WAP-5 एयरोडायनामिक (परिवर्तन) इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव की पहली जोड़ी को 18 अक्टूबर, 2024 को शॉप-19 के टेस्ट शेड से श्री हितेंद्र मल्होत्रा, महाप्रबंधक द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, पर्यवेक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

यह परिवर्तित लोकोमोटिव की पहली जोड़ी है। इन इंजनों को ICF में LHB रेक के साथ एकीकृत किया जाएगा और अमृत भारत ट्रेनों में उपयोग किया जाएगा।

वित्त वर्ष 2024-25 में, चिरेका ने मौजूदा WAP-5 लोकोमोटिव के 55 जोड़े को एक तरफ एयरोडायनामिक कैब के साथ पुश पुल अनुरूप संस्करण में परिवर्तित करने का लक्ष्य रखा है।

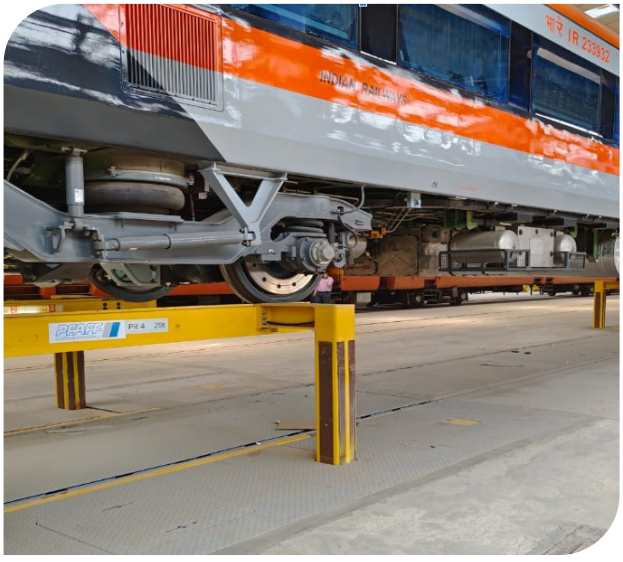
प्रमुख विशेषताएँ

- कैब के इंटीरियर की एफआरपी फर्नीशिंग
- प्रभाव प्रतिरोधी विंड सील्ड
- एफआरपी आधारित सौंदर्यपूर्ण रूप से उन्नत ड्राइवर डेस्क
- रियल टाइम इंफॉर्मेशन सिस्टम
- क्रू वॉयस और वीडियो रिकॉर्डिंग सिस्टम (CVVRS)
- रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम
- गियर बॉक्स के साथ ट्रैक्शन मोटर का Direct drive Coupling
- EP Assist ब्रेक सिस्टम
- कवच 4.0

दिल्ली मंडल में 8 कोच वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के रखरखाव के लिए सिंक्रोनाइज्ड पिट जैक सिस्टम स्थापित

हाल ही में शुरू की गई सिंक्रोनाइज्ड पिट जैक सिस्टम एक अत्यधिक उन्नत और विशिष्ट उपकरण है जिसे रखरखाव, मरम्मत या निरीक्षण के लिए वंदे भारत ट्रेन के सभी आठ डिब्बों को एक साथ उठाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह प्रणाली पूरी ट्रेन को उठाने की एक सटीक और कुशल विधि प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सभी डिब्बे कोच या ट्रैक की संरचनात्मक अखंडता से समझौता किए बिना समान रूप से और सुरक्षित रूप से ऊपर उठें।

यह सिंक्रोनाइज्ड लिफ्टिंग मैकेनिज्म व्हील रिप्लेसमेंट, बोगी रिप्लेसमेंट, अंडरकैरिज चेक और ब्रेक सिस्टम, इलेक्ट्रिकल्स और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर एलिमेंट्स जैसे महत्त्वपूर्ण घटकों की मरम्मत जैसे रखरखाव कार्यों को करने के लिए महत्त्वपूर्ण है। एक बार में पूरी ट्रेन (8 कार) को उठाने की प्रणाली की क्षमता डाउनटाइम को कम करती है और तेज रखरखाव चक्र सुनिश्चित करती है, जो वंदे भारत जैसी हाई-स्पीड ट्रेनों के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, सिंक्रोनाइज्ड पिट जैक सिस्टम पारंपरिक लिफ्टिंग विधियों के साथ होने वाली दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करके सुरक्षा



को बढ़ाता है, जहाँ अलग-अलग कोचों को अलग-अलग उठाया जा सकता है।■

यात्रियों को खूब पसंद आ रही है
अहमदाबाद-भुज नमो भारत रैपिड रेल

■ नवंबर 2024 तक एक लाख से अधिक यात्रियों ने किया सफर



पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर अहमदाबाद-भुज के बीच चल रही नमो भारत रैपिड रेल ट्रेन यात्रियों का खूब प्रसंद आ रही है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 16 सितंबर, 2024 को वर्चुअल माध्यम से अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त स्वदेशी तकनीक से निर्मित भुज-अहमदाबाद नमो भारत रैपिड रेल ट्रेन का शुभारंभ किया था। दिनांक 16 सितंबर से नवंबर 2024 तक इस ट्रेन में एक लाख से अधिक यात्रियों ने यात्रा की। इस ट्रेन से इस अवधि के दौरान 3 करोड़ 12 लाख से अधिक का राजस्व किया है। साथ ही इसकी ऑक्यूपेंसी भी लगातार बढ़ती जा रही है।

नमो भारत रैपिड रेल आधुनिक यात्रा का अनुभव प्रदान कराती है। स्वदेशी तकनीक से विकसित यह ट्रेन 12 वातानुकूलित कोचों से सुसज्जित है, जिसमें केंद्रीय रूप से नियंत्रित स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे, मॉड्यूलर इंटीरियर, एलईडी लाइटिंग, वैक्यूम निकासी के साथ शौचालय, रूट मैप इंडिकेटर, पैनोरमिक विंडो, सीसीटीवी, फोन चार्जिंग सुविधाओं के साथ-साथ और भी अन्य सुविधाएं हैं।

इस ट्रेन में पूरी तरह से सीलबंद फ्लेक्सिबल गैंगवे है, जो यात्रियों को गैंगवे के अंदर धूल और पानी के प्रवेश से बचाती है तथा सुरक्षित वातावरण प्रदान करती है। इस ट्रेन में सीटिंग और फ्लोरिंग अग्निरोधी हैं। यह ट्रेन अलार्म सिस्टम के साथ ऑटोमेटिक स्मोक/फायर डिटेक्शन और एरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली से भी सुसज्जित है।■

रेलवे पेंशनभोगी अब घर बैठे भेज सकेंगे जीवन प्रमाण-पत्र

उत्तर पश्चिम रेलवे एवं कार्मिक लोकशिकायत तथा पेंशन मंत्रालय के पेंशन एवं पेशनभोगी कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वाधान में उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय में दिनांक 5 नवम्बर, 2024 को नेशन वाईड डिजीटल लाइफ सर्टिफिकेट कैंपेन 3.0 की शुरुआत की गई। इसके तहत रेलवे पेंशनर्स प्रतिवर्ष दिये जाने वाले जीवन प्रमाण-पत्र को अब घर बैठे ही प्रस्तुत कर सकेंगे।

इसके लिए एक एप लॉन्च किया गया है, जिसके द्वारा फेस ऑथेन्टिकेशन टेक्नोलोजी द्वारा पेंशनभोगी के चेहरे को स्केन कर जीवन प्रमाण-पत्र जारी किया जा सकेगा। मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों का इस तकनीक द्वारा जीवन प्रमाण-पत्र बनाया गया। इस सुविधा से दूरस्थ रहने वाले पेंशनभोगी भी बैंक जाये बगैर घर बैठे ही जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर बिना कोई परेशान के अपनी पेंशन का नियमित भुगतान प्राप्त कर सकेंगे।

नेशन वाईड डिजीटल लाइफ सर्टिफिकेट कैंपेन 3.0 द्वारा 800 शहरों में यह सुविधा दी जायेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के लगभग 50 हजार से अधिक पेंशनभोगी स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया से अपनी पेंशन का भुगतान प्राप्त करते हैं। यह अभियान उत्तर पश्चिम रेलवे



के मंडलों एवं इसके क्षेत्राधिकार में स्थित बैंको की शाखाओं में भी चलाया जायेगा।

इस अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रमुख वित्त सलाहकार सुश्री गीतिक पांडे, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री पी.के. सिंह, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी (सामान्य) श्री जी के मीना, उप वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी (सामान्य) सुश्री स्वाति चुलेट, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की उपमहाप्रबन्धक सुश्री कविता गर्ग, पंजाब नेशनल बैंक के एजीएम श्री अशोक कुमार एवं उत्तर पश्चिम रेलवे के अधिकारी, कर्मचारी एवं कई सेवानिवृत्त कर्मचारी उपस्थित थे।■

कबाड़ से कला का बेहतरीन नमूना

वैगन रिपेयर शॉप, रायपुर ने कबाड़ से तैयार की 12.5 फीट ऊंची गणेश जी की प्रतिमा



दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल स्थित वैगन रिपेयर शॉप में पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मकता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। यहाँ वरिष्ठ तकनीशियन अशोक कुमार देवांगन एवं उनकी टीम ने वेस्ट मटेरियल से 12.5 फीट ऊंची गणेश जी की भव्य प्रतिमा का निर्माण किया है। करीब 1 टन स्क्रैप का उपयोग करते हुए बनाई गई यह प्रतिमा 'वेस्ट टू आर्ट' की अवधारणा का एक बेहतरीन नमूना है।

प्रतिमा की विशेषताएं

इस गणेश प्रतिमा को तैयार करने में पुराने लोहे के स्क्रैप, कबाड़ से निकले पुर्जे, और अन्य अनुपयोगी सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया है। एक टन वजन की 12.5 फीट ऊंची और 8 फीट चौड़ी गणपति जी की प्रतिमा का निर्माण विभिन्न प्रकार के वैगनो में उपयोग के पश्चात् खराब हो चुके पार्ट्स द्वारा किया गया है। इसमें 11,000 लॉकिंग प्लेट, नट, बोल्ट, वायसर, स्प्रिंग, स्क्रैप के टुकड़े, चेंज ओवर सेट के पार्ट्स, डर्ट कलेक्टर का पार्ट, एंगल कॉक के पार्ट, एसएबी टॉप कैप, बोगी स्प्रिंग, एंगल कॉक, इत्यादि वैगन पार्ट्स का उपयोग किया गया है।

इसे गढ़ने में महीनों की मेहनत और उत्कृष्ट शिल्प कौशल लगा है। प्रतिमा का भव्य आकार, बारीकी से उकेरे गए विवरण, और इसकी कलात्मकता इसे विशेष बनाती है। अशोक कुमार देवांगन, जो वैगन रिपेयर शॉप में वरिष्ठ तकनीशियन के पद पर कार्यरत हैं, ने अपनी कल्पनाशीलता और मेहनत से यह अद्वितीय कृति बनाई है। इसके पूर्व में भी उनके द्वारा उनकी यह पहल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और कला के प्रति उनके जुनून को दर्शाती है।

स्वच्छता अभियान और पर्यावरण संरक्षण में योगदान

स्पेशल अभियान के तहत वेस्ट मटेरियल के उपयोग से गणेश जी की प्रतिमा के निर्माण की इस पहल का उद्देश्य सिर्फ कला का प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि वेस्ट मटेरियल का पुनः उपयोग कर स्वच्छता अभियान को बढ़ावा देना है। यह प्रतिमा दर्शाती है कि कैसे अनुपयोगी कबाड़ सामग्री को रचनात्मकता से उपयोगी और सुंदर बनाया जा सकता है।

प्रेरणा और संदेश

यह प्रतिमा न केवल शिल्प कौशल का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि यह पर्यावरणीय जिम्मेदारी का संदेश भी देती है। इस तरह के प्रयास अन्य क्षेत्रों और संस्थानों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकते हैं।

वेस्ट टू आर्ट : कला और संरक्षण का नया अध्याय

यह गणेश प्रतिमा एक संदेश देती है कि कबाड़ के ढेर में भी अपार संभावनाएं छुपी होती हैं। रचनात्मक सोच और परिश्रम से इन्हें खूबसूरत कलाकृतियों में बदला जा सकता है, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सांस्कृतिक समृद्धि को भी बढ़ावा देती हैं।अशोक कुमार देवांगन और उनकी टीम का यह काम 'वेस्ट टू आर्ट' की सोच को प्रोत्साहित करते हुए कला और पर्यावरण संरक्षण का एक शानदार संगम पेश करता है।■

पश्चिम रेलवे ने मनाया अपना 74वां स्थापना दिवस



दिनांक 5 नवंबर, 2024 को पश्चिम रेलवे ने अपना 74वां स्थापना दिवस मनाया। अपनी विनम्र शुरुआत के बाद से रेलवे ने राष्ट्र की सेवा में अपने 70 वर्षों से अधिक की यात्रा में कई मील के पत्थर हासिल किए हैं। 74वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र ने पश्चिम रेलवे के मुख्यालय भवन की प्रिंट वाला एक स्मारिका सिक्का जारी किया, जो इस भवन के 125 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। श्री मिश्र ने अपने छह मंडलों के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके काम के प्रति समर्पण और इन सभी वर्षों में पश्चिम रेलवे द्वारा हासिल की गई ढेरों उपलब्धियों के लिए बधाई दी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक के अनुसार, बॉम्बे, बरोडा एंड सेंट्रल इंडिया (BB&CI) रेलवे को वर्ष 1855 में शामिल किया गया था, जिसकी शुरुआत पश्चिमी तट पर गुजरात राज्य के अंकलेश्वर से उत्राण तक 29 मील की ब्रॉड गेज ट्रैक के निर्माण के साथ हुई थी और तब इसका मुख्यालय सूरत था। बाद में उसी वर्ष 21 नवंबर, 1855 को कंपनी ने सूरत से बड़ौदा और अहमदाबाद तक रेलवे लाइन बनाने के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ एक समझौता किया। गुजरात में उगाए जाने वाले कपास की पश्चिमी बंदरगाह तक भरपूर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उतरन (सूरत के उत्तर में) से बॉम्बे तक एक लाइन शुरू करने के लिए एक और अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अगले वर्ष लाइन पर काम शुरू हुआ और बॉम्बे में उतरन से ग्रांट रोड स्टेशन तक की लाइन आधिकारिक तौर पर दिनांक 28 नवंबर, 1864 को खोल दी गई। यहीं से वर्तमान में मौजूद पश्चिम रेलवे की शुरुआत की नींव रखी गई।

अपने वर्तमान स्वरूप में पश्चिम रेलवे दिनांक 5 नवंबर, 1951 को अपने पूर्ववर्ती, तत्कालीन बॉम्बे, बरोडा एंड सेंट्रल इंडिया (BB&CI) रेलवे के अन्य राज्य रेलवे जैसे सौराष्ट्र, राजपुताना और जयपुर के साथ विलय से अस्तित्व में आई। पश्चिम रेलवे का वर्तमान अधिकार क्षेत्र 6 मंडलों अर्थात मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, अहमदाबाद, राजकोट, भावनगर और रतलाम मंडल में है। दिनांक 3 मार्च, 1961 को पश्चिम रेलवे द्वारा शहरी इलाकों में यात्रियों की बढ़ती मांग के कारण 9 कोच वाली उपनगरीय ट्रेनें शुरू की गई। वर्ष 1972 में, पश्चिम रेलवे ने अपनी प्रतिष्ठित मुंबई-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन शुरू की, जो भारतीय रेल नेटवर्क पर सबसे महत्त्वपूर्ण और व्यस्ततम लाइनों में से एक है। दुनिया की पहली महिला स्पेशल ट्रेन, पहली 15-डिब्बों वाली उपनगरीय ट्रेन और भारत में पूरी तरह से वातानुकूलित पहली उपनगरीय ट्रेन की शुरुआत से लेकर एक के बाद एक मील के पत्थर स्थापित करने की अपनी यात्रा जारी रखते हुए, इसने परिचालन, सुरक्षा और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कई प्रथम स्थान अर्जित किए हैं। पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें भी चला रहा है और हाल ही में भुज और अहमदाबाद के बीच नमो भारत रैपिड रेल की शुरुआत की गई है।

जनवरी 2024 के महीने में चर्चगेट स्थित प्रतिष्ठित पश्चिम रेलवे मुख्यालय भवन की अर्धशताब्दी वर्षगांठ मनाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। समारोहों को जारी रखते हुए, यह स्मारिका सिक्का इस ऐतिहासिक घटना को यादगार बनाने और पश्चिम रेलवे और भारतीय रेल के इतिहास में दर्ज करने का एक और प्रयास है। सोने की परत के साथ कूप्रो निकेल से बना यह स्मारिका सिक्का इस महत्त्वपूर्ण घटना को दर्शाता है और सिक्के के दूसरी तरफ चर्चगेट, मुंबई में स्थित शानदार पश्चिम रेलवे मुख्यालय भवन अपनी पूरी स्वर्णिम शान में है। इस शानदार इमारत के 125 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में सिक्के की परिधि पर 125 दाँते बने हुए हैं।

पश्चिम रेलवे ने वर्ष 1850 के दशक में ब्रिटिश काल में अपने जन्म के बाद से अपनी लंबी यात्रा के माध्यम से बार-बार अपनी योग्यता साबित की है। वर्तमान में, पश्चिम रेलवे के पास महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में ब्रॉड, मीटर और नैरो गेज सेक्शन सहित 6,284 से अधिक रूट कि.मी. को कवर करने वाला एक विस्तृत रेलवे नेटवर्क है।■



मेट्रो रेल, कोलकाता के बेमिसाल

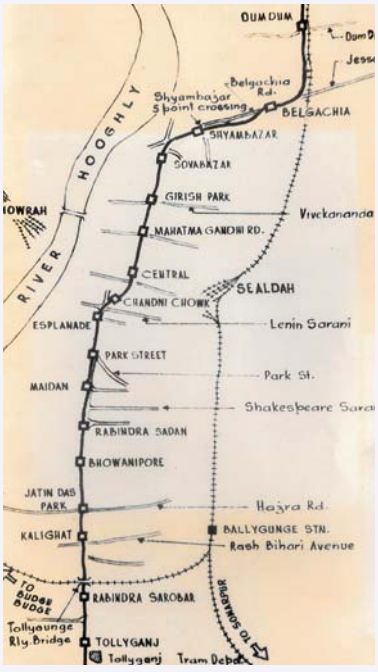


साल

विविध कार्यक्रमों का आयोजन

मेट्रो रेल, कोलकाता ने 24 अक्टूबर 2024 को राष्ट्र की सेवा के 40 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस महत्त्वपूर्ण दिवस और अवसर को यादगार बनाने के लिए दिनांक 18 अक्टूबर 2024 से 24 अक्टूबर 2024 तक एक साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान, भारत की पहली मेट्रो, कोलकाता मेट्रो रेलवे के विभिन्न आशाजनक पहलुओं पर प्रकाश डाला गया और बताया गया कि कैसे मेट्रो प्रणाली के क्रमिक विकास के साथ कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों की यातायात समस्याओं को कम करने के लिए कोलकाता जैसे शहर में मास रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम (एमआरटीएस) की आवश्यकता को पूरा करने में यह सफल रही है। इस अवसर पर महाप्रबंधक द्वारा मेट्रो रेलवे हेतु एक स्मारक स्मार्ट कार्ड भी जारी किया गया।

महाप्रबंधक श्री पी उदय कुमार रेड्डी द्वारा इस अवसर को यादगार बनाने के लिए तीन लघु फिल्में भी रिलीज की गईं। एक फिल्म में रितुपर्णा सेनगुप्ता, गौतम घोष, हर्ष नेवतिया, झूलन गोस्वामी और अन्य हस्तियों ने मेट्रो रेलवे के बारे में अपने विचार साझा किए और बताया कि कैसे मेट्रो रेलवे ने कोलकाता की परिवहन प्रणाली को बदल दिया है। एक अन्य फिल्म में ऐतिहासिक बारीकियों और मेट्रो के क्रमिक विस्तार पर प्रकाश डाला गया। कोलकाता में मेट्रो प्रणाली की सर्वव्यापकता ने जीवन को तेज, सुगम और परेशानी मुक्त बना दिया है। मेट्रो ने पहले ही कोलकाता, हावड़ा, उत्तर और दक्षिण 24 परगना को एक साथ जोड़ कर 'आमार मेट्रो' बन गई है। हावड़ा, हुगली, मेदिनीपुर, बर्दवान, उत्तर और दक्षिण 24 परगना, नादिया के निवासी हावड़ा, सियालदह, दमदम और कवि सुभाष स्टेशनों से मेट्रो सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। यहाँ तक कि दूसरे राज्यों के यात्री भी हावड़ा और सियालदह से हमारी सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं । फलस्वरूप, मेट्रो रेलवे अब प्रतिदिन लगभग 7 लाख यात्रियों का वहन करती है। 24 अक्टूबर, 1984 को जब कोलकाता में पहली मेट्रो सेवा की शुरुआत हुई थी, तब यह अकल्पनीय था। बदलते समय और मांग के अनुकूल, मेट्रो रेलवे राजारहाट, न्यू टाउन, एयरपोर्ट, बारासात जैसे नए गंतव्यों तक पहुँचने के साथ-साथ हावड़ा और सियालदह को जोड़ने और 100 कि.मी. से अधिक क्षेत्र में मेट्रो नेटवर्क फैलाने की योजना बना रही है। हाल के दिनों में सभी लंबित परियोजनाओं के काम में तेजी आई है और इन परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है।





इस आयोजन के लिए एक लोगो तैयार किया गया तथा इस अवसर को यादगार बनाने के क्रम में दिनांक 19 से 20 अक्टूबर, 2024 तक हेरिटेज वॉक, वॉकथॉन, प्रदर्शनी, पुरानी नॉन-एसी रेक को चलाया जाना, सांस्कृतिक संध्या, टिकट संग्रह प्रदर्शनी आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।



दक्षिण 24 परगना के काकद्वीप के सूर्यनगर आनंदमन आश्रम के 30 अनाथ बच्चों के लिए एस्प्लानेड से हावड़ा मैदान तक और वापस हुगली नदी के नीचे एक आनंद यात्रा का आयोजन भी किया गया। उन्होंने इस सवारी का भरपूर आनंद लिया।

इसके अलावा, दिनांक 22 अक्टूबर, 2024 को महानायक उत्तम कुमार स्टेशन से ब्लू लाइन के मैदान स्टेशन तक एनजीईएफ रेक (हेरिटेज रेक नंबर : एन-16/18) की हेरिटेज रन का आयोजन किया गया, ताकि मेट्रो रेलवे, कोलकाता के नॉन-एसी युग का एक बार और अनुभव किया जा सके। महाप्रबंधक श्री रेड्डी ने प्रसिद्ध नृत्यांगना, श्रीमती ममता शंकर और प्रसिद्ध फिल्म व्यक्तित्व, श्री गौतम घोष की उपस्थिति में हेरिटेज रन को हरी झंडी दिखाई।



इस उत्सव के हिस्से के रूप में, दिनांक 23 अक्टूबर, 2024 को डॉ. बीसी रॉय ऑडिटोरियम, सियालदह में एक तकनीकी सेमिनार का भी आयोजन किया गया।



इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण इस महत्त्वपूर्ण उपलब्धि को याद करते हुए एक विशेष स्मारिका का अनावरण था। इसके पश्चात मेट्रो रेलवे की यात्रा पर एक ऐतिहासिक चिंतन मनन किया गया, जिसमें इसकी शुरुआत से लेकर वर्तमान परिचालन तक की प्रगति को विस्तृत रूप से दर्शाया गया।



मेट्रो रेलवे के 40 वर्ष पूरे होने के इस भव्य समारोह के अवसर पर दिनांक 24 अक्टूबर, 2024 शाम को श्रीमती शुभा मुद्गल के गायन ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, तत्पश्चात उस्ताद अमजद अली खान के शास्त्रीय सरोद वादन ने भी श्रोताओं को भाव विभोर किया।■



खेलों में भारतीय रेल

महिला एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2024
टीम में शामिल भारतीय रेल परिवार की खिलाड़ी



दक्षिण मध्य रेलवे ने महिलाओं के लिए 47वीं अखिल भारतीय रेल बास्केटबॉल चैंपियनशिप जीती



महिलाओं के लिए 47वीं अखिल भारतीय रेल बास्केटबॉल चैंपियनशिप-2024 का आयोजन दक्षिण मध्य रेलवे खेल संघ द्वारा रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के तत्वावधान में दिनांक 15 से 19 नवंबर, 2024 तक किया गया था। चैंपियनशिप में भारतीय रेल की 12 टीमों ने भाग लिया जिसमें दक्षिण मध्य रेलवे, मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वी रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, उत्तर फ्रंटियर रेलवे, दक्षिण रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और उत्तर पश्चिम रेलवे शामिल थे। ये मैच लीग-कम-नॉकआउट राउंड में खेले गए थे। दक्षिण मध्य रेलवे महिला टीम ने दक्षिण पश्चिम रेलवे टीम को 73-58 के स्कोर से हराकर चैंपियनशिप जीती। दक्षिण मध्य रेलवे के हाप्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन ने विजेता टीम के खिलाड़ियों को विजेता ट्रॉफी प्रदान की।■

अखिल भारतीय अंतर-संस्थागत पुरुष और महिला टेबल टेनिस चैंपियनशिप संपन्न



अखिल भारतीय अंतर-संस्थागत टेबल टेनिस चैंपियनशिप (चंडीगढ़, दिनांक 24 से 29 नवंबर, 2024) में भारतीय रेल पुरुष और महिला टेबल टेनिस टीमें। पुरुष टीम ने 17 साल बाद विजेता ट्रॉफी जीती और महिला टीम ने उपविजेता ट्रॉफी हासिल की।■

गोल्डन चैरियट लग्जरी ट्रेन

सात सितारा होटल जैसी सुविधाओं का आनंद लें

भारतीय रेल और IRCTC की लग्जरी ट्रेनों में से एक गोल्डन चैरियट लग्जरी ट्रेन एक बार फिर ट्रैक पर उतरने को तैयार है। कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाली गोल्डन चैरियट लग्जरी ट्रेन इस बार दिनांक 14 दिसंबर, 2024 को रवाना हो रही है। ट्रेन में 13 डबल बेड केबिन, 26 ट्विन बेड केबिन और दिव्यांग मेहमानों के लिए 1 केबिन है। 40 केबिन वाले इस शाही ट्रेन में 80 यात्री सफर कर सकते हैं।

इस ट्रेन का नाम गोल्डन चैरियट है, जिसका मतलब होता है स्वर्ण रथ। यात्रियों को शाही आनंद देने के लिए ट्रेन के सभी आलीशान केबिन एयर कंडीशनर और वाई-फाई से लैस हैं। सभी केबिन में गद्देदार फर्नीचर, लग्जरियस बाथरूम, आरामदायक बेड, शानदार टीवी जिसमें कई ओटीटी के मजे लिए जा सकते हैं। ट्रेन में सैलून का भी खास इंतजाम है।

गोल्डन चैरियट लग्जरी ट्रेन में देशी और विदेशी व्यंजनों का विशेष प्रबंध किया गया है। जिसके लिए रूचि और नालापक नाम के दो बेहतरीन रेस्तरां हैं। जहाँ शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह के व्यंजन इंटरनेशनल ब्रांडों के क्रॉकरी और कटलरी में परोसे जाएंगे। इसके साथ ही बार में बेहतरीन और ब्रांडेड वाइन, बीयर और मदीरा मौजूद है।



यात्रियों की सेहत और आरामदायक सफर के लिए इस गोल्डन चैरियट ट्रेन में आरोग्य स्पा भी हैं, जहाँ स्पा थेरेपी समेत कई अन्य स्पा का आनंद लिया जा सकता है। यही नहीं सेहत का ख्याल रखने के लिए एक हाइटेक जिम भी है जहाँ वर्क आउट के लिए बेहद आधुनिक एक्सरसाइज मशीने हैं। मेहमानों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करने के लिए पूरी ट्रेन सीसीटीवी कैमरे और फायर अलार्म सिस्टम से लैस है। पूरी ट्रेन किसी 7 स्टार होटल से कम नहीं है।



लग्जरी ट्रेन 5 रातें और 6 दिन गुजारने के लिए आपको मात्र 4,00,530 और 5% GST देना होगा, जिसमें रहना, खाना, शराब, प्रवेश टिकट, गाइड आदि शामिल है। अधिक जानकारी के लिए www.goldenchariot.org वेबसाइट पर विजिट करें या फिर ईमेल goldenchariot@irctc.com पर अपने सवाल भेजें। साथ ही +91 8585931021 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित यात्रा कार्यक्रम :

क्र.स.	प्रस्थान दिनांक	ट्रेन का नाम	प्रति व्यक्ति प्रकाशित टैरिफ (ट्विन शेयरिंग के आधार पर)
1	14 दिसंबर, 2024	कर्नाटक का गौरव (5 रातें/ 6 दिन)	लग्जरी ट्रेन 5 रातें और 6 दिन गुजारने के लिए आपको मात्र 4,00,530 और 5% GST देना होगा। जिसमें रहना, खाना, शराब, प्रवेश टिकट, गाइड आदि शामिल है।
2	21 दिसंबर, 2024	दक्षिण के रत्न (5 रातें/ 6 दिन)	
3	4 जनवरी, 2025	कर्नाटक का गौरव (5 रातें/ 6 दिन)	
4	1 फरवरी, 2025	कर्नाटक का गौरव (5 रातें/ 6 दिन)	
5	15 फरवरी, 2025	दक्षिण के रत्न (5 रातें/ 6 दिन)	
6	1 मार्च, 2025	कर्नाटक का गौरव (5 रातें/ 6 दिन)	

कर्नाटक का गौरव : (5 रातें/6 दिन) – बेंगलुरु से शुरू होकर बांदीपुर, मैसूर, हलेबिदु, चिकमंगलूर, हम्पी, गोवा और वापस बेंगलुरु।



दक्षिण के रत्न : (5 रातें/6 दिन) – बेंगलुरु से शुरू होकर मैसूर, कांचीपुरम, महाबलीपुरम, तंजावुर, चेट्टीनाड, कोचीन, चेरतला और वापस बेंगलुरु।■



आप सबका भारतीय रेल के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, गीत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

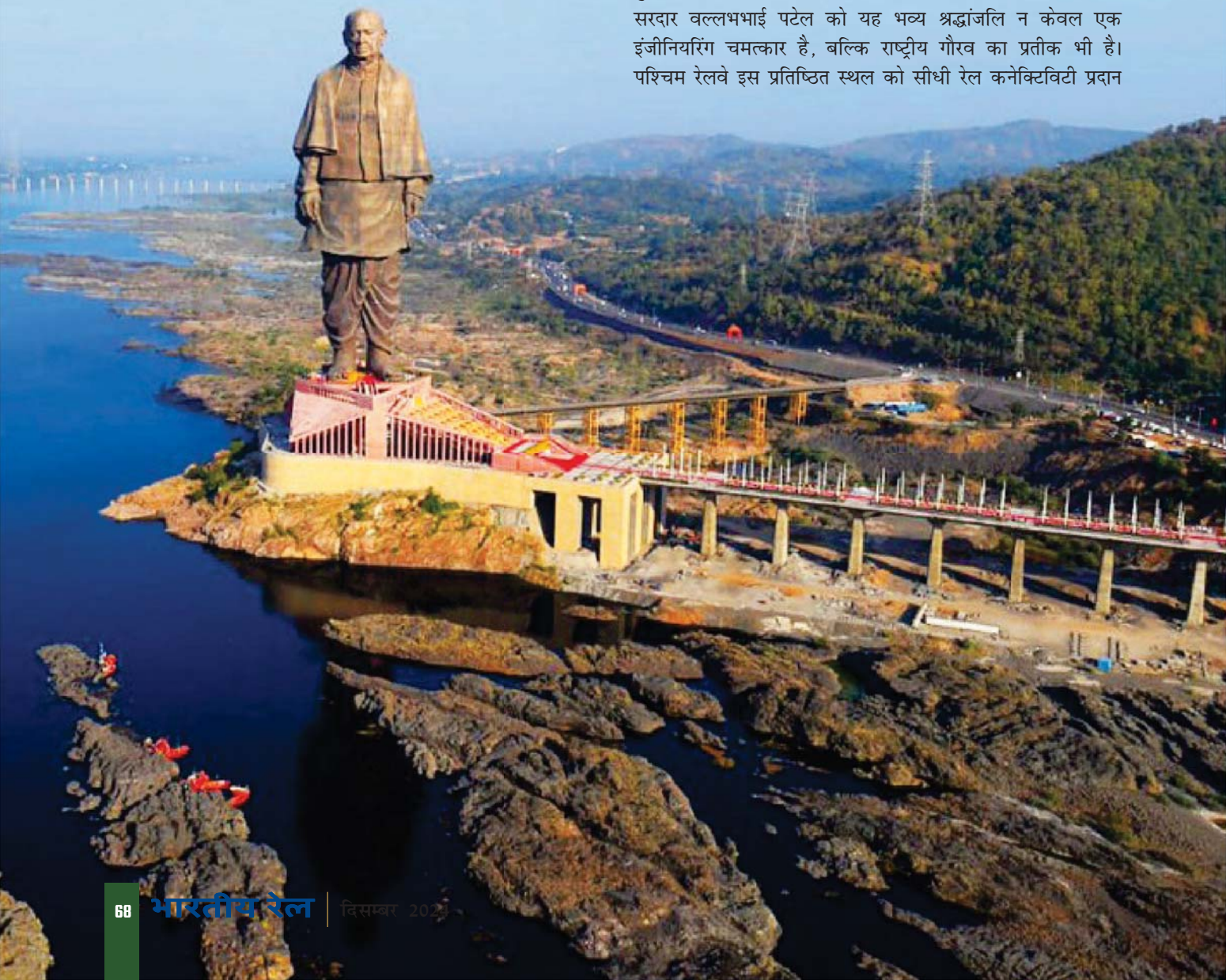
ई-मेल editorbhartiyarailrb@gmail.com

चयनित सामग्री/लेख की जानकारी ई-मेल द्वारा दी जाएगी,
प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

कुछ दिन तो गुजारो गुजरात में

पश्चिम रेलवे सिर्फ परिवहन की जीवनरेखा ही नहीं है, बल्कि यह भारत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित और विविधतापूर्ण पर्यटन स्थलों का प्रवेश द्वार भी है। कच्छ के रण में मौजूद शुष्क नमक के मैदानों से लेकर राजसी मंदिरों और शांत नदी किनारे तक पश्चिम रेलवे यात्रियों को कई तरह के परिदृश्यों, संस्कृतियों और इतिहास से जोड़ती है। पश्चिम रेलवे प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक भव्यता और आध्यात्मिक गहराई का एक अनूठा मिश्रण प्रदान करता है, जो इसे भारत के पर्यटन उद्योग में एक प्रमुख योगदानकर्ता बनाता है। इस विश्व पर्यटन दिवस पर रेलवे देशभर में फैले अपने व्यापक रेल नेटवर्क के माध्यम से इस अविश्वसनीय भूमि के चमत्कारों को देखने के लिए यात्रियों का स्वागत करती है।

हम अपनी यात्रा की शुरुआत पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के सुंदर बिलिमोरा-वघई रेल खंड से करते हैं, जो गुजरात राज्य के डांग क्षेत्र के हरे-भरे जंगलों और आदिवासी गाँवों से होकर गुजरने वाली एक नैरो-गेज लाइन के माध्यम से यात्रियों को एक आकर्षक यात्रा पर ले जाता है। यह आकर्षक और कम ज्ञात मार्ग भारत के समृद्ध रेलवे इतिहास की याद दिलाता है और धीमी गति से चलते हुए प्रकृति से जुड़ने और ग्रामीण भारत की शांति का अनुभव की तलाश करने वालों के लिए एकदम सही है। रेलवे ने इस लाइन को एक विरासत अनुभव के रूप में संरक्षित किया है, जो पर्यटकों को समय में पीछे जाने और एक शांतिपूर्ण, अविस्मरणीय ट्रेन यात्रा का आनंद लेने का अवसर प्रदान करता है। वडोदरा मंडल में जाने पर कोई भी व्यक्ति स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के साथ भारत की वास्तुकला की चमक देख सकता है, जो दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। नर्मदा नदी के तट पर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल को यह भव्य श्रद्धांजलि न केवल एक इंजीनियरिंग चमत्कार है, बल्कि राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक भी है। पश्चिम रेलवे इस प्रतिष्ठित स्थल को सीधी रेल कनेक्टिविटी प्रदान







करता है, जिससे देश के सभी कोनों से यहाँ आसानी से पहुँचा जा सकता है। ट्रेन से आने वाले पर्यटक स्मारक की विशालता को देखकर आश्चर्यचकित हो सकते हैं, साथ ही सरदार सरोवर बांध और उसके आसपास की प्राकृतिक सुंदरता की शानदार पृष्ठभूमि की सराहना भी कर सकते हैं।

जैसे ही ट्रेन अहमदाबाद मंडल से गुजरती है, यह विरासत और आश्चर्य से भरी जगहों के दरवाजे खोलती है। यात्रियों का स्वागत गुजरात के प्राचीन चमत्कारों द्वारा किया जाता है, जहाँ पर्यटक पाटन शहर में सरस्वती नदी के तट पर स्थित रानी की वाव, जटिल नक्काशीदार बावड़ी को देखने का आनंद ले सकते हैं। यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है, जो अपनी शानदार वास्तुकला और समृद्ध इतिहास के लिए जाना जाता है। इसके अलावा, पाटन स्टेशन से सिर्फ 30 कि.मी. दूर स्थित विस्मयकारी मोढेरा सूर्य मंदिर भारत की प्राचीन शिल्पकला और स्थापत्य कला का प्रमाण है। पश्चिम रेलवे द्वारा प्रदान की गई निर्बाध कनेक्टिविटी यह सुनिश्चित करती है कि गुजरात के ये रत्न देश भर के यात्रियों की पहुँच में हों। सर्दियों के मौसम की शुरुआत के साथ, कच्छ के रण का विशाल और सफेद विस्तार रोमांच चाहने वालों को आकर्षित करता है।

रतलाम मंडल के दर्शनीय स्थल इतिहास, आध्यात्मिकता और प्राकृतिक सुंदरता को एक साथ जोड़ते हैं। जैसे ही ट्रेन इस क्षेत्र से गुजरती है, पर्यटकों को क्षिप्रा नदी के तट पर स्थित महाकालेश्वर मंदिर एवं नर्मदा नदी के तट पर स्थित ओंकारेश्वर मंदिर के दर्शन होते हैं, जो आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। सुंदर पातालपानी-कालाकुंड रेल मार्ग, झरनों और घाटियों के लुभावने दृश्यों के साथ, विशेष रूप से मानसून के दौरान जीवंत हो जाता है। पश्चिम रेलवे एक हेरिटेज मीटर गेज ट्रेन चलाती है, जो इस सुंदर वैभव को देखने के लिए बड़ी संख्या में भीड़ खींचती है। अन्य स्थलों में से एक चित्तौड़गढ़ है, जहाँ प्रतिष्ठित चित्तौड़गढ़ किला इस क्षेत्र की पहचान है। अपनी भव्य वास्तुकला के लिए जाना जाने वाला यह सदियों पुराना किला और इसके अवशेष हमें राजपूतों की वीरता और बहादुरी की याद दिलाते हैं।

भावनगर मंडल भारत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित आध्यात्मिक स्थलों का घर है, जिसमें सोमनाथ मंदिर, पालीताना के जैन मंदिर और महात्मा गांधीजी का जन्मस्थान पोरबंदर शामिल हैं। प्रकृति प्रेमी गिर राष्ट्रीय उद्यान की यात्रा कर सकते हैं, जो राजसी एशियाई शेरों का घर है, जहाँ जूनागढ़ स्टेशन से पहुँचा जा सकता है, जो गिरनार हिल, उपरकोट किला और जटाशंकर महादेव झरने जैसे ऐतिहासिक स्थलों के लिए रेलवे स्टेशन के रूप में भी काम करता है। राजकोट मंडल में द्वारका का आध्यात्मिक शहर तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को अपने मंदिरों, शांत समुद्र तट और समृद्ध संस्कृति की ओर आकर्षित करता है।

पर्यटन आपसी सम्मान को बढ़ावा देता है और विभिन्न मूल के व्यक्तियों को एकजुट करके संघर्ष को कम करता है। पश्चिम रेलवे का विशाल नेटवर्क यात्रियों को भारत के सबसे कीमती स्थलों से जोड़ने में एक अपरिहार्य भूमिका निभाता है, चाहे वह गुजरात का प्राचीन इतिहास हो, मध्य प्रदेश के आध्यात्मिक अभयारण्य हों या समकालीन भारत के आधुनिक चमत्कार हों। इन विविध क्षेत्रों को आसानी से सुलभ बनाकर, पश्चिम रेलवे न केवल पर्यटन को बढ़ावा देती है, बल्कि यात्रा के अनुभव को भी समृद्ध करती है, जिससे आगंतुकों को अपने अच्छी तरह से जुड़े रेलवे के माध्यम से भारत के दिल की खोज करने में मदद मिलती है।■

मुख्य जनसंपर्क कार्यालय, पश्चिम रेलवे, मुंबई



अपना ज्ञान टटोलें

1 हाल ही में कैबिनेट ने कितनी राशि की तीन रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी ?

(क) ₹7,927 करोड़ | (ख) ₹7,827 करोड़ | (ग) ₹7,627 करोड़ | (घ) ₹7,527 करोड़

2 भारतीय रेल का पंबन ब्रिज कौन-से राज्य में स्थित है ?

(क) तेलंगाना | (ख) केरल | (ग) तमिलनाडु | (घ) आंध्र प्रदेश

3 महाकुंभ 2025 के लिए भारतीय रेल के कौन-सी पी.एस.यू. ने 'महाकुंभ ग्राम, टेंट सिटी' को लॉन्च किया ?

(क) कॉनकोर | (ख) आई.आर.सी.टी.सी. | (ग) आर.वी.एन.एल. | (घ) क्रिस

4 हाल ही में भारतीय रेल के किस सार्वजनिक उपक्रम (पी.एस.यू.) ने अपना 19वाँ स्थापना दिवस मनाया ?

(क) कॉनकोर | (ख) आई.आर.सी.टी.सी. | (ग) डी.एफ.सी.सी.आई.एल. | (घ) आई.आर.एफ.सी.

5 रेल मंत्रालय द्वारा संचालित विश्वविद्यालय का नाम बताएं

(क) गति शक्ति विश्वविद्यालय | (ख) गति विश्वविद्यालय | (ग) पी.एम. गति शक्ति विश्वविद्यालय | (घ) भारतीय रेल विश्वविद्यालय

6 भारतीय रेल के 'विशेष अभियान 4.0' के तहत कितनी लोक शिकायतों का समाधान किया गया ?

(क) 2 लाख | (ख) 2.5 लाख | (ग) 3 लाख | (घ) 4 लाख

7 अभी हाल ही में किस रेलवे के मुख्यालय के 125 वर्ष पूर्ण हुए हैं ?

(क) पूर्व रेलवे | (ख) उत्तर-मध्य रेलवे | (ग) दक्षिण रेलवे | (घ) पश्चिम रेलवे

8 बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए वापी और सूरत स्टेशन के बीच कितने नदी पुलों का निर्माण किया गया ?

(क) 8 | (ख) 9 | (ग) 12 | (घ) 10

9 'भैरवी-सारंग लाइन रेलवे परियोजना' भारत के किस राज्य में है ?

(क) असम | (ख) नागालैण्ड | (ग) मणिपुर | (घ) मिजोरम

10 दार्जिलिंग में चलने वाली टॉय ट्रेन का क्या नाम है ?

(क) हिमालयन रेलवे | (ख) नीलगिरी माउंटेन रेलवे | (ग) कालका-शिमला रेलवे | (घ) मैथरेन हिल रेलवे

1. (क) 2. (ग) 3. (घ) 4. (ग) 5. (क) 6. (घ) 7. (ख) 8. (ग) 9. (ख) 10. (क)

प्रिय विज्ञापनदाता

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र मासिक हिंदी पत्रिका

भारतीय रेल

में अपने विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं तक अपने उत्पादों की पहुँच बनाएं

विज्ञापन दरें

(विज्ञापन चार कलर में)

नीचे दी गई दरों के साथ 5 प्रतिशत की जीएसटी, आइजीएसटी प्राप्य होगी

विवरण	विशेष दर (वार्षिक अंक) (₹)	सामान्य अंक (मासिक दरें)	
		सामान्य दरें (₹)	अनुबंधित दरें (₹)
बैक कवर	13,300	11,400	10,450
सेकेण्ड कवर	12,350	10,450	9,500
थर्ड कवर	11,400	9,500	8,550
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट के बाद में)	9,500	8,550	7,600
पूरा पृष्ठ	8,550	7,600	6,650
आधा पृष्ठ	6,650	5,130	4,180
सेंटर स्प्रेड	17,000	15,000	13,300
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे) (स्पेशल पोजीशन)	18,500	16,500	14,700

* तीन महीने या ज्यादा समय के लिए लगातार अथवा बारी-बारी देने पर अनुबंधित दरें लागू।

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार

28 X 20.5 सेमी

छपाई क्षेत्र

23 X 16.5 सेमी

भुगतान का माध्यम

'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली' के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नकद राशि रूम नं. 310, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001 में जमा की जा सकती है

विज्ञापन सामग्री

ई-मेल, आर्टपुल, सीडी

पत्रिका का प्रसार

समग्र देश में

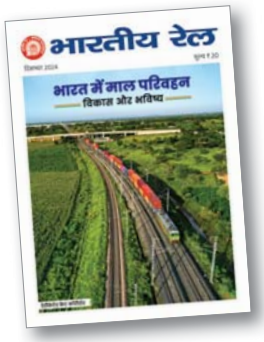
संपर्क करें:

व्यापार प्रबंधक

310, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,

टेलीफोन : 011- 47845378, 23382531

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए
रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका



भारतीय रेल

की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

अब ई-पत्रिका भी उपलब्ध

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

क्यू आर कोड स्कैन करें

सदस्यता शुल्क

मद		ऑफलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ऑनलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ई-मैगज़ीन सदस्यता शुल्क (₹)
एक प्रति (मासिक अंक)		20	-	10
एक प्रति (विशेषांक)		70	-	40
वार्षिक सदस्यता (सर्व साधारण)	एक वर्ष	250	263	130
	दो वर्ष	460	483	230
	तीन वर्ष	675	709	340
वार्षिक सदस्यता (रेलकर्मी)	एक वर्ष	200	210	100
	दो वर्ष	370	389	190
	तीन वर्ष	540	567	270
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) सी-मेल द्वारा		1,250	1,313	----
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) एयर-मेल द्वारा		2,500	2,625	----

(सदस्यता शुल्क में वार्षिक विशेषांक भी शामिल है।)

सदस्यता फॉर्म

नाम .....

पता .....

..... पिन कोड .....

मोबाइल ..... ई-मेल .....

पहचान पत्र संख्या (यदि रेल कर्मचारी है तो): ..... वैधता की तारीख .....

ऑफलाइन भुगतान का माध्यम

I) एम.ओ./आई.पी.ओ/डी.डी. व्यापार प्रबंधक के पक्ष में कमरा नं0 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110001
II) नगद जमा कराने हेतू : कमरा नं0 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110001

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: व्यापार प्रबंधक, कमरा नं. 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलीफोन: 011-47845089, 45089 (रेल) **bmpr310rb@gmail.com**

RAILWAY OPERATIONS

GENERATING AND ENSURING A FAULTLESS POWER SUPPLY



Rolling Stock

DLRO10HDX
10 A digital low resistance ohmmeter



TORKEL900
Battery discharge test system



MTR105
Industrial multifunctional motor and generator tester



Traction substation

EGIL200
Easy-to-use circuit breaker analyser



SMRT1
Single phase relay test system



TRAX
Multifunctional transformer and substation test system



Cable infrastructure

STX40
Portable fault location unit with 7 different technologies built-in



VLF Sinus 62-TD
Commissioning testing and condition analysis of medium voltage cables



MFM10 & ESG NT2
DC cable sheath test and sheath fault pinpointing unit



Scan the QR code to visit our website
or call us at +91 91671 90558
or email us at india.marketing@megger.com

Megger

IRIS Certification
AAR M-1003

Daulat Ram
ENGINEERING

PRIME MOVERS FOR RAIL, MINING & URBAN MOBILITY

- Traction Motors / Alternators
- Air Conditioners
- Cooling Fans / Blowers
- Dynamic Brake Resistors
- Pantographs
- E- Buses
- Auxiliary Generators



10/2, NH-12, Simrai, Post Obedullahganj, Distt. Raisen, Near Bhopal, 464993, India
+91 7480 350001 to 350030 +91 8889983336 info@daulatram.org www.daulatram.com

FLUID CONTROLS®

ENGINEERING CONNECTIONS EVERYDAY



HIGH PERFORMANCE PRODUCTS. ON TIME. EVERY TIME.

Fluid Controls Private Limited has 50 years of experience in Engineering Connections for Rail & Metro brake piping assemblies. Certified for the International Railway Industry Standard (IRIS-ISO/TS 22163:2017), and ISO/IEC 17025:2017 for our laboratory, Fluid Controls offers comprehensive solutions – from design, engineering, testing, and on-site installation services to the supply of high-performance connectors, isolating cocks, cleats and tube & hose assemblies.

- 50 YEARS OF HERITAGE
- IRIS & NABL CERTIFIED
- IN-HOUSE R&D
- OVER 30 MILLION CONNECTORS INSTALLED
- APPROVED BY MAJOR ROLLING STOCK MANUFACTURERS



+91-22-68238000 | railways@fluidcontrols.com | fluidcontrols.com

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2024-25-2026
आर.एन.आई रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
ISSN 2457-0001
दिनांक 08 को प्रकाशित तथा दिनांक 10-11 को प्रेषित

Across Borders, Beyond Limits
Our CNC Wheel Lathes, a Symbol of Railway Excellence Worldwide


CNC Portal Wheel Lathe


CNC Underfloor Wheel Lathe


CNC Vertical Turning & Boring Lathe

Malaysia Sri Lanka Turkey Gabon India
France Thailand Ghana Senegal South Africa

hyt

HYT ENGINEERING COMPANY PVT. LTD.

Sales Office: 17-18, Ground Floor, Hans Bhawan, Bahadur Shah Zafar Marg, I.T.O., New Delhi - 110 002, India. Phone: + 91 11 4320 2200/01

Work: 29/10, 29/10/1, 29/10/2, D-II Block, MIDC, Chinchwad, Pune - 411 019, India. Phone: + 91 20 6634 3900

www.hytengineering.com I info@hytengineering.com

मुद्रक व प्रकाशक : **ललित कुमार धनकड़** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स विबा प्रेस प्रा. लि., सी-66/3, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, नई दिल्ली-110020 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**